राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.gauravshalibharat.com

गौरवशाली भारत

नई दिल्ली से प्रकाशित

वर्ष : 11
अंक : 283
पृष्ठ : 08
नई दिल्ली
सोमवार 25 अप्रैल 2022
मूल्य : 1.50/-
RNI No .DELHIN/2011/38334

मुख्य अपडेट

पेज 3 गोमांस तस्करी के अभियोग में वांछित 25,000 रूपये के इनामी बदमाश को पुलिस ने मुठभेड़ के उपरांत किया गिरफ्तार

पेज 5 महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन भाजपा सरकारों की प्राथमिकता : सीएम योगी

पेज 7 अगर बेन स्टोक्स कप्तान नहीं बनना चाहते तो इंग्लैंड क्रिकेट के लिए बड़ी मुसीबत है : चैपल

भारत का ड्रैगन को करारा जवाब

चीनी नागरिकों को जारी टूरिस्ट वीजा किया सस्पेंड

नई दिल्ली। भारत ने पड़ोसी देश चीन को तगड़ा झटका दिया है। भारत ने चीनी नागरिकों को जारी किए गए टूरिस्ट वीजा को निलंबित कर दिया है। ग्लोबल एयरलाइंस बॉडी इंटरनेशनल एयर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन ने 20 अप्रैल को अपने कैरियर मेंबर को यह जानकारी दी है। भारत की ओर से यह कदम चीन विश्वविद्यालयों में पढ़ रहे करीब 22000 भारतीय छात्रों को फिजिकल क्लास करने की अनुमति नहीं दिए जाने के बाद उठाया है। चीन आज तक इन छात्रों को अपने देश में एंट्री से मना करते आया है। साल 2020 में चीन में कोरोना महामारी की शुरुआत में इन छात्रों पढ़ाई बीच में छोड़कर भारत आना पड़ा था। भारत को लेकर 20 अप्रैल को जारी एक सर्कुलर में इंटरनेशनल एयर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन ने कहा, चीन (पीपुल्स रिपब्लिक) के नागरिकों को जारी किए गए टूरिस्ट वीजा अब वैध नहीं हैं। सर्कुलर में यह भी कहा गया कि 10 साल की वैधता वाले टूरिस्ट वीजा अब मान्य नहीं हैं। आईएटीए करीब 290 सदस्यों वाला एक ग्लोबल बॉडी है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने 17 मार्च को कहा था कि भारत ने बीजिंग से इस मामले में सौहार्दपूर्ण रुख अपनाने का आग्रह किया है क्योंकि सख्त प्रतिबंधों की निरंतरता हजारों भारतीय छात्रों के शैक्षणिक करियर को खतरे में डाल रही है।

कश्मीर : तीन दिन में चौथा एनकाउंटर

पुलवामा में लश्कर का डिप्टी कमांडर रेहान मारा गया, इंस्पेक्टर परवेज की मस्जिद के सामने हत्या की थी

श्रीनगर। कश्मीर के पुलवामा जिले के पाहू इलाके में रविवार को सुरक्षा बलों ने एनकाउंटर में तीन आतंकियों को मार गिराया। मारे गए आतंकियों में से एक का नाम आरिफ उर्फ रेहान है। आरिफ लश्कर-ए-तैयबा का डिप्टी कमांडर था। उसने कुछ महीने पहले इंस्पेक्टर परवेज की उस वक्त हत्या कर दी थी, जब वो नमाज पढ़कर मस्जिद से घर लौट रहे थे।

जम्मू-कश्मीर में यह तीन दिन में चौथा एनकाउंटर है। मारे गए बाकी दोनों आतंकी भी लश्कर से जुड़े बताए गए हैं। इलाके में सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है।

पुलिस के मुताबिक, रविवार सुबह इस इलाके में आतंकियों की मौजूदगी की पुख्ता सूचना मिली थी। इसके बाद सर्च ऑपरेशन लॉन्च किया गया। इस दौरान आतंकियों ने सुरक्षा बलों पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में तीन आतंकी मारे गए। इलाके को चारों तरफ से घेर लिया गया है।

लश्कर के तीन आतंकी निशाने पर थे- आईजी विजय कुमार

कश्मीर पुलिस के IG विजय कुमार ने बताया कि लश्कर-ए-तैयबा के तीन आतंकी निशाने पर थे। IGP कश्मीर के मुताबिक- एनकाउंटर में आरिफ हजार उर्फ रेहान मारा गया है। वो लश्कर का डिप्टी कमांडर था। उसने इंस्पेक्टर परवेज की मस्जिद के सामने हत्या की थी। इसके अलावा सब इंस्पेक्टर शाहिद और एक मोबाइल शॉप चलाने वाले को भी उसने ही मारा था। उसके खिलाफ श्रीनगर में 7 केस दर्ज थे।

मोदी के दौरे के पहले हुआ था हमला

प्रधानमंत्री मोदी रविवार को जम्मू में थे। इसके दो दिन पहले बड़ी आतंकी साजिश को नाकाम कर दिया गया था। जम्मू में सुंजवां और चड्ढा आर्मी कैंप के पास सुरक्षाबलों पर आतंकियों ने फायरिंग की थी। इसके बाद शुरू हुए एनकाउंटर में 3 आतंकियों को ढेर कर दिया गया था। CISF के एक ASI एसपी पटेल इस एनकाउंटर में शहीद हो गए थे। इसके अलावा 5 जवान घायल हो गए थे। इस हमले की जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी को सौंपी गई है। शुक्रवार को NIA टीम ने घटनास्थल का मुआयना कर कुछ सबूत भी जुटाए थे। 10 फरवरी 2018 में सुंजवां के आर्मी कैंप पर जैश-ए-मोहम्मद के फिदायीन दस्ते ने हमला किया था।

> **घाटी में सेना का सर्च ऑपरेशन**
>
> **कश्मीर में सेना लगातार सर्च ऑपरेशन कर आतंकियों का सफाया कर रही है, ताकि घाटी से आतंकवाद को हटाया जा सके। बता दें कि बाबा बर्फानी अमरनाथ जी की यात्रा इस साल 30 जून से शुरू होगी। यात्रा के लिए 11 अप्रैल से रजिस्ट्रेशन शुरू हो चुके हैं। कोरोना की वजह से दो साल से अमरनाथ यात्रा पर रोक लगी थी। इस साल ज्यादा भीड़ होने की आशंका है। इस कारण भी सेना सतर्क है।**

पंजाब में पकड़ी गई 700 करोड़ की हेरोइन

अफगानिस्तान से आई थी 102 किलो की खेप

एजेंसी

अमृतसर। कस्टम विभाग के अधिकारियों ने रविवार को अमृतसर में एक बड़ी वारदात का खुलासा किया है। अधिकारियों ने पाकिस्तान चेक पोस्ट के माध्यम से अफगानिस्तान से आ रहे एक ट्रक कप पकड़ा तो वे हैरान रह गए। इस ट्रक में 700 करोड़ रुपये की 102 किलोग्राम हेरोइन की खेप जब्त की। बताया जा रहा है कि इस हीरोइन को दिल्ली के एक आयातक द्वारा अफगानिस्तान से आ रही मुलेठी की खेप में छुपाया गया था।

दरअसल, यह घटना अटारी बॉर्डर की है। अफगानिस्तान से आईसीपी अटारी पर पहुंचे ट्रक की बोरी में मुलेठी के साथ लकड़ी के खोल छिपाए गए थे। इंडिया टुडे की एक रिपोर्ट के मुताबिक निर्धारित जांच प्रक्रिया के बाद मामले का पता चला था। खेप में कुछ लकड़ी के लट्ठों में एक अधिकारी द्वारा धब्बे देखे गए तो उनको शक हुआ। इसके बाद संदिग्ध तस्वीरों को देखते हुए सीमा शुल्क अधिकारियों की मौजूदगी में बैग खोले गए।

जब इनको खोला गया तो देखा गया कि कुछ में छोटे बेलनाकार लकड़ी के लट्ठे थे। इन्हीं में सुराख कर हेरोइन फिक्स की गई थी। पूरी रात कस्टम की टीम इन खोल को तोड़-तोड़ कर हेरोइन निकालती रही। रविवार सुबह तक 102 किलो हेरोइन निकली। यह अब तक दूसरी सबसे बड़ी बरामदगी है। इससे पूर्व 2019 में आईसीपी अटारी में 584 किलोग्राम हेरोइन पकड़ी गई थी।

बताया गया कि मुलेठी की यह खेप अफगानिस्तान के शहर मजार-ए-शरीफ से अलेम नाजिर कंपनी ने दिल्ली के व्यापारी को भेजी थी। इसमें हेरोइन किसने रखी और किसके लिए रखी, इस पर जांच शुरू हो गई है। मुलेठी की इन 340 बोरियों को मजीठ मंडी से जुड़े कस्टम हाउस के एजेंट को रिसीव करना था और दिल्ली के व्यापारी को भेजना था। फिलहाल मामले की जांच जारी है।

कर्नाटक में हिजाब के बाद अब बाइबिल पर महाभारत

एजेंसी

बेंगलुरु। कर्नाटक में हिजाब पहनने को लेकर शुरू हुए विवाद के बाद अब ईसाईयों के पवित्र धर्मग्रंथ बाइबिल को लेकर नया संग्राम शुरू हो गया है। हिन्दू संगठनों का दावा है कि बेंगलुरु स्थित एक स्कूल में बच्चों के माता-पिता से यह वादा लिया जा रहा है कि वे अपने बच्चे को बाइबिल के साथ ही स्कूल भेजेंगे। इस घटना के बाद एक बार फिर कर्नाटक में नया बवाल शुरू हो गया है। हिन्दू संगठनों का यह भी आरोप है कि स्कूल प्रशासन गैर ईसाई छात्रों को भी बाइबिल पढ़ने पर मजबूर कर रहा है। मामला कर्नाटक के बेंगलुरु में क्लेरेंस हाई स्कूल से जुड़ा है। जानकारी मिली

है कि स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों के माता-पिता से एक वचन लिया जा रहा है कि वे अपने बच्चों को पवित्र पुस्तक बाइबिल को स्कूल परिसर में ले जाने पर आपत्ति नहीं करेंगे। स्कूल के नए दिशा-निर्देश पर हिन्दू संगठनों ने आपत्ति जताई है। इसे कर्नाटक शिक्षा अधिनियम का उल्लंघन बताया है।

रिपोर्ट के अनुसार, हिंदू जनजागृति समिति के राज्य प्रवक्ता मोहन गौड़ा ने दावा किया है कि स्कूल गैर-ईसाई छात्रों को बाइबिल पढ़ने के लिए मजबूर कर रहा है। समूह ने दावा किया कि स्कूल में गैर-ईसाई छात्र भी हैं जो स्कूल में पढ़ रहे हैं और उन्हें जबरन बाइबिल पढ़ने के लिए मजबूर किया जा रहा है। हालांकि, स्कूल प्रशासन ने अपने रुख का बचाव किया है और कहा कि वह बाइबिल आधारित शिक्षा प्रदान करता है।

जानकारी के अनुसार, स्कूल में प्रवेश के लिए आवेदन पत्र पर क्रमांक संख्या 11 में लिखा है, आप पुष्टि करते हैं कि आपका बच्चा अपने स्वयं के नैतिक और आध्यात्मिक कल्याण के लिए मॉर्निंग असेंबली स्क्रिप्चर क्लास और क्लबों सहित सभी कक्षाओं में भाग लेगा और बाइबिल ले जाने पर आपत्ति नहीं करेगा।

पाठ्यक्रम में भगवत गीता

गौरतलब है कि हाल ही में, कर्नाटक सरकार ने स्कूलों में भगवद गीता को पेश करने की योजना की घोषणा की थी।

मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने कहा था कि भगवद गीता को स्कूली पाठ्यक्रम में शामिल करने का निर्णय चर्चा के बाद लिया जाएगा। इससे पहले गुजरात सरकार ने 17 मार्च को कक्षा 6-12 के लिए स्कूल पाठ्यक्रम में श्रीमद् भगवद गीता को शामिल करने का निर्णय लिया था।

जहांगीरपुरी से तिरंगा यात्रा : भाईचारा बढ़ाने के लिए निकाली गई यात्रा

दोनों समुदायों ने भारत माता की जय के नारे लगाए

नई दिल्ली। जहांगीरपुरी में बीते दिनों जिस इलाके में हिंसा हुई थी, वहां भाईचारा बनाए रखने के लिए दोनों समुदाय के लोगों ने मिलकर तिरंगा यात्रा निकाली। जहांगीरपुरी के कुशल चौक से शुरू हुई ये तिरंगा यात्रा आजाद चौक पर खत्म हुई। यात्रा में शामिल लोगों ने भारत माता की जय के नारे लगाए। लोगों ने अपने घर की छतों से तिरंगा यात्रा पर फूल बरसाए। नॉर्थ वेस्ट दिल्ली की DCP उषा रंगनानी ने बताया, दो दिन पहले मीटिंग में दोनों समुदायों की तरफ से तिरंगा यात्रा निकालने की मंजूरी मांगी गई थी। यात्रा में दोनों समुदायों लोगों से सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने की अपील की, इस दौरान सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे।

पुलिस की पैनी निगाहें

भारी पुलिस फोर्स की मौजूदगी में तय जगहों से यह यात्रा निकाली गई। तिरंगा यात्रा जहांगीरपुरी के कुशल चौक से शुरू हुई और जिस जामा मस्जिद के

सामने पथराव हुआ था, वहां से होते हुए आजाद चौक पर खत्म हुई। यात्रा में करीब 50 लोगों के शामिल होने की जानकारी दी गई थी, लेकिन कहीं ज्यादा लोग शामिल हुए।

आरोपियों के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का केस दर्ज

दूसरी तरफ, ED ने जहांगीरपुरी हिंसा के मुख्य आरोपी अंसार शेख और अन्य संदिग्धों की संपत्तियों की जांच के लिए मनी लॉन्ड्रिंग का मामला भी दर्ज किया है।

दरअसल, पुलिस के मुताबिक शेख को हिंसा के लिए विदेश से फंडिंग होने आशंका है। उसके पास पश्चिम बंगाल के हल्दिया में एक बड़ी हवेली भी है, जिसके बाद संपत्तियों की जांच की जा रही है।

TMC सांसद पहुंचीं जहांगीरपुरी

तृणमूल कांग्रेस की सांसद काकोली घोष दस्तीदार शुक्रवार को जहांगीरपुरी पहुंची थीं। उन्होंने दावा किया कि जहांगीरपुरी के इलाकों में लगाए गए प्रतिबंधों की वजह से वहां के लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

उन्होंने कहा- 16 अप्रैल को जहां हिंसा हुई वहां रह रहे लोगों को पिंजरे में रखा गया है और बाहर आने की इजाजत नहीं है।

मोदी ने किया 20,000 करोड़ की योजनाओं का उद्घाटन

मोदी ने 3100 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से बनी बनिहाल काजीगुंड सड़क सुरंग का उद्घाटन किया

एजेंसी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को जम्मू-कश्मीर के सांबा जिले की पल्ली पंचायत में 20,000 करोड़ रुपये लागत वाली विकास योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया।

पांच अगस्त 2019 को जम्मू-कश्मीर से धारा 370 हटने के बाद पहली बार केंद्र शासित प्रदेश पहुंचे श्री मोदी ने पंचायती राज दिवस के अवसर पर पल्ली पंचायत से देश भर की ग्राम सभाओं को संबोधित किया।

प्रधानमंत्री ने जम्मू कश्मीर के अपने दौरे पर बुनियादी सुविधाओं को सुलभ बनाने, आवागमन में आसानी और इस क्षेत्र में बुनियादी ढांचे के विकास को सुनिश्चित करने के लिए कई योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास भी किया।

मोदी ने 3100 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से बनी बनिहाल काजीगुंड सड़क सुरंग का उद्घाटन किया। कुल 8.45 किलोमीटर लंबी यह सुरंग सड़क मार्ग से बनिहाल और

काजीगुंड के बीच की दूरी को 16 किलोमीटर तक कम कर देगी और यात्रा में लगने वाले समय में लगभग डेढ़ घंटे की कमी ला देगी।

इस सुरंग में रखरखाव और आपातकालीन निकासी के उद्देश्य से बनाए गए दोहरे ट्यूबों को हर 500 मीटर की दूरी पर एक क्रॉस मार्ग के जरिए आपस में जोड़ा जा गया है।

मोदी ने 7500 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से बनने वाले दिल्ली-अमृतसर-कटरा एक्सप्रेस-वे के तीन रोड पैकेजों की आधारशिला रखी। दिल्ली-अमृतसर-कटरा एक्सप्रेस-वे पर 4/6 लेन वाली सड़कों का निर्माण राष्ट्रीय राजमार्ग-44 पर बलसुआ से गुरहा बैलदारन, हीरानगर तक; गुरहा बैलदारन, हीरानगर से जाख, विजयपुर तक; और जाख, विजयपुर से कुंजवानी, जम्मू तक (जम्मू हवाई अड्डे तक कनेक्टिविटी के साथ) नियंत्रित पहुंच प्रदान करने के उद्देश्य से किया जाएगा।

उन्होंने रतले और क्वार पनबिजली परियोजनाओं की आधारशिला भी रखी। इन परियोजनाओं के तहत किश्तवाड़ जिले में चिनाब नदी पर लगभग 5300 करोड़ रुपये की लागत से 850 मेगावाट की रतले पनबिजली परियोजना का निर्माण किया जाएगा। पांच सौ 40 मेगावाट की क्वार पनबिजली परियोजना का निर्माण भी किश्तवाड़ जिले में चिनाब नदी पर 4500 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से किया जाएगा। इन दोनों पनबिजली परियोजनाओं से इस क्षेत्र की बिजली संबंधी जरूरतों को पूरा करने में मदद मिलेगी।

मोदी ने जम्मू- कश्मीर में जन औषधि केन्द्रों के नेटवर्क का और विस्तार करने तथा सस्ती कीमतों पर अच्छी गुणवत्ता वाली जेनेरिक दवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 100 जन औषधि केन्द्र राष्ट्र को समर्पित किये। ये केन्द्र इस केन्द्र शासित प्रदेश के सुदूरवर्ती इलाकों में स्थित हैं।

प्रधानमंत्री ने पल्ली में 500 किलोवाट के एक सौर ऊर्जा संयंत्र का भी उद्घाटन किया। इस सौर संयंत्र के साथ पल्ली देश की पहली कार्बन न्यूट्रल पंचायत बन गयी।

मोदी ने स्वामित्व योजना के लाभार्थियों को प्रधानमंत्री स्वामित्व कार्ड सौंपा। प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस पर विभिन्न श्रेणियों में उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए पुरस्कार पाने वाली पंचायतों को पुरस्कार राशि भी हस्तांतरित की।

मोदी ने इस इलाके की ग्रामीण विरासत को दर्शाने वाली इनताच फोटो गैलरी, और भारत में आदर्श स्मार्ट गांव के निर्माण के लिए डिज़ाइन किये गये ग्रामीण उद्यमिता-आधारित मॉडल नोकिया स्मार्टपुर का भी दौरा किया।

क

यूपी के 6 जिलों में फिर लौटा मास्क, नहीं लगाने पर जुर्माना

5वें दिन भी कोरोना के 2 हजार से ज्यादा नए केस

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत में एक बार फिर से कोरोना के मामले बढ़ रहे हैं। देश में लगातार 5वें दिन कोरोना के 2 हजार से ज्यादा नए मामले सामने आए हैं। बीते दिन देश में कोरोना के 2591 केस मिले, वहीं 44 मरीजों की मौत हो गई। देश का पॉजिटिविटी रेट 0.59 प्रतिशत हो गया है। अगर देश में कोरोना के एक्टिव मामलों की बात करें तो यह संख्या बढ़कर 15,873 हो गई है।

केरल में डरा रहा कोरोना

कोरोना की तीसरी लहर की तरह एक बार फिर से केरल में कोरोना डराने लगा है। यहां बीते 24 घंटे में कोरोना के 300 नए मामले सामने आए, वहीं 38 मरीजों की मौत हो गई। वहीं उत्तर प्रदेश में शनिवार को 226 नए केस मिले। सबसे ज्यादा 126 मरीज गौतमबुद्ध नगर में पाए गए हैं।

स्कूलों में कोरोना संक्रमण

स्कूलों में बढ़ते संक्रमण को देखते हुए लखनऊ समेत एनसीआर के 6 जिलों के लिए कोविड प्रोटोकॉल लागू किए जाने का आदेश जारी किया गया है। इनमें गाजियाबाद, मेरठ, हापुड़, बुलंदशहर, गौतम बुद्ध नगर और लखनऊ जिले शामिल हैं।

यूपी में कोरोना मरीजों के बढ़ते ग्राफ को देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी अधिकारियों को सख्ती बरतने के आदेश दिए हैं। साथ ही लखनऊ सहित एनसीआर के जिलों में सार्वजनिक स्थानों पर मास्क लगाना अनिवार्य करने के निर्देश दिए हैं।

उत्तराखंड के देहरादून स्थित एक स्कूल में 11 साल का बच्चा कोरोना पॉजिटिव मिला है।

राज्य के शिक्षा विभाग ने स्कूल को बंद करने का निर्देश देते हुए राज्य भर के स्कूलों के लिए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। मामला देहरादून के ब्राइटलैंड्स स्कूल का है।

ओमिक्रॉन वेरिएंट पर कोविशील्ड पर प्रभाव बेहद कम

एक स्टडी में पता चला है कि कोरोना के ओमिक्रान वेरिएंट के खिलाफ कोविशील्ड वैक्सीन भी कमजोर है। स्टडी में बताया गया कि ओमिक्रॉन के बीए 1 वेरिएंट पर कोविशील्ड वैक्सीन का प्रभाव बेहद कम था। इस स्टडी में उन मरीजों को शामिल किया गया जो कोरोना की कोविशील्ड वैक्सीन की दोनों खुराकें ले चुके थे। बता दें कि इससे पहले एक रिपोर्ट में कहा गया था कि ओमिक्रॉन वेरिएंट के खिलाफ कोवैक्सीन भी ज्यादा असरदार नहीं है।

विशेषज्ञों का कहना है कि कोविशील्ड या कोवैक्सीन की दोनों डोज लेने के बाद भी ओमिक्रॉन और उसके सब वैरिएंट आपको बीमार कर सकते हैं। इनसे बचने के लिए बूस्टर डोज की सलाह दी है।

दिव्यांगों की क्षमता विकास में तकनीक महत्वपूर्ण : मोदी

एजेंसी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि दिव्यांगों की क्षमता विकास में तकनीक का महत्वपूर्ण योगदान है और इसका लगातार प्रयोग किया जाना चाहिए।

श्री मोदी ने आकाशवाणी पर अपने मासिक कार्यक्रम %मन की बात% में राष्ट्र को संबोधित करते हुए कहा कि तकनीक से सामान्य जनजीवन तेजी से बदल रहा है। तकनीक ने दिव्यांगों का जीवन सरल बनाने में भी महत्वपूर्ण योगदान किया है। दिव्यांग साथियों की असाधारण क्षमताओं का लाभ देश और दुनिया को दिलाने में तकनीक की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा, हमारे दिव्यांग भाई-बहन क्या कर सकते हैं, ये हमने टोक्यो पैरालंपिक में देखा है। खेलों की तरह ही, कला , शिक्षा और दूसरे कई क्षेत्रों में दिव्यांग साथी कमाल कर रहे हैं, लेकिन, जब इन साथियों को तकनीक की ताकत मिल जाती है, तो ये और भी बड़े मुकाम हासिल करके दिखाते हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि देश आजकल संसाधनों और बुनियादी ढांचे को दिव्यांगों के लिए सुलभ बनाने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है। देश में ऐसे कई स्टार्टअप्स और संगठन भी हैं जो इस दिशा में प्रेरणादायी काम कर रहे हैं। उन्होंने 'वायस ऑफ़ स्पेशियली एबल्ड पीपुल' का उल्लेख करते हुए कहा कि यह सहयोग देने वाली तकनीक के क्षेत्र में नए अवसरों को प्रोत्साहित कर रही है। जो दिव्यांग कलाकार हैं, उनके काम को, दुनिया तक, पहुंचाने के लिए भी एक नयी शुरुआत की गई है। इन कलाकारों की पेंटिंग की डिजिटल आर्ट गैलरी तैयार की है।

मोदी ने कहा कि दिव्यांग असाधारण प्रतिभाओं के धनी होते हैं और उनके पास असाधारण क्षमताएं होती हैं।

शार्ट न्यूज

जम्मू कश्मीर से अफस्पा खत्म करें : माकपा

श्रीनगर। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) ने रविवार को जम्मू कश्मीर से विवादास्पद सशस्त्र बल विशेष अधिकार अधिनियम (अफस्पा) को हटाने की अपनी मांग दोहराई। माकपा की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि सुरक्षा बलों को प्राप्त बेलगाम शक्तियों के कारण जम्मू कश्मीर और पूर्वोत्तर राज्यों में मानवाधिकारों का घोर उल्लंघन हुआ है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का यह बयान कि रक्षा बलों की तीनों शाखाएं उत्तर पूर्व और जम्मू कश्मीर से अफस्पा हटाने के पक्ष में हैं, यह दर्शाता है कि सरकार ने आखिरकार महसूस किया है कि कानून के परिणामस्वरूप कथित मानवाधिकारों का हनन हुआ है। बयान में कहा गया है कि औपनिवेशिक युग का कानून, जिसका आधुनिक समाज में कोई स्थान नहीं है, सुरक्षा बलों के बीच दण्ड से मुक्ति के शासन को बढ़ावा देता है। कश्मीर में 1990 में कठोर कानून लागू होने के बाद से घोर मानवाधिकारों के हनन की स्थिति है। माकपा ने हमेशा जम्मू कश्मीर और पूर्वोत्तर दोनों से कानून को निरस्त करने का आह्वान किया है। विवादास्पद कानून के खिलाफ पार्टी विभिन्न मंचों पर आवाज उठाती रही है।

भारतीय डाक विभाग ने फर्जी सोशल मीडिया संदेशों के प्रति किया आगाह

तिरुवनंतपुरम। भारतीय डाक विभाग ने फर्जी सोशल मीडिया संदेशों के प्रति आगाह किया है कि जिसमें कहा गया है कि इंडिया पोस्ट कुछ सर्वेक्षणों, प्रश्नोत्तरी के माध्यम से सरकारी सहायता प्रदान कर रहा है। भारतीय डाक ने रविवार को बयान जारी कर कहा कि विभाग सर्वेक्षण आदि के आधार पर सब्सिडी, बोनस या पुरस्कार की घोषणा जैसी ऐसी किसी भी गतिविधि में शामिल नहीं है। विभाग की ओर से जारी बयान में कहा गया कि ऐसी सूचनाएं, संदेश, ईमेल प्राप्त करने वाले लोगों से अनुरोध है कि वे ऐसे फर्जी और गलत संदेशों पर विश्वास न करें या उनका जवाब न दें या कोई व्यक्तिगत विवरण साझा न करें। बयान में लोगों से यह भी आग्रह किया गया कि व्यक्तिगत रूप से पहचान योग्य जानकारी जैसे जन्म तिथि, खाता संख्या, मोबाइल नंबर, जन्म स्थान और अन्य कोई जानकारी साझा न करें। भारतीय डाक विभाग भी विभिन्न रोकथाम तंत्रों के माध्यम से इन यूआरएल्स, लिंक्स, वेबसाइटों को हटाने या रोकने के लिए आवश्यक कार्रवाई कर रहा है।

पराली जलाने के दो मामलों में पांच हजार रूपये जुर्माना

जालंधर। पंजाब के जालंधर जिले में प्रशासन ने पराली जलाने के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए फील्ड स्टाफ से पुष्टि रिपोर्ट के बाद दो मामलों में 5000 रूपये का पर्यावरण मुआवजा (जुर्माना) लगाया है। उपायुक्त घनश्याम थोरी ने रविवार को बताया कि अधिकारियों द्वारा आईईसी अभियान से लेकर प्रवर्तन अभियान तक की ऐसी घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए एक बहु-आयामी रणनीति अपनाई जा रही है। उन्होंने कहा कि राज्य में अब तक 268 आग की घटनाएं हुई हैं, जिनमें से 12 मामले जालंधर में सामने आए हैं। उन्होंने कहा कि फील्ड स्टाफ ने सात मामलों में मौके का दौरा किया है और केवल दो मामलों में पराली जलाने की पुष्टि हुई है। ग्राम नगर और ग्राम सरनाना में दर्ज दोनों मामलों में प्रत्येक पर 2500-2500 रूपये का जुर्माना लगाया गया है। जबकि पांच मामलों में भौतिक सत्यापन लंबित है और किसी भी घटना में पराली जलाने की पुष्टि होने पर पर्यावरण जुर्माना लगाया जाएगा। थोरी ने किसानों से पराली नहीं जलाने की अपील की है। उन्होंने आग से निकलने वाला धुआं अस्थमा के रोगियों के लिए समस्याएँ बढ़ा सकता है। कार्यकारी अभियंता पीपीसीबी सुखदेव सिंह ने कहा कि खेत में आग की घटनाओं की दैनिक निगरानी एक विस्तृत तंत्र के माध्यम से सुनिश्चित की जा रही है। इसके अलावा सहकारिता विभाग, कृषि विभाग और ग्रामीण विकास और पंचायत विभाग द्वारा जागरूकता अभियान चलाया जा रहा हैं।

राष्ट्रीय सब जूनियर महिला हॉकी में सुखवीर कौर करेंगी पंजाब की कप्तानी

जालंधर। सुखवीर कौर 11 मई से इंफाल (मणिपुर) में शुरू होने वाली 12वीं हाकी इंडिया राष्ट्रीय सब जूनियर महिला हॉकी चैंपियनशिप में भाग लेने वाली पंजाब महिला हाकी टीम की कप्तानी करेंगी। भारत के प्रमुख हॉकी संगठन हॉकी इंडिया द्वारा हॉकी पंजाब के निलंबन के बाद नियुक्त हॉकी पंजाब की एडहॉक कमेटी के सदस्य ओलंपियन बलविंदर सिंह शम्मी ने रविवार को बताया कि 11 से 22 मई तक इंफाल (मणिपुर) में आयोजित होने वाली 12वीं हाकी इंडिया राष्ट्रीय सब जूनियर महिला हॉकी चैंपियनशिप में भाग लेने वाली पंजाब महिला हॉकी टीम का नेतृत्व सुखवीर कौर करेंगी जब कि सुरजीत हाकी सोसाइटी द्वारा संचालित हाकी एकेडमी की खिलाडी हरजोत कौर पंजाब टीम की उप कप्तान होगी। शम्मी के अनुसार पंजाब हॉकी टीम में अन्य खिलाड़ियों में ताशिबा, सुखप्रीत कपूर, जसलीन कौर, पवनदीप कौर, जेसिकादीप कपूर, अमनप्रीत कौर, किरणप्रीत कौर, लखवीर कौर, हरजोत कौर (उपकप्तान) सुखप्रीत कौर, लखविंदर कौर, सुखविंदर कौर, सानिया को शामिल किया गया है जबकि गुरजीत कौर, मनदीप कौर, हरलीन कौर और सुखमीत कम्बोज को स्टैंड बाई प्लेयर्स के रूप में चुना गया है।

पूनियां ने पंचायतीराज के युवा जनप्रतिनिधियों से किया संवाद

जयपुर। राजस्थान में भारतीय जनता युवा मोर्चा के द्वारा राष्ट्रीय पंचायतीराज दिवस पर पंचायतीराज और नगर निकाय शासन की महता विषय पर आज यहां युवा जनप्रतिनिधि संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। भाजयुमो प्रदेशाध्यक्ष हिमांशु शर्मा के नेतृत्व आयोजित युवा जनसंवाद कार्यक्रम में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया, शर्मा एवं जयपुर जिला प्रमुख रमा देवी ने पंचायतीराज के युवा जन प्रतिनिधियों यथा जिला परिषद सदस्य,पंचायत समिति सदस्य ,प्रधानों के साथ संवाद किया। डा पूनिया ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि पंचायतीराज का भाजपा के जनप्रतिनिधि अगर अपनी सक्रिय जनभागीदारी बढ़ाएंगे तो निश्चित तौर पर ग्राम सभा को नई ताकत मिलेगी, जिससे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी का विकसित ग्राम का सपना साकार होगा ही साथ ही भाजपा के अंत्योदय के विचार को भी नई क्रांति मिलेगी। श्री शर्मा ने कहा कि ग्राम उत्थान से राष्ट्र उत्थान का संकल्प लेकर इसे सिद्धि तक पहुंचना है और स्वराज के अमृत महोत्सव पर हम सभी को प्रयास करना चाहिए कि गाँव स्वस्थ व संसाधन युक्त हों तथा स्वास्थ्य, रोज़गार और शिक्षा के संसाधनों की कमी के कारण ग्राम से पलायन ना हो। उन्होंने कहा कि गाँव में स्वरोज़गार के साधन उपलब्ध होने चाहिए जिससे गाँव आत्मनिर्भर बन सके और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आत्मनिर्भर भारत के निर्माण का स्वप्न पूर्ण हो सके । शर्मा ने कहा कि आज पंचायतीराज दिवस के अवसर पर भाजयुमो राष्ट्रीय अध्यक्ष तेजस्वी सूर्या के नेतृत्व में समूचे भारत देश में युवा जनप्रतिनिधि संवाद कार्यक्रम आयोजित हो रहे हैं, जो ग्रामीण भारत के विकास की अवधारणा को समझने में सहायक सिद्ध होंगे और ग्रामीण भारत के विकास में युवाओं और महिलाओं के योगदान पर चर्चा की जाएगी ।

जरूरतमंदों को राशन और महिलाओं को दी सिलाई मशीनें

जयपुर। राजस्थान में जयपुर शहर में डेरा सच्चा सौदा की पक्षी उद्धार मुहिम के तहत 629 मिट्टी के सकोरे (परिंडे), 229 परिवारों को एक महीने का राशन बांटा गया। संत रणजीत सिंह एवं सम्पूर्ण सिंह इन्सां ने बताया कि इसके साथ ही अनेक बच्चों को पौष्टिक आहार की किटें एवं महिलाओं को सिलाई मशीनें वितरित की गई। उन्होंने कहा कि कहा कि डेरा अनुयायी मानवता उद्धार के कार्य कर रहे हैं। इन कार्यों में रक्तदान, पौधारोपण, जरूरतमंदों को राशन, गरीब कन्याओं की शादी, गुर्दा दान, पक्षी उद्धार मुहिम के तहत बेजुबान पक्षियों के लिए चुग्गा पानी का प्रबंध सहित अनेक कार्य शामिल हैं। वहीं गर्मी के मौसम में पक्षी उद्धार मुहिम के तहत बेजुबान पक्षियों की सुध लेते हुए अधिक से अधिक परिंडे लगाने का भी साध संगत ने संकल्प लिया। संत कुलभूषण इन्सां ने बताया कि राजस्थान संस्कृति से जुड़े सेवादारों के लोक गीतों से साध संगत झूम उठी।

गुवाहाटी नगर निगम में 'आप' की एंट्री, कांग्रेस के हाथ लगी मायूसी

नई दिल्ली। असम के गुवाहाटी नगर निगम चुनाव में भले ही भाजपा ने बहुमत के साथ बड़ी जीत हासिल की है। लेकिन इस चुनाव में आम आदमी पार्टी ने भी एंट्री ले ली है। आप उम्मीदवार मासूमा बेगम ने वार्ड संख्या 42 जीतकर पार्टी का खाता खोला है। बेगम की जीत के साथ ही गुवाहाटी नगर निगम में आम आदमी पार्टी की एंट्री हो गई है। पार्टी ने उन्हें जीत की बधाई दी है। भाजपा ने इस चुनाव में 60 वार्डों में से 58 में जीत हासिल की है।

आम आदमी पार्टी (आप) ने रविवार को असम के गुवाहाटी नगर निगम चुनाव में खाता खोलकर निगम में एंट्री ले ली है। आम आदमी पार्टी इस जीत को बड़े बदलाव का संकेत बता रही है। आप उम्मीदवार मासूमा बेगम ने वार्ड संख्या 42 से जीत हासिल की है। बताते चलें कि गुवाहाटी नगर निगम चुनाव में भाजपा और उसकी सहयोगी असम गण परिषद (एजीपी) ने गुवाहाटी के कुल 60 वार्डों में से 58 पर जीत हासिल की है। भाजपा ने जहां 52 सीटें जीती, वहीं अगप को 6 सीटें मिली। जबकि असम जातीय पार्टी (एजेपी) ने एक सीट हासिल की है। उधर, कांग्रेस पार्टी एक भी वार्ड जीतने में नाकाम रही।

पीएम मोदी ने दी जीत की बधाई

प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने गुवाहाटी के मतदाताओं को निकाय चुनावों में भाजपा की शानदार जीत पर धन्यवाद दिया है। उन्होंने ट्वीट किया, धन्यवाद गुवाहाटी ! इस प्यारे शहर की जनता ने भाजपा असम को विकास के एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए जोरदार जनादेश दिया है। उन्होंने सीएम हिमंत बिस्वा सरमा के नेतृत्व वाली सरकार की कड़ी मेहनत को भी आशीर्वाद दिया है। कड़ी मेहनत के लिए हर भाजपा कार्यकर्ता का मेरा आभार।

खरगोन में हालात सामान्य, कर्फ्यू में 9 घंटे की छूट

खरगोन। मध्यप्रदेश के हिंसा ग्रस्त खरगोन जिला मुख्यालय पर आज भी 9 घंटे की छूट के दौरान हालात सामान्य बने रहे। आधिकारिक जानकारी के अनुसार 10 अप्रैल रामनवमी को जुलूस पर पथराव के उपरांत भड़की हिंसा को लेकर लगाए गए कर्फ्यू में आज भी सुबह 8:00 से शाम 5:00 बजे तक छूट दी गई। यह छूट कल भी जारी रहेगी।

पुड्डुचेरी को सर्वश्रेष्ठ केंद्र शासित प्रदेश बाया जायेगा : अमित शाह

पुड्डुचेरी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि विधानसभा चुनाव के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से की गयी घोषणा के अनुरुप पुड्डुचेरी को सर्वश्रेष्ठ केंद्र शासित प्रदेश बनाया जाएगा। शाह ने यहां पर कई परियोजनाओं की आधारशिला रखते हुए कहा कि केंद्र अरबिंदो और कवि सुब्रमण्य भारती की स्थली पुड्डुचेरी को हर संभव सहायता प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि गत कांग्रेस सरकार के दौरान भ्रष्टाचार का बोलबाला था, लेकिन हमारा एजेंडा केवल विकास है। इस मौके पर उपराज्यपाल तमिलिसाई सुंदरराजन ने कहा कि सभी लोगों के संयुक्त प्रयासों से पुड्डुचेरी को देश में सर्वश्रेष्ठ केंद्र शासित प्रदेश बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री रंगासामी ने कहा कि केंद्र सरकार पुड्डुचेरी के विकास के लिए हर संभव सहायता दे रही है। उन्होंने कहा, हमारी दीर्घकालिक मांग पुड्डुचेरी को राज्य का दर्जा देने की है और उम्मीद है कि हमारी यह मांग पूरी होगी। उन्होंने यह भी उम्मीद जताई कि केंद्र सरकार पुड्डुचेरी के लिए मांगी गई अतिरिक्त धनराशि भी प्रदान करेगी। शाह ने रविवार को जिन परियोजनाओं की आधारशिला रखी, उनमें 6.07 करोड़ रुपये की लागत से नुंगमबक्कम में एक फ्रेंको तमिल गांव, बॉटनिकल गार्डन का सुधार, शहरी वन क्षेत्र में इको पर्यटन के अलावा पुड्डुचेरी विश्वविद्यालय के लिए तीन शैक्षणिक भवन का निर्माण शामिल हैं।

नादिया गैंगरेप और हत्याः टीएमसी नेता के बेटे का दोस्त समेत तीन गिरफ्तार

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के नादिया जिले में किशोरी से गैंगरेप और हत्या मामले में सीबीआई ने तीन और आरोपियों की गिरफ्तारी कर ली है। इन तीन आरोपियों में एक मुख्य आरोपी ब्रजा गोला का दोस्त है जो स्थानीय टीएमसी नेता का बेटा है। सीबीआई के सूत्रों के मुताबिक, चार अप्रैल को कथित तौर पर गैंगरेप के बाद तीनों ने पीड़िता के परिवार को लड़की को डॉक्टर के पास नहीं ले जाने की धमकी दी थी और अगली सुबह,

उसके शरीर को बिना किसी मृत्यु प्रमाण पत्र के एक अनौपचारिक श्मशान में अंतिम संस्कार किया गया। पुलिस अधिकारियों ने भी कहा था कि लड़की की मौत की पुष्टि नहीं हुई थी। बताते चलें कि कलकत्ता उच्च न्यायालय ने इस घटना की जांच सीबीआई को सौंपते हुए कहा था कि एजेंसी को मामले की निष्पक्ष जांच के लिए मामले की जांच करनी चाहिए और पीड़ित के परिवार के सदस्यों और इलाके के निवासियों में विश्वास पैदा करना चाहिए। अदालत ने राज्य सरकार से मामले में पीड़ित परिवार और गवाहों को पूरी सुरक्षा मुहैया कराने को कहा था।

क्या था मामला

घटना बीती 4 अप्रैल की है। पश्चिम बंगाल के नादिया जिले में एक किशोरी बर्थडे पार्टी में गई थी जब उसके साथ कथित तौर पर गैंगरेप किया गया। अगले दिन किशोरी की मौत हो गई। पीड़ित परिवार ने आरोप लगाया कि स्थानीय टीएमसी पंचायत नेता के दबाव में बिना पोस्टमार्टम और मौत की पुष्टि के शव का अंतिम संस्कार किया गया। इस घटना में टीएमसी के नेता का बेटा ब्रज गोपाल गोला (21) मुख्य आरोपी है। 10 अप्रैल को पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई।

किरीट सोमैया बोले- साजिश के तहत हुआ हमला

संजय राउत का पलटवार- जनता ने गुस्से का किया इजहार

मुंबई। पूर्व सांसद किरीट सोमैया की ओर से अपनी जान को खतरा बताए जाने के बाद दूसरे दिन भी बीजेपी बनाम शिवसेना की राजनीतिक लड़ाई जारी है। रविवार को सोमैया ने कहा कि मैंने केंद्र में गृह सचिव को हमले की जानकारी दी है, उन्होंने हमले की रिपोर्ट मांगी है। एक प्रतिनिधि प्रतिनिधिमंडल दिल्ली जाएगा और वहां के अधिकारियों से मुलाकात करेगा।

किरीट सोमैया ने कहा, जिस तरह से हमारी आवाज दबाई जा रही है, उससे लगता है कि उद्धव ठाकरे मनसुख हिरेन (एंटीलिया केस) के साथ जो किया गया था, उसकी तर्ज पर कुछ करने की साजिश रच रहे हैं। मेरे खिलाफ दर्ज प्राथमिकी फर्जी है।

'आईएनएस विक्रांत मामले में आरोपी हैं सोमैया'

वहीं, शिवसेना नेता संजय राउत ने इस पर पलटवार करते हुए कहा कि किरीट सोमैया आईएनएस विक्रांत मामले में आरोपी हैं। उन्होंने देश और जनता को गुमराह किया है। उन्होंने कहा कि अगर जनता ने ऐसे लोगों के खिलाफ अपना गुस्सा जाहिर किया है तो भाजपा को इससे दुख नहीं होना चाहिए। ऐसे लोगों को महाराष्ट्र की जनता माफ नहीं करेगी।

'उद्धव ठाकरे की सरकार की ओर से प्रायोजित हमला'

मुंबई में खार पुलिस थाने के बाहर अपने वाहन पर शिवसेना समर्थकों की ओर से जूते और पानी की बोतलें फेंके जाने के एक दिन बाद सोमैया ने दावा किया कि यह हमला महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे की सरकार की ओर से प्रायोजित था। सोमैया, गिरफ्तार किए गए निर्दलीय सांसद नवनीत राणा और उनके विधायक पति रवि राणा से मिलने शनिवार को पुलिस थाने गए थे। सीएम उद्धव ठाकरे के आवास मातोश्री के बाहर हनुमान चालीसा का पाठ करने के उनके आह्वान ने शिवसेना समर्थकों को आक्रोशित कर दिया था। सोमैया ने दावा किया, मुझ पर किया गया हमला उद्धव ठाकरे सरकार द्वारा प्रायोजित था। करीब 70-80 शिवसेना कार्यकर्ता उस समय खार पुलिस थाने के प्रवेश द्वार पर एकत्रित हो गए जब मैं थाने गया था।

85 मुस्लिम मेधावी छात्राओं को वितरित की गयी सत्रह लाख की राशि

एजेंसी

नैनीताल। मुख्यमंत्री अल्पसंख्यक मेधावी बालिका प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत नैनीताल जिले में गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाली 85 मुस्लिम मेधावी बालिकाओं को 1705000 प्रोत्साहन राशि का भुगतान किया गया।

इस आशय की जानकारी देते हुए जिलाधिकारी धीरज सिंह गर्ब्याल ने बताया कि इस योजना के तहत अल्पसंख्यक समुदाय की उन अविवाहित मेधावी छात्राओं को प्रोत्साहन राशि का भुगतान किया जाता है जिन्होंने उत्तराखंड बोर्ड व मदरसा बोर्ड के अधीन किसी विद्यालय, कॉलेज व मान्यता प्राप्त मदरसे से हाईस्कूल, मुंशी, मौलवी एवं इण्टरमीडिएट, आलिम परीक्षा संस्थागत छात्रा के रूप में 76 प्रतिशित अथवा उससे अधिक अंकों से उत्तीर्ण की हो।

साथ ही जिनकी आयु 20 वर्ष से अधिक न हो तथा जिनके अभिभावक की वार्षिक आय ग्रामीण क्षेत्र में 81000 रुपये तथा शहरी क्षेत्र में 103000 रुपये से अधिक न हो तथा छात्रा पूर्णकालिक/अंशकालिक रूप से सेवायोजित न हो, को लाभान्वित किया जाता है।

उन्होंने कहा कि हाईस्कूल, मुंशी या मौलवी में कम से कम 76 प्रतिशित पर धनराशि 15000 तथा 80 प्रतिशत या अधिक प्राप्तांक पर धनराशि 20000 प्रदान किये जाते हैं।

भाजपा की सरकार वाले प्रदेशों से चारा आने पर प्रतिबंध : चौधरी

अजमेर। राजस्थान में अजमेर डेयरी के अध्यक्ष रामचंद्र चौधरी ने प्रदेश की सीमाओं से जुड़े भाजपा की सरकार वाले उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, हरियाणा से पशुओं के लिए चारा आने पर प्रतिबंध लगाने का आरोप लगाया है। चौधरी ने कहा कि एक ओर केन्द्र की भाजपा सरकार से अनुदान नहीं मिल रहा तो दूसरी ओर एम.पी., यू.पी., हरियाणा से आने वाले चारे एवं खाखले पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। उन्होंने आशंका व्यक्त करी कि आने वाले दिनों में पंजाब भी इसी तरह का प्रतिबंध लगा देगा। उन्होंने कहा कि पशुओं को इस तरह खाने पर प्रतिबंध से पशुपालक आहत है। उन्होंने कहा कि पशुआहार की कीमतों में पहले ही बढ़ोतरी है, केन्द्र से अनुदान नहीं मिल रहा और अब पडौसी राज्यों से प्रतिबंध पशुपालकों के लिए नुकसानदायक है। चौधरी ने अजमेर जिले में सक्रिय चारा माफियाओं पर भी अंकुश लगाने की मांग की है । साथ ही पशुपालकों-किसानों से नेपीयर घास उगाने तथा संकटकाल का मुकाबला करने की अपील की है।

शाह ने अरबिंदो की 150वीं जयंती समारोह का किया उद्घाटन

पुड्डुचेरी। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने रविवार को दर्शानिक संत श्री अरबिंदो की 150वीं जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि उनके कार्य और विचार सभी के लिए प्रासंगिक हैं और वे हमारे मार्गदर्शक बने हुए हैं।

शाह ने आज यहां पांडिचेरी विश्वविद्यालय में श्री अरबिंदो की 150वीं जयंती समारोह का उद्घाटन करते हुए कहा,

भारत की आत्मा को समझना चाहते हैं, तो आपको श्री अरबिंदो को सुनना और पढ़ना चाहिए। कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी और द्वारका से लेकर बंगाल तक, कहीं न कहीं यही संस्कृति

हम सबको बांधती है।

उन्होंने कहा, अरबिंदो ने भारतीय संस्कृति की प्राचीन चेतना को नई ऊर्जा, गति और दिशा प्रदान की। जब तक हम श्रीअरविंदो के विचारों को नई पीढ़ी तक नहीं पहुंचाते, उनके मन में जानने की जिज्ञासा नहीं पैदा करते, तब तक श्रीअरविंदो की 150वीं जयंती मनाने का उद्देश्य पूरा नहीं हो सकता।

उन्होंने कहा कि आजादी का अमृत महोत्सव मनाने के पीछे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के तीन उद्देश्य है। उन्होंने कि यह युवा पीढ़ी के बीच हमारे स्वतंत्रता संग्राम से संबंधित विचारों को पुनर्जीवित करता है। पिछले 75 वर्षो की उपलब्धियों और अगले 25 वर्षों के बारे में इस विचार को फैलाने के लिए कि राष्ट्र को दुनिया में शीर्ष पर ले जाने और इसे हर क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ बनाने के लक्ष्य को प्राप्त करने का समय है।

उन्होंने कहा, अरबिंदो ने स्वराज की अवधारणा को देश के सामने रखा है और उनका मानना था कि भारत के पास दुनिया की समस्या के समाधान की शक्ति हैं। उन्होंने कहा कि स्वराज का मतलब केवल राजनीतिक शक्ति नहीं है, स्वराज का मतलब भारत के लिए स्वदेशी सिद्धांतों, संस्कृति और उसकी महान परंपराओं की अवधारणाओं को आगे ले जाना है।

पीसीए के चुनाव शीघ्र करवाने की घोषणा

जालंधर। पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष राजिंदर गुप्ता द्वारा अपने पद से त्यागपत्र देने के पश्चात पी सी ए अपैक्स कौंसिल की अध्यक्षता करते हुए राकेश राठौर ने पीसीए के चुनाव शीघ्र करवाने की घोषणा की।

पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन के कार्यकारी अध्यक्ष राकेश राठौर ने रविवार को कहा कि एक नई तीन सदस्यीय कमेटी बनाई गई है। जिसमे राकेश वालिया, कार्तिकेय मेहता व वरिन्द्र बिलिंग को शामिल किया गया है। यह कमेटी आगामी चुनाव होने तक पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन के लिए काम करेगी। उन्होंने उम्मीद जताई कि नई पी सी ए कमेटी द्वारा आगामी सत्र के दौरान सभी सदस्यों की प्रतिभा का सदुपयोग किया जाएगा। आपसी सौहार्द को कायम रखते हुए सभी जिला एसोसिएशन क्रिकेट उत्थान कार्यों में अपना सक्रिय सहयोग देंगी। श्री राठौर ने कहा कि पंजाब में क्रिकेट की बेहतरी में अड़चन बन रहे विभिन्न अदालतों में चल रहे केसों को वापस लिया जाएगा । भ्रष्टाचार के मामलों की जांच के लिए विशेष कदम उठाए जाएंगे । ताकि क्रिकेट के नाम पर की जा रही धोखाधड़ी पर अंकुश लगाया जा सके।

इस बैठक में निवर्तमान अध्यक्ष रजिंदर गुप्ता द्वारा किए गए कार्यों की भी चर्चा की जो कार्य आधे अधूरे रह गए हैं उन्हें शीघ्र ही पूरा किया जाएगा । इस दौरान सर्वश्री इंद्रजीत सिंह बिंद्रा (पूर्व अध्यक्ष बीसीसीआई), महिंद्र महेंद्र प्रताप पांडव, डी पी रेडी, विश्वजीत खन्ना, मैहता, जी एस वालिया, रामप्रकाश सिंगला, दीपक शर्मा , पुनीत बाली व अन्य सदस्यों के द्वारा किए गए क्रिकेट उत्थान कार्यों की चर्चा करते हुए उन्हें विशेष सम्मान देने की अपील की।

राठौर ने कहा कि उनका उद्देश्य क्रिकेट उत्थान कार्यों में तेजी लाना और उदीयमान क्रिकेटरों के लिए समुचित सुविधाएं उपलब्ध करवाना है। आगामी नवनिर्वाचित कमेटी सदस्य इस दिशा में सार्थक प्रयास करेंगे।

राष्ट्र पिता का सपना पूरा करने के लिए पंचायतों को सशक्त व आत्मनिर्भर बनाना जरूरी : सतपाल महाराज

नैनीताल/काशीपुर। पंचायती राज मंत्री सतपाल महाराज ने रविवार को कहा कि राष्ट्र पिता महात्मा गांधी का राम राज का सपना तभी पूरा होगा, जब पंचायतें सशक्त और आत्म निर्भर होंगी तथा अंतिम पंक्ति में बैठे व्यक्ति को विकास एवं कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिल सकेगा।

राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के अवसर पर ऊधम सिंह नगर के काशीपुर में आयोजित कार्यक्रम में श्री महाराज ने कहा कि सतत विकास लक्ष्य 2030 के एजेण्डे की प्राप्ति में भी पंचायतों की महति भूमिका है। पंचायतें जितना अधिक सशक्त होंगी, सतत् विकास लक्ष्य के उद्देष्यों को हासिल करने की राह उतनी ही आसान होगी। गांवों के विकास के माध्यम से ही पूरे देश का विकास सम्भव है।

उन्होंने कहा कि 73वें संविधान संशोधन के जरिये ही पंचायतों को संवैधानिक दर्जा देते हुए उन्हें सामाजिक एवं आर्थिक विकास की योजनाएं बनाने का अधिदेश प्राप्त हुआ है। साथ ही लोकतांत्रिक इकाई के रूप में ग्राम सभाओं को रखा गया है। संशोधन के माध्यम से त्रिस्तरीय पंचायतीराज प्रणाली अस्तित्व में आई है तथा पंचायतों को स्वायत्तशासी निकाय के रूप में मान्यता मिली है।

इसके अलावा भारतीय संविधान में 11वीं अनुसूची के रूप में 29 विषयों को जोड़ा गया है जिसके अनुसार पंचायतों को व्यवस्थित करने के लिए राज्य कदम उठाएगा और उन्हें उन आवश्यक शक्तियों और अधिकारों से विभूशित करेगा जिससे कि वे शासन की इकाई की तरह कार्य करने में सक्षम हों। राष्ट्रीय पंचायत सशक्तिकरण पुरस्कार योजना के अन्तर्गत दीन दयाल उपाध्याय पंचायत सशक्तिकरण पुरस्कार के अन्तर्गत राज्य की 05 ग्राम पंचायतों औरंगाबाद (हरिद्वार), मंजियाली (उत्तरकाशी), कोठार (पौड़ी गढ़वाल), पेंसर (उत्तरकाशी) एवं ग्राम पंचायत केदारावाला (देहरादून) तथा राज्य की 02 क्षेत्र पंचायतों प्रतापनगर एवं पुरोला तथा जिला पंचायत देहरादून को वर्ष 2022 के लिए पुरस्कृत किया गया।

साथ ही ग्राम पंचायत केदारावाला, देहरादून को बाल हितैशी ग्राम पंचायत पुरस्कार एवं नानाजी देशमुख राष्ट्रीय गौरव ग्राम सभा पुरस्कार तथा ग्राम पंचायत मंजियाली जनपद उत्तरकाशी को ग्राम पंचायत विकास योजना पुरस्कार के अन्तर्गत पुरस्कृत किया गया।

राजस्थान में नब्बे लाख लोगों को मिल रही है पेंशन : गहलोत

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राज्य के चहुंमुखी विकास के लिए राज्य सरकार को प्रतिबद्ध बताते हुए हैं कि जनकल्याणकारी योजनाओं द्वारा अंतिम व्यक्ति तक स्वास्थ्य, खाद्य, शिक्षा, स्वच्छ पेयजल, सामाजिक सुरक्षा पहुंच रही हैं और आज प्रदेश में 90 लाख लोगों को पेंशन मिल रही है और छह लाख किसानों का बिल शून्य हो गया है।

गहलोत आज डूंगरपुर जिले के सागवाड़ा उपखंड स्थित ज्ञानपुर में किसान एवं पाटीदार समाज महासम्मेलन को संबोधित कर रहे थे उन्होंने कहा कि राजस्थान देश में पहला प्रदेश बन गया है, जिसने किसानों के हित में अलग से कृशि बजट को पेश कर पिछले बजट से दोगुना बजट रखा है, जिसमें 89 हजार करोड़ रूपये का प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने लगभग 22 लाख किसानों का कर्जा माफ किया हैं। किसान मित्र योजना लागू कर किसानों को बड़ी राहत प्रदान की है और दुग्ध उत्पादको को सब्सिडी देकर पशुपालकों को लाभान्वित किया है। उन्होंने कहा कि डूंगरपुर जिले में कई जनकल्याणकारी योजनाओं से आमजन लाभान्वित किया जा रहा है, साथ ही बेणेश्वर धाम सहित कई महत्वपूर्ण विकास हो रहे हैं। बच्चों को अंग्रेजी शिक्षा प्रदान करने के लिए महात्मा गांधी अंग्रेजी विद्यालय भी खोले गए हैं।

मुख्यमंत्री ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व सरदार वल्लभ भाई पटेल को याद करते हुए कहा कि सभी धर्मो का सम्मान करना हमारा कर्तव्य है। इसलिए हम सभी को मिलकर प्रदेश में अमन-चैन कायम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि जहां पर शांति होगी, अमन होगा वही विकास संभव है।

गहलोत ने कहा कि प्रदेशवासियों के लिए गर्व की बात है कि प्रदेश की बालिका क्षेत्र में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। हमें मिलकर शिक्षा क्षेत्र को और मजबूत करना होगा। उन्होंने कहा कि प्रदेशवासियों के बेहतर स्वास्थ्य के लिए मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना में अब 10 लाख रूपये तक की चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने पुरानी पेंशन योजना लागू कर कर्मचारियों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान की है। कर्मचारियों से अपेक्षा है कि जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचा कर लाभान्वित करें। उन्होंने कहा कि कोरोना की विकट परिस्थितियों में भी सरकार द्वारा हर वर्ग का ध्यान रखा गया। 'कोई भूखा ना सोए' संकल्प के साथ हर जरूरतमंद तक खाद्य सामग्री और आर्थिक सहयोग पहुंचाया गया।

3 गौरवशाली भारत दिल्ली/एनसीआर
नई दिल्ली सोमवार 25 अप्रैल 2022
Www.gauravshalibharat.com

शार्ट न्यूज

पुलिस ने अपनी नाबालिग बेटी के साथ छेड़खानी करने वाले पिता को किया गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा। थाना कासना पुलिस ने शनिवार को मुकदमा अपराध संख्या104/2022 धारा 354,323 भादवि व 7/8 पॉक्सो अधिनियम के अंतर्गत अपनी ही नाबालिग बेटी के साथ छेड़खानी करने वाले अभियुक्त सत्यप्रकाश पुत्र मदन निवासी ग्राम सलेमपुर गुर्जर थाना कासना गौतमबुद्धनगर को उसके निवास से गिरफ्तार कर लिया ।गौरतलब है कि 23 अप्रैल 2022 को पीड़िता निवासी सलेमपुर गुर्जर थाना कासना गौतमबुद्धनगर उम्र करीब 14 वर्ष ने अपनी मां के साथ थाने पर सूचना दी कि उसके पिता सत्यप्रकाश द्वारा पीड़िता/वादिया के साथ छेड़खानी करते हुए मारपीट की गयी ।जिसके सम्बन्ध में थाना कासना पर उपरोक्त मुकदमा पंजीकृत किया गया था ।गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध पुलिस ने आवश्यक वैधानिक कार्यवाही कर न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है।

गोमांस तस्करी के अभियोग में वांछित 25,000 रूपये के इनामी बदमाश को पुलिस ने मुठभेड़ के उपरांत किया गिरफ्तार

नोयडा। थाना सेक्टर-58 पुलिस ने रविवार को गोमांस तस्करी के अभियोग में वांछित 25,000 रूपये के इनामी बदमाश साहिल निवासी हापुड़ को थाना क्षेत्र के टेक महिंद्रा सेक्टर-62 के पास से गिरफ्तार कर लिया ।पुलिस मुठभेड़ में उपरोक्त अभियुक्त पुलिस की गोली लगने से घायल हो गया। जिसे पुलिस द्वारा उपचार के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। पकड़े गए अभियुक्त के कब्जे से पुलिस ने एक पल्सर मोटरसाइकिल और एक तमंचा मय एक कारतूस जिन्दा व एक कारतूस खोका बरामद किया है ।उक्त बदमाश थाना सेक्टर-58 से गोमांस तस्करी के अभियोग में वांछित था। जिसकी गिरफ्तारी पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित था। अभियुक्त की गाड़ी में उक्त गोमांस की तस्करी की जा रही थी। बदमाश के आपराधिक इतिहास व अन्य जानकारी की जा रही है।

4 जून को होगा विराट हिन्दू शक्ति सम्मेलन

गुरुग्राम। आगामी 4 जून को गुरुग्राम की धरा पर संयुक्त हिन्दू संघर्ष समिति हरियाणा की ओर से विराट हिन्दू शक्ति सम्मेलन के आयोजन की घोषणा की गई है। जिसमें दस हजार राष्ट्रप्रेमी देशभक्तों का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। समिति हरियाणा के प्रदेश प्रवक्ता राजीव मित्तल ने बताया कि समिति की एक बैठक कैम्प कार्यालय विवेकानंद ग्लोबल स्कूल सेक्टर 7 में संपन्न हुई। जिसमें विभिन्न मुद्दों पर विचार विमर्श किया गया। देश भर में रामनवमी यात्राओं पर सुनियोजित हमले और तुस्टीकरण की नीति के चलते कुछ मंदिरो को ध्वस्त करने जैसी घटनाओं की कड़ी भ्रत्सना की गई। धर्म और समाज को संगठित करने की मुहिम के चलते आगामी 4 जून दिन रविवार को गुरुग्राम में प्रथम विराट हिन्दू शक्ति सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। हिन्दू हितों की मांग के साथ उनके मूलभूत अधिकारों में हनन की आवाज को भी प्रमुखता से उठाया जाएगा। समिति के प्रदेश उपाध्यक्ष और शीतला श्राईन बोर्डसमिति के सदस्य ब्रहम प्रकाश कौशिक ने कहा कि आयोजन की सफलता के लिए आज से ही सभी वार्ड और तहसीलो मे प्रचार प्रसार का कार्य शुरू कर श्री गणेश कर दिया गया है। योजना की दृष्टि से हर सप्ताह कैंप कार्यालय विवेकानंद ग्लोबल स्कूल पर बैठक का आयोजन नियमित किया जाएगा। विधायकों, मेयर और सभी पार्षदो के साथ ही पंचायत अध्यक्ष, सदस्यों और प्रदेश की सभी छोटी बड़ी सामाजिक और धार्मिक संस्थाओं से संपर्क साधा जाएगा। बैठक में ब्रहम प्रकाश कौशिक, प्रमोद गुप्ता, जितेन्द्र कुमार , राजेश अवस्थी, अमित गुप्ता, प्रदीप शुक्ला समेत आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

आपकी बेटी हमारी बेटी योजना के बारे में जानकारी दी

गुरुग्राम। गुरुग्राम उपायुक्त निशांत कुमार यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा बेटियों के भविष्य को सुरक्षित व उज्ज्वल रखने के लिए आपकी बेटी – हमारी बेटी योजना चलाई जा रही है। इसके तहत बेटियों को शिक्षा देने व सशक्त बनाने के लिए आर्थिक मदद दी जाती है। योजना का उद्देश्य राज्य में बालिकाओं के जन्म के प्रति सामाजिक दृष्टिकोण में परिवर्तन लाना, कन्या भ्रूण हत्या पर रोक लगाना, लिंगानुपात में सुधार तथा बालिकाओं को शिक्षा के उचित अवसर प्रदान करना है। महिला एवं बाल विकास विभाग के माध्यम से चलाई जा रही इस योजना के तहत ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में जन्मी अनुसूचित जाति तथा बीपीएल परिवारों की पहली बेटी के जन्म पर 21 हजार रुपये तथा सभी वर्गों की दूसरी व तीसरी बेटी के जन्म पर 21 हजार रुपये की राशि जीवन बीमा निगम में निवेश की जाती है। एलआईसी की ओर से लाभार्थी के नाम से एक मेंबरशिप सर्टिफिकेट जारी किया जाता है।

ऋणों के लिए वन टाइम सेटलमेंट योजना शुरू

गुरुग्राम। हरियाणा सरकार ने महिलाओं के हित में एक बड़ा फैसला लेते हुए महिला विकास निगम के ऋणों के बकाया ब्याज को माफ करने के लिए वन टाइम सेटलमेंट (ओटीएस) योजना शुरू की है। इसके तहत यदि लाभार्थी मूल ऋण की पूरी बकाया राशि का भुगतान एकमुश्त या 6 किस्तों में एक जून, 2022 तक लौटाता है तो उसका सारा ब्याज माफ कर दिया जाएगा। अतिरिक्त उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने बताया कि यह योजना उन ऋणियों को कवर करेगी जिनका ब्याज 31 मार्च 2019 को निगम को भुगतान के लिए बकाया है। योजना 31 मार्च 2019 को डिफॉल्ट रूप से मूल राशि पर लागू होगी, लेकिन उसके बाद भुगतान की गई मूल राशि शामिल नहीं होगी। ऋण लेने वालो को 6 महीने के भीतर इसका लाभ उठाने की अनुमति दी जाएगी। यदि ऋणी बकाया मूल राशि को एकमुश्त या किश्तों में छह महीने के भीतर चुका देता है तो वह लाभार्थी महिला ब्याज की 100 फीसदी छूट के लिए पात्र होगी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि छूट का लाभ ऋणी को बकाया मूलधन की अंतिम किश्त के भुगतान के समय दिया जाएगा। ब्याज में छूट केवल उन्हीं कर्जदारों को दी जाएगी जो 6 माह के भीतर पूरी बकाया मूल राशि का भुगतान कर देंगे।

पंचायत बोली, भ्रामक विज्ञापनों पर रोक के लिए सरकार बनाए सख्त कानून

फरीदाबाद। अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत का तीन दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन रविवार को यहां जकोपुर स्थित रावल शैक्षणिक संस्थान में संपन्न हो गया। इसमें देश भर से आए करीब 252 प्रतिनिधियों ने ग्राहकों को धोखे से बचाने के लिए मंथन किया। तय किया गया कि डिजिटल युग में ग्राहकों के सामने उपजी नई समस्याओं से जल्द ही केंद्र सरकार को अवगत कराया जाएगा। साथ ही इसमें भ्रामक विज्ञापनों पर रोकन लगाने के लिए सख्त कानून की मांग की जाएगी। लगभग सभी प्रांतों से आए प्रतिनिधियों ने इस कहा कि भ्रामक विज्ञापनों के माध्यम से विभिन्न बहुराष्ट्रीय कंपनियों के लोग ग्राहकों को ठग कर पैसा कमाने में लगे हुए हैं। अनेकों बार देखा गया है कि भ्रामक विज्ञापनों के जाल में फंस कर लोग ना केवल आर्थिक नुकसान उठाते हैं बल्कि कई बार शारीरिक रूप से भी काफी नुकसान उठाते हैं। उदाहरण देते हुए कहा कि कई विज्ञापन प्राकृतिक रूप से बिल्कुल गंजे लोगों को यह कहकर अपना तेल इत्यादि बेच देते हैं कि इस तेल के प्रयोग से उनके सिर में बाल उग आएंगे। बैक्टीरिया रहित पानी बेचने वाले लोग उसी पानी को पी कर मरने की स्थिति तक पहुंच रहे हैं। उसी प्रकार फ्रिज को बेचने वाले यह कहकर फ्रिज बेच रहे हैं कि फ्रिज में रखा हुआ सामान हमेशा तरोताजा रहेगा।

एनडीएमसी अफ्रीका एवेन्यू रोड से सत्य मार्ग चौराहे तक एक थीम आधारित "AKAM" चौराहा विकसित करेगा

सफदरजंग फ्लाईओवर पर 75 स्वतंत्रता सेनानियों के चित्र और उनके उद्धरणों को एक व्यू-कटर साइड वॉल / रेलिंग द्वारा प्रदर्शित करेगी

नई दिल्ली। माननीय प्रधानमंत्री के 'स्वच्छ भारत मिशन' के दृष्टिकोण और पूरे देश में भारत की आजादी के 75 साल को आजादी का अमृत महोत्सव के रूप में मनाए जाने के उपलक्ष्य में, नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) आम जनता के बीच आजादी का अमृत महोत्सव आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में अफ्रीका एवेन्यू रोड से सत्य मार्ग राउंड-अबाउट तक एक थीम आधारित "AKAM" चौराहा विकसित करेगा और सफदरजंग फ्लाईओवर पर 75 स्वतंत्रता सेनानियों और उनके उद्धरणों की खूबसूरत पेंटिंग्स को व्यू-कटर साइड वॉल / रेलिंग द्वारा विकसित करके प्रदर्शित करेगी, यह सूचना एनडीएमसी के उपाध्यक्ष, श्री सतीश उपाध्याय ने दी ।

परिषद्, अफ्रीका एवेन्यू रोड से सत्य मार्ग रोड तक को "AKAM" चौराह के रूप में विकसित करेगा

विवरण देते हुए श्री उपाध्याय ने कहा कि रेलवे ब्रिज के अंडर पास और खंभों तक पहुंचने वाली दोनों ओर की दीवारों को प्रसिद्ध कलाकार/एनजीओ द्वारा थीम आधारित कलात्मक कृतियों से खूबसूरती से रंगा गया है। सरोजिनी नगर डिपो से सत्य मार्ग चौराहे तक अफ्रीका एवेन्यू रोड से कवर किए गए लंबे खंड क्षेत्र को "AKAM" चौराहा / क्षेत्र के रूप में विकसित किया गया है।

उन्होंने कहा कि यह चित्रकलाऐ विभिन्न विषयों में विभाजित की जाएगी जिसमें प्रमुख स्वतंत्रता सेनानियों के चित्र, दांडी मार्च, दिल्ली की ऐतिहासिक स्मारक, योग और प्राचीन मुद्राओं को रेलवे पुल के खंभों पर खूबसूरती से कलात्मक डिजाइन में प्रदर्शित किया जाता है ताकि जनता को इसके स्वास्थ्य लाभ के लिए प्रेरित किया जा सके ।

उन्होंने आगे बताया कि परियोजना की कुल अनुमानित लागत लगभग 24 लाख रुपये है और साइट पर काम शुरू कर दिया गया है ।

सफदरजंग फ्लाईओवर की परियोजना का विवरण देते हुए उन्होंने बताया कि 75 स्वतंत्रता सेनानियों के फोटो और उद्धरणों (कोट) को सफदरजंग फ्लाईओवर पर व्यू-कटर के रूप में एसीएम बोर्ड पर चिपकाए गए रेट्रो-रिफ्लेक्टिव शीट पर डिजिटल पेंटिंग पर बनाए जाएंगे।

उन्होंने आगे बताया कि सफदरजंग फ्लाईओवर रेलिंग पर मौजूदा ऐक्रेलिक शीट व्यू-कटर वीवीआईपी संचालन की सुरक्षा और बचाव के लिए लगाए गए हैं, लेकिन इन्हें अक्सर तोड़ दिया जाता है।

उन्होंने कहा कि प्रस्तावित व्यू-कटर न केवल क्षेत्र की सुंदरता को बढ़ाएंगे बल्कि टिकाऊ और लंबे समय तक चलने वाले भी होंगे । वह से गुजरने वाले लोगों द्वारा स्टेट ऑफ आर्ट व्यू-कटर चित्रों को देखा जाएगा । उन्होंने यह भी बताया कि इस परियोजना की कुल अनुमानित लागत 75 लाख रुपए है। उन्होंने कहा कि समयबद्ध तरीके से टेंडर की औपचारिकताएं पूरी होने के बाद जल्द ही काम सौंपा जाएगा।

उपाध्याय ने कहा कि यह पहल उन गुमनाम नायकों की कहानियों को जीवंत करने में मदद करेगी जिनके बलिदानों ने स्वतंत्रता को एक वास्तविकता रूप दिया है और 15 अगस्त, 1947 की ऐतिहासिक यात्रा में मील के पत्थर, स्वतंत्रता आंदोलनों आदि की भी समीक्षा की है।

उपाध्याय ने कहा कि भारत के माननीय प्रधान मंत्री ने पहले ही 2014 के दौरान प्रत्येक शहर में बाजार क्षेत्रों, सार्वजनिक स्थानों, सड़कों, पार्कों आदि में स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए स्वच्छता मिशन की घोषणा की थी।

इस पहल के पीछे एनडीएमसी का मकसद एनडीएमसी क्षेत्र को सुशोभित करना और आगामी स्वच्छता सर्वेक्षण 2022 में 7 स्टार रैंकिंग हासिल करना है। उन्होंने कहा कि टीम एनडीएमसी भारत के माननीय प्रधान मंत्री के दृष्टिकोण को सच्ची भावना के साथ लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है।

कोरोना अलर्ट : दिल्ली में लगातार तीसरे दिन 1000 पार कोरोना केस

एक्टिव मरीज ढाई महीने में सबसे ज्यादा

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली में कोरोना के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। लगातार तीसरे दिन कोरोना के नए मामले एक हजार पार हुए हैं। इसके साथ ही एक्टिव मरीजों की संख्या ढाई महीने में सर्वाधिक हो गए हैं। कोरोना से पिछले 24 घंटे में एक मरीज की भी मौत हुई है। वहीं, महाराष्ट्र में भी कोरोना के 144 नए केस सामने आए। जबकि दो लोगों की मौत हुई।
देश में एक बार फिर कोरोना को लेकर खतरा बढ़ रहा है। देश की राजधानी दिल्ली में कोरोना के 1083 नए केस सामने आए हैं। जबकि एक मरीज की मौत हो गई है। कोरोना से ठीक होने वाले मरीजों की संख्या 812 हो गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय का कहना है कि कोरोना के बढ़ते केसों को देखते हुए लोगों से एहतियात बरतने और कोविड प्रोटोकॉल बरतने की सलाह दी गई है।

ढाई महीने में सर्वाधिक एक्टिव केस

दिल्ली में कोरोना के एक्टिव मरीजों की संख्या संख्या बढ़कर 3975 पहुंच गई है। इससे पहले 12 फरवरी को कोरोना के सर्वाधिक एक्टिव मरीज थे। 12 फरवरी को कोरोना के सक्रिय मामलों की संख्या 4331 थी। दिल्ली में संक्रमण की दर 4.48 प्रतिशत हो गई है।

महाराष्ट्र में भी कोरोना से राहत नहीं

महाराष्ट्र ने रविवार को कोरोना के 144 नए मामले और दो मौतों की सूचना मिली है।
जिससे संक्रमितों की संख्या 78,76,841 हो गई और मरने वालों की संख्या 1,47,834 हो गई। उन्होंने कहा कि दोनों मौतें पुणे शहर से हुई हैं। वहीं, कोरोना से उपचार के बाद 95 रोगियों को छुट्टी दे दी गई। महाराष्ट्र में स्वस्थ होने की कुल संख्या रविवार तक बढ़कर 77,28,091 हो गई, जिससे राज्य में 916 सक्रिय मामले सामने आए।
अधिकारियों के अनुसार, महाराष्ट्र में कोरोना से ठीक होने की दर 98.11 प्रतिशत है और मामले की सकारात्मकता दर 9.84 प्रतिशत है। पिछले 24 घंटों में किए गए 27,094 परीक्षणों के साथ, महाराष्ट्र में अब तक परीक्षण किए गए नमूनों की संख्या बढ़कर 8,00,46,447 हो गई है। वहीं, मुंबई शहर ने राज्य में सबसे अधिक 73 मामले और पुणे शहर में 15 मामले दर्ज किए। अधिकारी ने कहा कि धुले जिले में 12 मामले दर्ज किए गए।

पीएम मोदी करेंगे समीक्षा बैठक

देश में कोरोना के बढ़ते केसों को देखते हुए पीएम नरेंद्र मोदी आगामी 27 अप्रैल को देश के सभी मुख्यमंत्रियों के साथ बैठक करेंगे।
इस बैठक में कोरोना नियमों को लेकर कोई बड़े फैसले लिए जा सकते हैं। यह बैठक वीडियो कांफ्रेसिंग के जरिए होगी।

डीयू कैंपस में प्रदर्शन से पहले अनुमति लेना अनिवार्य

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय ने एक नोटिस जारी कर छात्रों से अनिवार्य रूप से विरोध प्रदर्शन करने के लिए पूर्व अनुमति लेने को कहा है। पूर्व में विश्वविद्यालय ने छात्रों को परिसर में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और आगामी परीक्षाओं की तैयारी पर ध्यान केंद्रित करने के लिए एक सलाह जारी की थी। डीयू की प्रॉक्टर प्रो. रजनी अब्बी ने कहा कि नवीनतम नोटिस पिछले कुछ दिनों में हुई घटनाओं को ध्यान में रखते हुए जारी किया गया है। उन्होंने कहा कि एक छात्र ने बताया कि वह चार दिन से भूख हड़ताल पर है। हमें यह भी नहीं पता था। अगर छात्र को कुछ हो जाता है तो हम क्या करते। उन्होंने विरोध प्रदर्शन करने के लिए प्रॉक्टर के कार्यालय से अनुमति लेना अनिवार्य बना दिया है। उन्होंने यह भी कहा कि हम किसी को अनुमति देने से इनकार नहीं करने जा रहे हैं। प्रदर्शन के दौरान बाहरी लोगों के आने और शरारत करने की संभावना है। इसलिए छात्रों की सुरक्षा के लिए यह जरूरी भी है। हम नहीं चाहते कि छात्र विश्वविद्यालय की संपत्ति को नुकसान हो। उन्होंने कहा कि न केवल विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर नोटिस पोस्ट किया गया है, बल्कि सभी छात्र संगठनों को भेजा गया है। शुक्रवार को जारी नोटिस में कहा गया है कि विश्वविद्यालय में कहीं भी इकट्ठा होने और विरोध प्रदर्शन की सूचना देना अनिवार्य है। यह भी निर्देश दिया जाता है कि प्रतिभागियों को हिंसा और सार्वजनिक संपत्ति को किसी भी तरह की क्षति से बचना चाहिए, ऐसा नहीं करने पर नुकसान के लिए आयोजकों को जिम्मेदार ठहराया जाएगा और कार्रवाई की जाएगी। आयोजकों को अपने कॉलेज या विभाग के बारे में विवरण, संपर्क नंबर, ई-मेल पता और पाठ्यक्रम का नाम कम से कम 24 घंटे पहले देना होगा।

14 मई 2022 को जनपद में राष्ट्रीय लोक अदालत का होगा आयोजन

ग्रेटर नोएडा। जिलाधिकारी सुहास एल वाई ने समस्त जनपद वासियों का आह्वान करते हुये उन्हें जानकारी दी है कि आगामी 14 मई 2022 द्वितीय शनिवार को पूरे जनपद में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन मुख्यालय एवं तहसील स्तरीय न्यायालयों में होने जा रहा है। उन्होंने जानकारी देते हुये बताया कि आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत में आपराधिक शमनीय वाद, पारिवारिक मामलें, मोटरयान दुर्घटना अधिनियम के मामलें, बिजली व प्राधिकरणों के जल भुगतान से सम्बन्धित मामलें, धारा 138 एनआई एक्ट के वाद, भू-राजस्व वाद, सेवा संबंधित मामले एवं प्री-लिटीगेशन मामलों के साथ-साथ सुलह समझौते के माध्यम से निस्तारण योग्य अन्य विवाद जिसमें पक्षकार पारस्परिक सद्भावना के अधीन संधि के लिए इच्छुक हो, वह मामले राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से निस्तारण किये जाएंगे। अत: अधिक से अधिक सख्या में पहुँच कर आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत का लाभ उठायें ।उन्होंने समस्त सम्बन्धित अधिकारियों को यह भी निर्देश दिये कि आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत के सम्बन्ध में समस्त तैयारियॉ समय रहते पूर्व में ही सुनिश्चित कर ली जायें ताकि आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक वादों का निस्तारण कराया जा सकें और राष्ट्रीय लोक अदालत के लिए लम्बित/ चिन्हित/ निस्तारण योग्य वादों/ प्रकरणों की सूचनायें निर्धारित प्रारूप एवं ई-मेल dlsa.gbnnoida@gmail.com पर 27 अप्रैल 2022 तक यथाशीघ्र सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जनपद गौतमबुद्धनगर व अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में उपलब्ध करा दें।

नोएडा : कोरोना मरीज बढ़े लेकिन संक्रमण दर घटी

लगातार पांचवें दिन मिले 100 से ज्यादा केस; 605 मरीजों का चल रहा इलाज

एजेंसी

नोएडा। नोएडा में पिछले एक हफ्ते में कोरोना मरीजों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी हुई है लेकिन इस दौरान संक्रमण दर में गिरावट दर्ज की गई है। शनिवार को पांचवें दिन लगातार 100 से ज्यादा मरीज मिले। कोरोना संक्रमण दर 18 और 19 अप्रैल को सबसे ज्यादा थी। दोनों दिन करीब 15 प्रतिशत संक्रमण दर दर्ज की गई। इन दिनों में कोरोना संदिग्धों की जांच भी 500 से कम हुई। इसके बाद से संक्रमण दर में कमी आनी शुरू हुई।
कोरोना संदिग्ध मरीजों की जांच बढ़ाई गई। मरीजों की संख्या में भी वृद्धि हुई, लेकिन संक्रमण दर कम हुई। शुक्रवार को डेढ़ हजार से ज्यादा संदिग्ध मरीजों की जांच की गई। स्वास्थ्य विभाग ने शनिवार को 126 मरीजों की पुष्टि की।

जो अप्रैल के महीने में एक दिन में सबसे ज्यादा नए कोरोना संक्रमित मरीज हैं। जिले में अब भी 605 कोरोना संदिग्ध मरीजों का इलाज चल रहा है। जिसमें से पांच मरीज भर्ती हैं। हालांकि इनकी हालत स्थिर हैं। कोई भी मरीज गंभीर नहीं है। होम आइसोलेशन से 89 सक्रिय मरीज स्वस्थ हुए।
ज्यादातर मरीज होम आइसोलेशन में इलाज करा रहे हैं। यूपी में एक दिन में सबसे ज्यादा मरीज और सक्रिय मरीज के लिहाज से नोएडा-ग्रेटर नोएडा नंबर एक पर हैं। आने वाले दिनों में मरीजों की संख्या और भी बढ़ने की आशंका जताई गई है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुनील कुमार शर्मा ने बताया कि संदिग्ध मरीजों की जांच बढ़ा दी गई है। सभी पर निगरानी भी रखी जा रही है। कंट्रोल रूम के माध्यम से मरीजों की स्थिति का जायजा प्रतिदिन लिया जा रहा है। किसी की भी हालत गंभीर नहीं है। जरूरत पड़ने पर भविष्य में भी जांच बढ़ाई जाएगी।

चार हजार का टीकाकरण हुआ

कोरोनारोधी टीकाकरण अभियान के तहत शनिवार को 4023 लोगों का टीकाकरण किया गया। 12-14 आयुवर्ग के 758 को पहली खुराक और 1067 को दूसरी खुराक दी गई। 15-17 आयुवर्ग में 126 को पहली और 209 को दूसरी खुराक लगाई। इनके अलावा अन्य आयुवर्ग में भी पहली, दूसरी और एहतियाती खुराक दी गई। जिले के 60 से ज्यादा स्कूलों को भी टीकाकरण केंद्र बनाया गया है। जहां 12-14 और 15-17 आयुवर्ग के टीकाकरण की सुविधा दी गई है। ताकि जल्द से जल्द बच्चों को प्रतिरक्षित किया जा सके।

दिल्ली सरकार ने होटल मालिकों को दी राहत, रद्द किए सीलिंग के 400 नोटिस

बीजेपी विधायक ने गोपाल राय से किया था अनुरोध

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) द्वारा करोलबाग और पहाड़गंज क्षेत्र के 400 होटल मालिकों के भेजे गए सीलिंग नोटिस को दिल्ली सरकार ने रद्द कर दिया है। करोलबाग के विधायक विशेष रवि ने पर्यावरण मंत्री गोपाल राय को पत्र लिखकर इन 400 होटलों को बंद होने से बचाने का निवेदन करते हुए इन नोटिस को रद्द करने का अनुरोध किया था। विशेष रवि ने कहा कि ये होटल पहले से ही अपना गुजारा करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं और इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि वे करोलबाग क्षेत्र के नागरिकों को रोजगार देते हैं। इस आदेश के लागू होने पर ये सभी बेरोजगार हो जाते। उन्होंने कहा कि 22 अप्रैल 2022 को इस मामले की पैरवी करने के लिए प्रभावित होटल मालिकों का एक प्रतिनिधिमंडल पर्यावरण मंत्री गोपाल राय से भी मिला। गोपाल राय ने पूरी गंभीरता के साथ होटल प्रतिनिधियों की समस्याएं सुनीं और सही तरीके से विचार-विमर्श कर सीलिंग के नोटिस को तत्काल रद्द करने का आदेश दिया। विधायक विशेष रवि ने कहा कि इस तरह की त्वरित कार्रवाई के लिए मैं पर्यावरण मंत्री गोपाल राय को स्नेहपूर्वक धन्यवाद करता हूं। उन्होंने कहा कि नोटिस जारी होने के बाद एसडीएम करोलबाग द्वारा 10 होटलों को पहले सील कर दिया गया था, लेकिन पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने होटल मालिकों के दर्द को समझा और पिछले आदेश को रद्द करने के निर्देश दिए। दिल्ली सरकार के इस निर्णय पर होटल प्रतिनिधिमंडल ने दिल्ली सरकार को धन्यवाद दिया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार के इस कदम से होटल मालिकों ने राहत की सांस ली और सरकार का तहे दिल से शुक्रिया किया है।

नोएडा : लूट में फरार चल रहे 25000 के इनामी बदमाश को मुठभेड़ के उपरांत किया गिरफ्तार

नोयडा। थाना फेस टु पुलिस ने शुक्रवार को कैश ऐजन्ट के साथ हुई लूट में फरार चल रहे 25 हजार रुपये के इनामी अभियुक्त कृष्ण उर्फ अट्ठा उर्फ लेफ्टी पुत्र पप्पू बंजारा निवासी ग्राम बडागांव थाना हरदुआगंज जिला अलीगढ़ हाल पता साई बाबा मन्दिर के पास ग्राम कुलेसरा थाना ईकोटेक तृतीय गौतमबुद्धनगर को ककराला पुस्ता से गिरफ्तार कर लिया ।पुलिस मुठभेड़ में उपरोक्त अभियुक्त पुलिस की गोली लगने से घायल हो गया। जिसे पुलिस ने उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया।
पकड़े गए अभियुक्त के कब्जे से पुलिस ने एक बिना नंबर की स्पलेन्डर मोटरसाइकिल, 53 हजार रुपये नगद और एक तमंचा तीन सौ पन्द्रह बोर मय दो कारतूस जिन्दा बरामद किए हैं ।गौरतलब है कि 11 अप्रैल 2022 को थाना फेस टु नोएडा क्षेत्रान्तर्गत सब्जी मण्डी सैक्टर 88 गेट नंबर 4 के पास से दिन दहाड़े दो मोटरसाईकिलो से आये चार बदमाशो द्वारा मण्डी के दुकानदारों के कलेक्शन सम्बन्धी रुपये लूटने के सम्बन्ध में मुकदमा अपराध संख्या 150/2022 धारा 392 भादवि बनाम अज्ञात पंजीकृत हुआ था।
विवेचना के दौरान सीसीटीवी फुटेज,सीडीआर आदि के आधार पर घटना रैकी पश्चात घटित करने की बात पायी गयी।
विवेचना के दौरान गिरफ्तारी एवं बरामदगी के आधार पर अभियोग में धारा 395, 412 भादंवि में परिवर्तित किया गया था। इस डकैती के अपराध का गैंग लीडर कृष्ण उर्फ अट्ठा उर्फ लेफ्टी वांछित एवं फरार चल रहा था। जिसे उच्चाधिकारीगण द्वारा 25000 रूपये का इनामिया अपराधी घोषित किया गया था।
अभियुक्त कृष्ण उर्फ अट्ठा उर्फ लेफ्टी उपरोक्त घटना जुर्म स्वीकारते हुए लूटे गये बैग को चलकर बरामद करने को बताया। बरामदगी के दौरान अभियुक्त द्वारा अचानक एसआई शाकिर खान की सरकारी पिस्टल छीनकर भागते समय पुलिस बल पर जान से मारने की नियत से फायर किया। मुठभेड़ में आत्मरक्षार्थ एवं गिरफ्तारी उद्देश्य के क्रम में की गयी फायरिंग से अभियुक्त कृष्ण उर्फ अट्ठा उर्फ लेफ्टी घायल हुआ है। अभियुक्त शातिर किस्म का अपराधी है।

आजादी का अमृत महोत्सव के तहत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिसरख में हुआ स्वास्थ्य मेले का आयोजन

ग्रेटर नोएडा। उत्तर प्रदेश सरकार के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप एवं जिला अधिकारी सुहास एलवाई के नेतृत्व में आजादी का अमृत महोत्सव के तहत स्वास्थ्य विभाग एवं अन्य सहयोगी विभागों में संचालित जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ आम नागरिकों तक पहुंचाने के उद्देश्य से जनपद गौतमबुद्धनगर के समस्त ब्लॉकों में 18 अप्रैल से 23 अप्रैल तक स्वास्थ्य मेलों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में शुक्रवार को जिलाधिकारी के नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग एवं अन्य सहयोगी विभागों के द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिसरख में स्वास्थ्य मेले का आयोजन किया गया। आयोजित स्वास्थ्य मेले का उद्घाटन जिला पंचायत अध्यक्ष अमित चौधरी के द्वारा विधिवत रूप से फीता काटकर किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष ने अपने उद्गार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्रदेश की जनता के स्वास्थ्य को लेकर बहुत ही गंभीर है एवं स्वास्थ्य संबंधी योजनाओं का लाभ आम नागरिकों तक पहुंचाने के उद्देश्य से प्रदेश के समस्त जनपदों में स्वास्थ्य मेलों का आयोजन किया जा रहा है ताकि प्रदेश सरकार द्वारा संचालित जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ आम नागरिकों तक पहुंच सके। उन्होंने आम नागरिकों का आह्वान करते हुए कहा कि आयोजित स्वास्थ्य मेला में स्वास्थ्य विभाग एवं अन्य सहयोगी विभागों के द्वारा अपने अपने स्टाल लगाकर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराई जा रही है। अत: स्वास्थ्य मेलों में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर जनकल्याणकारी योजना का लाभ अवश्य उठाएं ।शुक्रवार को आयोजित होने वाले स्वास्थ्य मेले में कुल 1410 लाभार्थियों का पंजीकरण किया गया तथा 01 लाभार्थियों को आयुष्मान, 42 लाभार्थियों के हेल्थ कार्ड एवं चेकअप के 113, कैजुअल ओपीडी के 421, कार्डियोलॉजी के 17, अस्थमा के 21, डेंटिस्ट के 17, ओप्ट्रो 19, ऑब्स्ट्रो गाइन के 62, बाल रोग के 102, डायबिटीज के 32, कैंसर के 18, स्किन के 7, आयुर्वेद के 232, यूनानी के 172, होम्योपैथिक के 195, ब्रेस्ट फीडिंग के 12, फैमिली प्लानिंग के 36, पोलियो ड्रॉप वैक्सीनेशन के 49, मेंटल हेल्थ के 22, कोविड टीकाकरण 557, ब्लड टेस्ट के 237 लाभार्थियों का स्वास्थ्य मेले में उपचार किया गया एवं अन्य लाभार्थियों की कंसलटेंसी की गई ।इस अवसर पर एसीएमओ ललित मोहन, चिकित्सा अधीक्षक डॉ सचिंद्र मिश्रा एवं अन्य चिकित्सक उपस्थित रहे।

4 गौरवशाली भारत

संपादकीय

नई दिल्ली
सोमवार 25 अप्रैल 2022
Www.gauravshalibharat.com

संपादकीय

कुर्सियों के संग्रहालय में संग्रह करने लायक क्या?

कई बार तीनमूर्ति भवन गया हूं। जवाहरलाल की स्मृतियों को हर बार कई कोणों से निहारा है। हर बार यह पछतावा गहरा ही हुआ है कि इतना बड़ा परिसर, इतनी बड़ी कोठी और इतना सारा तामझाम आज़ाद भारत के सर पर थोप कर जवाहरलाल ने देश का क्या उपकार किया ? वह तामझाम देश के माथे लदा रह गया, जवाहरलाल नहीं रहे। तीनमूर्ति जाने पर इसके अलावा भी कुछ दिखाई देता था। सारे तामझाम के बीच जवाहरलाल के निजी जीवन की सादगी हैरान करती थी। वहां जो झलकता था वह था भारत को नया बनाने की दिशा में की गई उनकी बेहिसाब जद्दोजहद। वह इतिहास ले कर हम वहां से लौटते थे। वह किसी व्यक्ति का या किसी पद का संग्रहालय नहीं था, एक दौर की दुनिया थी जिससे जुड़ने का अहसास वहां होता था। अब तीनमूर्ति से जवाहरलाल की उस मूर्ति को प्रधानमंत्री की मूर्ति में बदल दिया गया है। ऐसा बताने की कोशिश की जा रही है कि जवाहरलाल कुछ विशेष नहीं थे, देश के प्रधानमंत्रियों में एक थे। ऐसी कोशिश करने वाले यह भूल जाते हैं कि प्रधानमंत्री कोई भी बन सकता है, बनता ही रहा है लेकिन जवाहरलाल कोई भी नहीं बन सकता है। मुझे पता नहीं है कि दुनिया में कहीं किसी पद का कोई संग्रहालय बना हुआ है या नहीं। संग्रहालय विस्मृत प्रकृति-प्राणियों के होते हैं; बीते जमाने के वैभव के होते हैं; ऐतिहासिक घटनाओं के होते हैं या फिर उनके होते हैं जिनके ईर्द-गिर्द इतिहास आकार लेता है। कुर्सियों के संग्रहालय में संग्रह करने लायक और उससे आज के वक्त को मिलने लायक क्या होगा, मैं समझ नहीं पाता हूं। सरकारी अधिकारियों/प्रशासकों के दफ्तरों में आप देखते होंगे कि एक तख्ती लगी होती है जिस पर वर्षानुक्रम से दर्ज होता है कि इस कुर्सी पर कौन, कब से कब तक बैठा; और आज उस पर जो महाशय विराजमान हैं उनका प्रारंभ-काल दर्ज होता है और अंतकाल की जगह खाली छोड़ी होती है जो इन महाशय को याद दिलाती रहती है कि आप भूतपूर्व बनने से कितनी दूर हैं। उस तख्ती का न तो दूसरा कोई मतलब होता है और न वह दूसरा कोई भाव जगाती है। काठ की वह तख्ती, काठ हो गए इतिहास का भी कोई संदेश नहीं दे पाती है। कुर्सियां इससे अधिक न कुछ जानती हैं, न कह सकती हैं। प्रधानमंत्री की कुर्सियों का संग्रहालय क्या कहेगा हमसे यही न कि कौन, कब से कब तक इस कुर्सी पर बैठा ? इससे प्राइमरी स्कूल के बच्चों की किताब का एक पन्ना तैयार हो सकता है, देश का इतिहास नहीं जाना जा सकता है। यह संग्रहालय यह तो नहीं बताएगा कि कौन, किस परिस्थिति में, इस कुर्सी पर बैठा और कितना सक्षम या अक्षम साबित हुआ ? इस बड़ी कुर्सी पर पहुंचने के लिए किसने कितने छोटे उपक्रम किए, क्या इस संग्रहालय में यह भी दर्ज होगा ? इतिहास में जिसकी जो जगह नहीं है, उस पर काबिज होने की कोशिशों का यह खतरा है। देश के दूसरे सभी प्रधानमंत्रियों से जवाहरलाल अलग हैं। बहादुरी में, ज्ञान में, इतिहास-बोध में ! इस अर्थ में भी कि उन्होंने बला की दीवानगी से इस देश का इतिहास बनाया और उतनी ही शिद्दत से इसका वर्तमान सजाया। आजादी लाने व आज़ाद भारत बनाने का ऐसा योग सबके हिस्से में तो आ भी नहीं सकता है।

अक्ति तिहार : छत्तीसगढ़ का लोक

छत्तीसगढ़ की लोकसंस्कृति, छत्तीसगढ़ की सौंधी माटी की खुशबु, अरपा इंद्रावती महानदी की कल कल अविरल प्रवाहित नदियाँ, पंडवानी की तंबूरे की झंकार, पंथी गीतों में सत का ज्ञान, चित्रकोट की झर झर बहती जलप्रपात, भिलाई की विलास पानी, सरई सगौन से आच्छादित वन, कर्मा ददरिया में झूमते लोग छत्तीसगढ़ की अनुपम पहचान पुरे ब्रम्हांड में है। अक्ति तिहार छत्तीसगढ़ की लोक त्यौहार में से एक है, अक्ति तिहार को अक्षय तृतीया भी कहा जाता है, अक्षय अर्थात अजर अमर (कभी खत्म ना होने वाला) पवित्र यह एक ऐसा शुभ दिन होता है उस दिन हर कार्य पूर्ण और सफ़ल होता है। बैशाख मास शुक्ल पक्ष तृतीया को मनाया जाने वाला यह पर्व अपने आप में अनुपम और पवित्र है। चुकी भारत कृषि प्रधान देश है, कृषि जीवनस्य अधारम और कृषि ही जीवन का आधार भी, कृषि जन जीवन पर ही इंगित छत्तीसगढ़ की तीज त्यौहार रहती है चाहे वो तीजा पोरा हो या हरेली। अक्ति तिहार छत्तीसगढ़ का कृषि नववर्ष है, इस दिन से ही कृषि के नये कार्य आरंभ होते है अपितु अक्षय तृतीया के दिन हर कार्य सफल होने के कारण भी छत्तीसगढ़ का नववर्ष भी माना गया है, धुप दीप से खेत खलिहानो की मातृवंदना करते बीज बोहनी भी करते है। छत्तीसगढ़ महतारी की आशीर्वाद मांगते जन लोक आगामी नूतन वर्ष की अच्छी फसलों की कामना भी करते। लोक मान्यताएं के अनुसार ग्राम देवी, ठाकुर देव, साहड़ा देवता जिन्हें ग्राम रक्षक भी कहा गया है, देवी शीतला की उपासना वे कोतवालों के हांका पारने के बाद ही वे मंदरो में जाकर तेल हल्दी और महुआ या पलाश के पत्तो से बने दौना में धान भी चढ़ाते, उन्ही के गाँव का एक पूजा और धार्मिक अनुष्ठान करने वाला भी होता जिन्हें वे बैगा कहते, बैगा द्वारा दी गई धान के कुछ अंश को अनाज भंडार घर में भी रखते ।इसी पर्व में छत्तीसगढ़ का लोक संस्कार बिहाव भी होता, बच्चे तो इस दिन पुतरी पुतरा के बिहाव अर्थात शादी भी करते, उन्ही बच्चों की टोलियों में एक दल वर पक्ष होता और एक कन्या पक्ष दोनों दल में प्रतियोगियों की तरह ही उत्साह होता। वे चुलमाटी लेने जाते तो छत्तीसगढ़ी बिहाव गीत भी गाते तोला माटी खोदे ल नइ आवे मीर धीरे धीरे , चुलमाटी-तेलमाटी बिहाव करने से पहले छत्तीसगढ़ के जन लोक माटी की पूजा वंदना करते आखिर जिस धरती पर जन्म लिए उसकी सदा जय होनी ही चाहिए। तेल हल्दी चढ़ते ही चेहरा और शरीर का अंग और भी निखर जाता और शांत मन भी प्रफुलित हो उठता। बच्चों की टोली तो अक्ति तिहार मानाने में मग्न रहती ही पर बड़ो भी दृश्य देख अपने आप को रोक नही पाते वे भी इस लोक खेल में शामिल हो जाते। एक महिला गा उठती है सरई सगाउन के दाई मड़वा छवाई ले चुकी सरई और सगौन की लकड़ी से बनी साज सज्जाएं की वस्तु जल्दी टूटती नही उसमें दीमक भी नही लगथे, शायद छत्तीसगढ़ के जन लोक यही आशय लेकर गीत गाते है उनकी रिश्ते हमेशा मजबूत रहे, उनके रिश्तो में कभी दीमक रूपी खट्टास न आये। ऐसी अद्धभुत विचार और अविश्वसनीय संस्कृति छत्तीसगढ़ की ही हो सकती है। जब बारात प्रस्थान की बात आती है तो बच्चों की ख़ुशी और भी दुगुनी हो जाती है आखिर वे गढ़वा बाजा की ताल में और गुदुम की थाप में थिरकने वाले होते है, वे नाचते गाते गांव भ्रमण कर कन्या के घर पहुँचथे। यह दृश्य देख कर सच्ची बिहाव जैसी अनुभूति होती। चुकी यह लोक खेल बच्चों का है, यह बिहाव शाम तक ही सम्पूर्ण होती पूरी नेंग झोंग के साथ बिहाव संपन्न करते फिर बारी टिकान की आती, आशीर्वाद समारोह को छत्तीसगढ़ में टिकान कहते जिसमें बिहाव में शामिल हुए सभी व्यक्ति दो बीज चावल की तिलक लगाकर दान भी करते, नन्ही नन्ही बच्ची गाते चना खाये बर पैसा देदे वो का वो मोरो दाई चटर चटर चुमा ले ले वो इस टिकान में आये पैसे से वे बच्चे टॉफी , चना मुर्रा ले कर सभी लोग बांट कर खाते। जब घड़ी उस नन्हीं पुतरी को बिदाई देने की बात आती तो वे बच्चियाँ बिलख सी उठते, आज के चंदा निरे निरे मोर दाई मैं काली जाउ बड़ दुरे, अपन दाई के रामदुलउरिन, मोर दाई तै छीन बर कोरा म लेले ये गीत को सुनते ही आख़िर वो पत्थर दिल ही होगा जिनके आँखों में आँशु ना हो, बड़े भी अपनी या अपनी बेटी की बिहाव को याद करते वे भी भावुक हो उठते।

चंपारण सत्याग्रह : किसानों के शांतिपूर्ण विद्रोह का प्रतीक

इस अप्रैल मे चंपारण के किसान आंदोलन को 105 वर्ष पूर्ण हुए। खेती के कोर्पोरेटाइजेशन या कंपनीकरण और शोषण की संगठित लूट के खिलाफ चले आंदोलन की कई मांगों की जड़ें चंपारण तक पहुंची मिलेंगी। इसके पहले विद्रोह हुए थे परंतु इस तरह का संगठित नियोजनपुर्ण प्रयास नहीं हुआ था। ये एक सदी पहले किसानों का पहला संगठिक शांतिपूर्ण अहिंसात्मक आंदोलन था। गांधीजी 175 दिन बिहार के चंपारण मे रुक कर आंदोलन चलाते रहे। बदले मे चंपारण ने इसे गांधीजी का नेतृत्व को राष्ट्रिय पटल पर स्थापित करने वाला पहला आंदोलन बना दिया। चम्पारण जिले में बड़े बड़े जमींदार हुआ करते थे. तीन चौथाई से अधिक जमीन केवल तीन बड़े मालिकों और जागीरदारों की थी. चंपारण मे इन जागीरदारों के नाम थे बेतिया जागीर (राज), रामनगर जागीर (राज) और मधुबन जागीर (राज). पहले रास्ता आदि नहीं था इसलिए अच्छी व्यवस्था बनाने के लिए ठेकेदारों को गाँव दिए गए. जिनका मूल काम मालगुजारी वसूल करके जागीरदारों को देना था. 1793 के पहले कुछ ठेकेदार देसी हुआ करते थे, बाद में अंग्रेज भी इसमें आ गए. जिनका सम्बन्ध गन्ना और नील के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार से था. उन्होंने बेतिया राज की तरफ से ठेका लेना शुरू कर दिया. समय के साथ देशी ठेकेदारों की जगह ब्रिटिश ठेकदारों ने ले ली. उनका प्रभाव बढ़ता चला गया. 1875 के बाद कुछ अंग्रेज जिल्हाच्या उत्तर पश्चिमी भाग में जाकर बस गए और इस तरह सम्पूर्ण चम्पारण में अंग्रेजों की कोठियां स्थापित हो गईं। गांधीजी जब चंपारण गए तब अंग्रेजों की 70 कोठियाँ स्थापित हो चुकी थीं।

तीनकठिया खेती अंग्रेज मालिकों द्वारा बिहार के चंपारण जिले के रैयतों (किसानों) पर नील की खेती के लिए जबरन लागू तीन तरीकों मे एक था। खेती का अन्य दो तरीका %कुरतौली% और %कुश्की% कहलाता था। तीनकठिया खेती में प्रति बीघा (20 कट्ठा) तीन कट्ठा जोत पर मतलब 3/20 भाग पर नील की खेती करना अनिवार्य बनाया गया था। 1860 के आसपास नीलहे फैक्ट्री मालिक द्वारा नील की खेती के लिए 5 कट्ठा खेत तय किया गया था जो 1867 तक तीन कट्ठा या तीनकठिया तरीके में बदल गया। इस प्रकार फसल के पूर्व में दिए गए रकम के बदले फैक्ट्री मालिक रैयतों के जमीन के अनुपात में खेती कराने को बाध्य करते थे। 1867 से चंपारण मे तीनकठिया तरीके से जमीन पर नील लगाने की जबर्दस्ती की प्रथा प्रचलित थी। नील लगाने का क़रारनामा बनता जिसे सट्टा कहा जाता। इस करार के अनुसार किसानो को उनकी जमीन के निश्चित हिस्से मे नील लगाना पड़ता था। वह जमीन कौनसी होगी ये नीलवाले जिनहे कोठीवाले भी कहा जाता था वो तय करते थे। किसानों को न चाहते हुए भी अच्छी उपजाऊ जमीन नील के लिए देनी पड़ती। बीज कोठीवाले देते और बुआई-जुताई किसानो को करनी पड़ती। फसल को कारखाने तक लाने तक का बैलगाड़ी का खर्च कोठीवाले करते थे, जो कारनामे मे तय पैसे मे काट लिया जाता। फसल अच्छी हुई तो दर्ज की गई रकम दी जाती थी और नहीं हुई तो उसका कारण जो भी हो उसकी कीमत ठीक नहीं मिलती थी। अगर किसानों ने करार को तोड़कर नील लगाया तो उनसे एक बड़ी रकम भरपाई के रूप मे वसूल की जाती। किसानों को दूसरे फायदेमंद खेती के बजाए नील की खेती ही करनी पड़ती थी और उसके

लिए अपनी सबसे उपजाऊ जमीन देनी पड़ती थी। खेती अगर घाटे मे गई तो कोठीवालों की अग्रिम राशि वापस कर पाना किसानो के लिए कठिन हो जाता था। उनके ऊपर कर्ज का पहाड़ बढ़ जाता। उन्हे मारपीट और अत्याचार किए जाते। नील के अधीन क्षेत्र का विस्तार बढ़ता गया। क्षेत्रफल पर आधारित कीमत का बाजार के उतारचढ़ाव और वजन से कोई लेना देना नहीं था। ऐसे मामले की सुनवाई के लिए एक विशेष अदालत थी लेकिन इसमें ज्यादातर फैसला रैयतों के विरूद्ध हुआ करता था. 1912 के आसपास जर्मनी का कृत्रिम रंग नील बाजार मे आने के कारण नील का भाव एकदम गिर गया और जबर्दस्त घाटा होने लगा। नील से होनेवाले नुकसान की भरपाई करने के लिए शरहबेशी, हरजा, हुंडा, तावान आदि नामों से नियम बना कर आदि अलग अलग नामों से जबर्दस्ती कर वसूली शुरू कर दी। 30,710 अनपढ़ निर्धन किसानों के करारनामों का पंजीकरण करके उनपर तब लागू 12.5 प्रतिशत की जगह 60 प्रतिशत कर वसूला जाने लगा इसे शरहबेशी कहा जाता था। किसानों को नील लगाने के बंधन से छुटकारा देने पर जो भारीभरकम कर वसूला जाता उसे हरजा कहा जाता। नील की जगह दूसरी धान या अन्य फसल लेने पर वो नाममात्र कीमत पर कोठीवालों को ही अनिवार्य तौर पर बेचनी पड़ती। इसे हुंडा कहा जाता। रैयतों को खेती मे काम करने पर मजदूरी जहां अन्य जगह 4-5 आना मिलती वहीं कोठियों की खेती पर 2-3 पैसा ही मिलती। नील बोने से मुक्ति के लिए नुकसान भरपाई के रूप मे %तावान% नाम से पैसे वसूलने का नियम बना। उस जमाने मे मोतीहारी कोठी ने 3,20,00, जल्हा कोठी ने 26,000, भेलवा कोठी ने 1,20,000 रुपये किसानों से वसूले। जो नहीं दे सके उनकी जमीने और घर जब्त कर लिए गए ।कइयों को गाँव छोडकर भागना पड़ता। बहिष्कृत कर दिया जाता। कहीं कहीं किसानों को नंगा कर उनपर कीचड़ फेंका जाता, उन्हे सूर्य की तरफ देखते रहने की सजा दी जाती। महिलाओं को नंगा करके पेड़ से बांध दिया जाता था। कोठीवाले खुद को कलेक्टर से भी बड़ा समझते। गाँव के मृत जानवरों की खाल, खेतों मे के पेड़, सब पर कोठीवाले हक जमाकर कब्जे मे कर लेते। कोठीवालों ने चमड़े का ठेका लेने के कारण चर्मकार भी बेकार हो गए और किसान चर्मकार संबंध खत्म हो गए। घर मे दीवार बनाने, बकरी खरीदने, पशु बिक्री करने पर्व त्यौहारों सब मे कोठी तक हिस्सा पहुंचाना पड़ता। 1857 के बंगाल प्रांत मे सरकार ने नीलवालों को सहायक दंडाधिकारी बना दिया गया। इससे किसानों मे असंतोष और शोषण और बढ़ गया। लोग मिलों नील की खेती छोडने के आवेदन लेकर खड़े रहते। कई जगह किसानो के साथ हिंसा हुई। इस विद्रोह के नेता हरिश्चंद्र मुखर्जी थे जिनके लगातार आंदोलनों से बंगाल मे इसपर रोक लग गई। लेकिन बिहार मे ये रोक लागू नहीं हुई। वहाँ धीरे- धीरे असंतोष ने विद्रोह का रूप धर लिया। 1908 मे शेख गुलाम और उनके सहयोगी शीतल राय ने बेतिया की यात्राओं मे सरकार के खिलाफ जोरदार प्रचार शुरू कर दिया और मलहिया, परसा, बैरिया, और कुडिया जैसे इलाकों मे विद्रोह फैल गया। कई विद्रोही किसानों को जेल और दूसरी तरह की सजाएँ और जुर्माने हुए। पश्चिम चंपारण के सतवरिया निवासी पंडित राजकुमार शुक्ल अपनी जेब से पैसा खर्च कर थाना और कोर्ट में रैयतों की मदद किया करते थे. मोतिहारी के वकील गोरख प्रसाद, धरणीधर प्रसाद, कचहरी का कातिब पीर मोहम्मद मुनिस, संत राउत, शीतल राय और शेख गुलाब जैसे लोग हमदर्द बन गए. वह कानपुर गए. और 'प्रताप' के संपादक गणेश शंकर विद्यार्थी को किसानों का दुखड़ा सुनाया. विद्यार्थीजी ने 4 जनवरी 1915 को प्रताप में 'चंपारण में अंधेरा' नाम से एक लेख प्रकाशित किया. विद्यार्थीजी ने शुक्लजी को गांधीजी से मिलने की सलाह दी. तब शुक्लजी साबरमती आश्रम गए लेकिन गांधीजी पुणे गए हुए थे. इसलिए उन दोनों की मुलाकात नहीं हो पाई. लखनऊ में 26 से 30 दिसंबर 1916 तक भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का 31वां वार्षिक अधिवेशन था. बिहार से बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए थे. उसमें भाग लेने के लिए चंपारण से ब्रजकिशोर, रामदयाल साह, गोरख बाबू, हरिवंश सहाय, पीर मोहम्मद मुनीश, संत रावत और राजकुमार शुक्ल भी गए। उनका मकसद चंपारण के किसानों पर होने वाले अत्याचारों की जानकारी काँग्रेस के नेताओं तक पहुंचाना था. वहां पहुंचते ही लोकमान्य तिलक से इस विषय पर बात की, लेकिन लोकमान्य तिलक ने काँग्रेस का मुख्य उद्देश्य स्वराज होने के कारण इस पर ध्यान देनें में असमर्थता व्यक्त की. मदमोहन मालवीय जी से मिलने के बाद उन्होंने विश्वविद्यालय के काम मे व्यस्त होने के चलते गांधीजी के पास उन्हें भेज दिया. गांधीजी ने बड़े गौर से उनकी बातें सुनीं और आने का आश्वासन दिया। चम्पारण के किसानों के शोषण पर सम्मेलन में प्रस्ताव रखा गया जिसे पहली बार काँग्रेस मे जमा अभिजन मध्यमवर्गीय, उच्च शिक्षित लोग सुन रहे थे। कुछ दिनों बाद वे चंपारण के निकले लेकिन पटना पहुंचते ही गांधीजी को जिले से बाहर जाने की सरकारी नोटिस थमा दी गयी. महात्मा गांधी ने वापस जाने से इंकार कर दिया तो उनपर सरकारी आदेश की नाफरमानी का मुकदमा चलाया गया. गांधीजी ने गिरफ्तार होने की सम्भवना देखते हुए अपने कई सहकारियों की आंदोलन जारी रखने के लिए बुला लिया था। उनको गिरफ्तार कर लिया गया. 18 अप्रैल 1917 की सुबह गांधीजी कोर्ट में दाखिल हुए. वहाँ उन्होंने उनके लिखित बयान में कहा कि उनका उद्देश्य इस मामले में सभी पक्षों से जानकारी लेना है ।

निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल

सामाजिक, साहित्यिक, सांस्कृतिक शैक्षिक और आध्यात्मिक जागृति को समर्पित संस्था मां विंध्यवासिनी ट्रस्ट क्षेत्रीय भाषाओं के और भारतीय संस्कृति के संवर्धन हेतु निरंतर प्रयासरत है इसी क्रम में संस्था द्वारा हमारी बोली हमारी पहचान कार्यक्रम का आयोजन किया गया कार्यक्रम में देश-विदेश से गीतों के माध्यम से लोगों ने प्राचीन रीति-रिवाजों और परंपराओं के विषय में सभी को अवगत कराया। कार्यक्रम का प्रारंभ मां शारदे की वरद पुत्री लोक गायिका साधना मिश्रा जी द्वारा भोजपुरी में गणेश स्तुति के साथ हुआ कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में लोक गायिका रीना टंडन जी लखनऊ उत्तर प्रदेश से तथा लोक गायिका व छालीवुड कलाकार लक्ष्मी करिया रे जी व सूरज श्रीवास जी कोरबा छत्तीसगढ़ से उपस्थित रहें, कार्यक्रम के अध्यक्ष के रूप में टीकू वासवानी जी मस्कट ओमान से तथा सुधा द्विवेदी जी लखनऊ उत्तर प्रदेश से उपस्थित रहीं, बुंदेली छत्तीसगढ़ी सिंधी पंजाबी गुजराती भोजपुरी अवधी मेवाड़ी सभी भाषाओं में प्रतिभागियों ने सुंदर प्रस्तुतियों के साथ कार्यक्रम को भव्यता प्रदान की। कार्यक्रम की संयोजिका कल्पना सक्सेना जी ने कहा हमारी सांस्कृतिक और भाषाई विविधताओं के मोतियों को एक सूत्र में पिरोकर ही भारत की कल्पना साकार होती है. समय ने भले ही लोगों को समाज, शिक्षा, व्यवसाय और तकनीकी संचार से जुड़ी विभिन्न भाषाओं के साथ जीने का आदी बना दिया है, पर हमारे अवचेतन की भाषा एक ही होती है. इसे हम मातृभाषा की संज्ञा देते हैं। संस्था की संस्थापिका साधना मिश्रा विंध्य जी ने अवगत कराया किहर भाषा बोली एक मानव सभ्यता और उसके इतिहास का प्रतीक होती है। इसलिए क्षेत्रीय भाषा हमें अपनी जड़ों से, अपनी धरा से जोड़े रखती है।'निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल।
बिन निज भाषा ज्ञान के, मिटत न हिय को सूल।।
विविध कला शिक्षा अमित, ज्ञान अनेक प्रकार।
सब देसन से लै करहू, भाषा माहि प्रचार।।'

यदि हम अन्य देशों का अध्ययन करें तो यह पायेंगे कि विकास की अंधी दौड़ में भी उन्होंने अपनी क्षेत्रीय भाषाओं को संरक्षण प्रदान किया। जापान, जर्मनी, स्पेन और ऐसे ही कई उदाहरण हैं। रूस और चीन जैसे बड़े राष्ट्रों ने भी इस बात का पूरा ध्यान रखा है और विकास में भी काफी आगे हैं। इसका सीधा तात्पर्य है कि विकास के लिए क्षेत्रीय भाषाओं का बलिदान कदापि आवश्यक नहीं है। क्षेत्रीय भाषायें अन्य मायनों में भी महत्वपूर्ण हैं। हमारे पूर्वजों द्वारा अर्जित ज्ञान हमें क्षेत्रीय भाषाओं में ही प्रदान किया गया है। जीवन के कई गुर तो हम लोकोक्तियों और लोकगीतों के माध्यम से ही सीखते हैं। जो हमें जीवन पर्यंत कंठस्थ रहते हैं ऐसे में क्षेत्रीय भाषाओं की अनदेखी करना ज्ञान को पीठ दिखाना है। आज के भौतिकवादी समाज ने क्षेत्रीय भाषाओं को सिरे से नकार दिया है। यदि हम समय रहते न सँभले तो वह दिन दूर नहीं जब हमारी आनेवाली पीढियाँ अपनी सभ्यता तक को भूल चुकी होंगी और उनके पास अपना कहने के लिए कुछ नहीं रहेगा। कार्यक्रम में मुख्य रूप से विद्या मां जी, सुधा द्विवेदी जी, कल्पना सक्सेना जी, राधा श्री शर्मा जी ,डॉ उषा पांडे जी, नीलम शुक्ला जी, साधना मिश्रा लखनवी जी, साधना मिश्रा जी, सुमति मिश्रा जी ,चंदा मिश्रा जी ,चंद्रकला भागीरथी जी ,डॉ शशि कला अवस्थी जी रामसाय श्रीवास राम छ.ग , डॉ साधना द्विवेदी जी तथा नीलू सक्सेना जी उपस्थित रहीं, क्षेत्रीय भाषाओं के संरक्षण के लिए निरंतर प्रयास करते रहने के संकल्प के साथ कार्यक्रम आनंद पूर्वक संपन्न हुआ। यह जानकारी मीडिया प्रभारी शैलेश पयासी जी द्वारा सांझा की गई।

मिथिला संस्कृति से फलता कफूलता बाबा नगरी देवघर

संस्कृति से रोजगार जी हां मैं बात कर रहा हूँ बाबा नगरी देवघर की ।यूं तो बाबा नगरी सावन मेले के लिए प्रसिद्ध रहा है ।जहां देश विदेश के पर्यटक आते रहे हैं। विगत दो वर्षों का कोरोना काल और सूनसान मेले ने चारो ओर उदासी फैला रखी थी ।लेकिन इन दिनो लगन और संस्कार की उमड़ती भीड ने यहां के स्थानीय लोगो के चेहरे पर फिर से मुस्कान ला दी है। ज्यादातर शादी, मुंडन और यज्ञोपवित संस्कार आजकल इस नगरी की शोभा बढा रहा है ।यहां की 90त्नआबादी बाहर से आये लोगो पर आश्रित है ।आजकल ज्यादातर लोग मिथिला से आकर यहां विभिन्न संस्कार कराते है उसी के फलस्वरूप यहां के लोगो का व्यवसाय फल फूल रहा है। सुविधाओं की कमी और सरकारो की अव्यवस्था से जूझता यह पर्यटन स्थल गंदगी और बिजली की कमी झेलने को विवश है ।मै बात कर रहा हूं यहां की अलौकिक शिवगंगा की जो एक भव्य और रमणीक स्थल है । विशाल शिवगंगा के चारो ओर घाटो पर फैले गंदगी आने वाले भविष्य के लिए अच्छे संकेत नही है ।यहा का पानी जो कि शुद्ध माना जाता है आज गंदगी के कारण स्नान लायक नही रहा। स्थानीय प्रशासन की उदासीन नीति और लोगो में जागरूकता की कमी के कारण यह स्थल अब गंदगी से लैस है अगर यही हाल रहा तो भविष्य में यह श्रद्धालुओं के स्नान लायक नही रह पाएगा। यहां शिवगंगा के किनारे चारो ओर फैले छोटे दुकानदार का कचरा और मूर्ति विर्सजन से यह जल प्रदूषित होती जा रही है जिसे रोकना लाजमी है ।देवघर नगर निगम और यहां के प्रशासन की उदासीन रवैया इसके अलौकिक सुन्दरता को बचा सकते है यदि वे तत्पर रहेंगे।

आओ सामाजिक समरसता बनाएं

केबल टेलीविजन नेटवर्क (विनियमन) अधिनियम 1995 की धारा 20 के प्रावधानों का पालन करने का आह्वान - एडवाइजरी जारी

मीडिया संस्थानों, पत्रकारिता का प्राथमिक ध्येय पाठकों, दर्शकों को समसामयिक गतिविधियों को सूचित करना समय की मांग - एड किशन भावनानी

गोंदिया - एक ज़माना था जब हमारी पिछली पीढ़ियां, हमारे बड़े बुजुर्ग रेडियो पर पूरे एक दिन में दो या तीन बार आने वाले समाचारों का इंतजार पूरे शिद्दत के साथ करते थे और जिसके घर रेडियो रहता था उसके घर पंगत लगाकर बैठ जाते और समाचारों का इंतजार करते रहते थे!! कि अब निर्धारित समय आए और आकाशवाणी से समाचार प्रसारित हो ताकि देश विदेश की जानकारी हासिल कर सकें!! बड़े बुजुर्गों ने बताया कि इसके पहले ऐसे भी दिन थे जब किसी दूसरे शहर में कोई घटना, दुर्घटना होती थी तो उसकी जानकारी कुछ दिनों बाद मालूम पड़ती थी! किसी शासकीय अधिसूचना की तो जानकारी ही नहीं पड़ती थी! याने पूरे देश में तो क्या बाजू के गांव में व शहर में क्या हो रहा है पता नहीं चलता था!! परंतु वर्तमान प्रौद्योगिक, आधुनिक डिजिटल युग में, ऐसा मीडिया नेटवर्क बिछा दिया है कि मिनटों ने तो क्या सेकंडों में ही विश्व में कहीं भी होने ताजा हालात की जानकारी हो जाती है!! साथियों हालांकि शुरुआत प्रिंट मीडिया से हुई जिसका भारत की आजादी में भी महत्वपूर्ण रोल रहा फिर शासकीय उसके बाद निजी टीवी चैनलों केबल टेलीविजन, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, समाचारों की अनेकों ऐपों से लेकर ऐसी तकनीकी का विकास हुआ कि यह सब देख कर हमारे बड़े बुजुर्ग हैरान हैं! परंतु बड़े बुजुर्गों की कहावत है रजाई जितनी पानी में डूबेगी उतनी ही भारी होती जाएगी यानें जितनी सुख सुविधाएं हम पाएंगे उसी अनुरूप हानियों को भी उठाना होगा बस!! यही से प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक, केबल टेलीविज़न इत्यादि मीडिया साधनों, संसाधनों पर नियंत्रण के लिए कानून बनाने की ज़रूरत पड़ी वैसे तो अनेक कानून बने हैं परंतु आजहम केबल टेलीविजन नेटवर्क (विनियमन) अधिनियम 1995 की चर्चा करेंगे।

साथियों वर्तमान परिपेक्ष के दिनों में देखें तो आर्टिकल 370 हटाने, तीन तलाक बिल, हिज़ाब,रूस -यूक्रेन युद्ध से लेकर गुजरात, राजस्थान, मध्यप्रदेश से लेकर दिल्ली में हुए धार्मिक जुलूस पर हमलों के बारे में हमने टीवी चैनलों पर ग्राउंड रिपोर्टिंग से लेकर बहुत डिबेट देखें कि कैसे डिबेट में पक्ष-विपक्ष, समुदायों, पार्टियों समाचार के पैनलिस्ट आपस में अनेक मुद्दों पर शाब्दिक बाण चलाते हैं, निजी टिप्पणियां करते हैं, यहां तक कि डिबेट में हम पैनलिस्ट की डिबेट में आपसी मारपीट भी लाइव टेलीविजन चैनलों पर देख चुके हैं जिसमें सामाजिक समरसता को गहरा आघात पहुंचता है। साथियों बात अगर हम हाल में हुई गतिविधियों के टीवी चैनलों पर प्रसारण की करें तो, हालिया गतिविधियों से दर्शकों को सूचित कराने के क्रम में जिस तरह कुछ मीडिया संस्थानों द्वारा उदराक मार्ग का चयन किया गया, उसके परिणामस्वरूप कथित तौर पर 'सामाजिक समरसता' को गहरा अघात पहुंचा है। जिसके दृष्टिगत सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की तरफ से एडवाइजरी जारी की गई तथा उन सभी मीडिया संस्थानों को चिन्हित किया गया जिन्होंने विगत दिनों खबरों को विध्वंसक अंदाज में पेश कर समाज में विभिन्न संप्रदायों के लोगों के मध्य वैमनस्यता बढ़ाने काम किया है। अब इसी पर अंकुश लगाने की दिशा में सूचना प्रसारण मंत्रालय द्वारा जारी की गई यह दिशानिर्देश बहुत उपयोगी मानी जाएगी। आइए, मंत्रालय द्वारा जारी किए गए दिशानिर्देश पर एक नजर डालते हैं। साथियों बात अगर हम सूचना प्रसारण मंत्रालय द्वारा दिनांक 23 अप्रैल 2022 को जारी दो पेज की एडवाइजरी की करें तो पीआईबी के अनुसार, मंत्रालय द्वारा जारी किए गए दिशानिर्देश में उल्लेखित किया गया है कि केबल टेलीविजन नेटवर्क (विनियमन) अधिनियम, 1995 के तहत किसी भी न्यूज चैनल कोई भी ऐसा कार्यक्रम में प्रसारित न करें, जिसमें (1) अच्छे स्वाद या शालीनता के खिलाफ अपराध (2) मित्र देशों की आलोचना (3) धर्मों या समुदायों पर हमला या धार्मिक समूहों की अवमानना ??करने वाले दृश्य या शब्द या जो सांप्रदायिक दृष्टिकोण को बढ़ावा देते हों (4) कुछ भी शामिल है, अश्लील, मानहानि कारक, जानबूझकर, झूठे और विचारोत्तेजक मासूमियत और आधा सत्य; निहित कार्यक्रमों को चैनलों पर प्रसारित करने से रोक लगाने को कहा गया है। साथियों विगत कुछ दिनों से न्यूज चैनलों द्वारा खबरों को इस तरह से दर्शकों के समक्ष प्रस्तुत किया गया है, जो कि सूचनाई रिफाइनरी में परिष्कृत होने के उपरांत अप्रमाणिक, दिगभ्रमित, अतिशयोक्तिपूर्ण, सामाजिक रूप से अस्वीकृत भाषा शैली, चैनलों द्वारा प्रसारित, जो कि उपरोक्त अधिनियम की धारा 20 की उप-धारा (2) के प्रावधानों का उल्लंघन करते हैं। लिहाजा अब मंत्रालय की तरफ से चैनलों को ऐसे कार्यक्रमों प्रसारण करने बचने के लिए कहा है, जिससे समाज में विद्वेश बढ़े। अगर इसके बावजूद भी अगर किसी चैनलों द्वारा ऐसे विध्वंसक और विभाजनकारी कार्यक्रम प्रसारित किए गए तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। साथियों मंत्रालय ने एडवाइजरी में कहा कि टीवी के डिबेट के दौरान असंसदीय, सामाजिक रूप से अस्वीकार्य व भड़काऊ भाषा दिखाए जाने से दर्शकों पर नकारात्मक मनोवैज्ञानिक प्रभाव डाल सकते हैं। सांप्रदायिक वैमनस्य बढ़ाते हुए शांति को भंग कर सकते हैं ।मंत्रालय ने चेतावनी देते हुए कहा,अधिनियम, में निर्धारित प्रावधानों के तहत, चैनलों या कार्यक्रम के प्रसारण को प्रतिबंधित किया जा सकता है। इस अधिनियम का उद्देश्य केबल नेटवर्क की सामग्री और संचालन को विनियमित करना है। यह अधिनियम केबल टेलीविज़न नेटवर्क के बेतरतीब विकास को नियंत्रित करता है। साथियों बात अगर हम उपरोक्त अधिनियम की धारा 20 की करें तो इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के अनुसार, जनहित में केबल टेलीविजन नेटवर्क के संचालन को प्रतिबंधित करने की शक्ति।—1[(1)] जहां केंद्र सरकार जनहित में ऐसा करना आवश्यक या समीचीन समझती है।

रुकना तो कायरो का काम है!

चलते जाए चलते जाए,
यही तो जिंदगी का नाम है,
आगे आगे बढ़ते जाए,
रुकना तो कायरों का काम है!

गिर जाए तो खड़े हो जाएं,
जब ही तो सलाम है,
मंजिलों को पाते जाए,
यही जिंदगी का अंजाम है!

हौसलो की बुलंदियों को छूते जाए,
नहीं करना आराम है,
सफलताओं को पाते जाए,
यही सच्चा प्रमाण है!

खुशियां हर पल की मनाते जाए,
यही जिंदगी का सम्मान है,
जगती आंखों से सपने पूरे करते जाए,
वही तो सच्चा इंसान है!

सीख कर जो ना सिखाएं,
बेकार का अभिमान है,
सीखते और सिखाते जाए,
फिर तो वह महान है!

जिंदगी में उतारते जाए,
वही तो सच्चा ज्ञान है,
ऊर्जा का सही उपयोग करते जाए,
यही तो सही पहचान है!
परिश्रम करके कमाई करते जाए,
फिर ही तो हममैं ईमान है,
इस जिंदगी की सही कीमत को समझते जाए, यह जिंदगी तो ऊपर वाले का एहसान है!

शार्ट न्यूज

रायबरेली में खेत और जंगलों में लगी कई जगह आग

रायबरेली। उत्तर प्रदेश के रायबरेली जिले में रविवार को बछरांवा इलाके के विद्युत उपकेंद्र सहित अलग अलग इलाकों में जंगलों एवं खेतों में आग लगने से अफरातफरी मच गई। दमकल विभाग के अधिकारियों ने बताया कि जिले में लगभग डेढ़ दर्जन जगह लगी आग पर काबू पा लिया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार दोपहर में करीब 12 बजे बछरांवा विद्युत उपकेंद्र में सूखी घास जलाये जाने के कारण आग लग गयी। यह आग विद्युत उपकेन्द्र के तमाम हिस्सों में फैल गयी। दमकलकर्मियों ने घटनास्थल पर पहुंच कर आग को बुझाया। इसके कुछ समय बाद बछरांवा इलाके के राजामऊ में एक भट्ठे के पास यूकिलिप्टस के जंगल मे आग लग गयी। आग की चपेट में कई पेड़ आ गये। दमकल विभाग की टीम ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। इस क्रम में सरेनी इलाके के चंदूपुर में स्थित जंगल आग की चपेट में आ गया। दमकल अधिकारियों ने बताया कि रायबरेली में महराजगंज, मिल एरिया, जगतपुर, सलोन और सरेनी में भी विभिन्न स्थानों पर आग लगने की सूचना मिली। इन स्थानों पर भी दमकलकर्मियों ने आग पर काबू पा लिया।

टेनी के बेटे आशीष ने अदालत में किया आत्मसमर्पण

लखीमपुर खीरी। केन्द्रीय मंत्री अजय मिश्रा टेनी के बेटे और तकुनिया में किसानों के साथ हिंसा मामले के मुख्य आरोपी आशीष मिश्रा ने उच्चतम न्यायालय से जमानत रद्द होने के बाद रविवार को स्थानीय अदालत में आत्मसमर्पण कर दिया। इलाहाबाद उच्च न्यायालय से आशीष को जमानत मिलने के बाद इस सप्ताह उच्चतम न्यायालय ने उच्च न्यायालय के फैसले को खारिज कर जमानत रद्द कर उसे सोमवार से पहले स्थानीय अदालत में आत्मसमर्पण करने के आदेश दिये थे। स्थानीय जिला प्रशासन के सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार आशीष ने उक्त समयसीमा समाप्त होने के एक दिन पहले ही सीजेएम की अदालत में आत्मसमर्पण कर दिया। अदालत से उसे सीधा जेल भेज दिया गया। आशीष मिश्रा पर पिछले साल लखीमपुर खीरी में आंदोलनरत किसानों को अपनी कार से कुचलने का आरोप है। इस घटना में चार किसानों सहित आठ लोगों की मौत हो गयी थी।

देवबंद में तालाब को मिली अवैध कब्जे से मुक्ति

देवबंद। उत्तर प्रदेश के देवबंद में राजस्व व पुलिस विभाग के अधिकारियों की टीम ने एक तालाब को अवैध कब्जे से मुक्त करा दिया। देवबंद के उपजिलाधिकारी दीपक कुमार ने रविवार को बताया कि फलौदा रहमतपुर गांव में तालाब की भूमि पर अवैध रुप से किये गये कब्जे को पुलिस और राजस्व विभाग के संयुक्त अभियान में हटवा दिया गया। साथ ही कब्जाधारकों को सख्त कार्रवाई की चेतावनी भी दी गयी है। उन्होंने बताया कि गांव के ही कई व्यक्तियों ने पिछले लंबे समय से तालाब की जमीन पर अवैध रुप से कब्जा किया हुआ था। इसकी शिकायत मिलने पर जांच में अवैध कब्जे की बात सही पायी गयी। इसके चलते उक्त भूमि को कब्जामुक्त कराया गया। उन्होंने बताया कि कब्जाधारियों को सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी गई। इस दौरान भारी पुलिस बल की मौजूदगी के चलते कोई भी कब्जाधारी कार्रवाई का विरोध नहीं कर सका।

मनरेगा से मिलेगा 600 तालाबों को नया जीवन

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के तहत गांवों में नहरों का निर्माण, तालाबों का गहरीकरण और मनरेगा पशु बाड़ा निर्माण के कार्य तेजी से पूरा करा रही हैं। अधिकृत सूत्रों ने रविवार को बताया कि सरकार ने 100 दिनों में मनरेगा के तहत 600 तालाबों की सूरत बदलने की कार्ययोजना बनाई है। इसको समय पर पूरा कराने की कवायद तेज कर दी गई है। महोबा और प्रतापगढ़ में तालाबों के गहरीकरण और पुनरोद्धार के कार्य किये जाने हैं। सरकार ने ग्राम विकास विभाग को 01 साल में योजना से 15463 तालाबों के गहरीकरण और पुनरोद्धार कराने का भी लक्ष्य दिया है। तालाबों के गहरीकरण योजना में श्रमिकों और ग्रामीणों को बड़ी संख्या में रोजगार के अवसर मिलेंगे और उनकी आर्थिक स्थिति भी बेहतर बनेंगी।
उन्होने बताया कि इस योजना से जल के उपयोग व संरक्षण के श्रोत तालाबों को नया जीवन तो मिलेगा ही। पशु-पक्षियों को पीने के लिए पानी उपलब्ध होगा। गांव में हरियाली के साथ भूजल स्त्रोत बनाए रखने में भी तालाब सहायक बनेंगे। सरकार का प्रयास गांव-गांव में संचालित कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से प्रत्येक ग्रामीण को रोजगार उपलब्ध कराकर उनको मजबूत बनाना भी है। गौरतलब है कि सरकार ने पिछले 05 वर्षों में 92576 तालाबों के निर्माण और जीणोद्धार का काम कराया है। श्रावस्ती के विकास खंड गिलौला की ग्राम पंचायत कोटमुबारकपुर और जनपद जौनपुर में सामुदायिक तालाबों के निर्माण से काफी बदलाव आया है।

आगरा लखनऊ एक्सप्रेस वे पर कार बनी आग का गोला

इटावा। उत्तर प्रदेश में इटावा जिले के ऊसराहार थाना क्षेत्र क्षेत्र में शनिवार को आगरा लखनऊ एक्सप्रेस वे पर एक कार में भीषण आग लग गयी लेकिन कार सवार बाल बाल बच गए। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जयप्रकाश सिंह ने बताया कि पूर्वाह्न करीब साढ़े 10 बजे यह हादसा उस समय हुआ जब कन्नौज के सौरिख से आ रही कार की वायरिंग में दुढा पुल के पास अचानक आग लग गयी और बीच सड़क में कार आग के गोले में तब्दील हो गयी। उन्होने बताया कि इस हादसे में इटावा के सिविल लाइन क्षेत्र निवासी शेर खान और माजिद खान बाल बाल बच गये। शेर खान ने बताया कि वह ओवर टेक लाइन पर चल रहा था कि धुआं उठते देख उसने गाड़ी को साइड में किया और सीट बेल्ट खोलकर बाहर निकला ही था कि गाड़ी आग का गोला बन गई। पीआरवी 1617 के स्टाफ ने एक्सप्रेस-वे पर पौधों को पानी डालने वाले टैंकर को बुलाया जिससे आग बुझाई गई।

सोनभद्र में शराबी ने की पत्नी की हत्या

सोनभद्र। उत्तर प्रदेश में सोनभद्र के बभनी क्षेत्र में नशे में धुत एक व्यक्ति ने घरेलू विवाद के बीच अपनी पत्नी की पेंचकस से गोद कर हत्या कर दी है। पुलिस सूत्रों ने रविवार को बताया कि झनकपुर रंदह निवासी रघु ने बीती रात शराब के नशे में किसी बात को लेकर पत्नी सावित्री देवी (55) की जमकर पिटाई की और पेंचकस से वार कर उसकी हत्या कर दी। परिजनों के मुताबिक पति पत्नी में हमेशा विवाद होता रहता था। मृतक के बड़े पुत्र सन्तोष कुमार ने घटना की सूचना ग्राम प्रधान संजय यादव को दी। ग्राम प्रधान की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। ग्राम प्रधान ने बताया कि पति पत्नी मे आए दिन घरेलू विवाद होता रहता था जिसको लेकर गांव मे पंचायत भी हो चुका था। पुलिस घटना की जांच में जुट गयी है।

बस्ती मे कपड़ा व्यवसायी के बेटे का अपहरण, 50 लाख रुपये की फिरौती मांगी गयी

बस्ती। उत्तर प्रदेश में बस्ती जिले के रूधौली थाना क्षेत्र मे एक कपड़ा व्यवसायी के 13 साल के बेटे का अज्ञात बदमाशों द्वारा अपहरण करके उनसे 50 लाख रुपये की फिरौती मांगी गयी है। बस्ती के पुलिस अधीक्षक आशीष श्रीवास्तव ने रविवार को बताया कि रूधौली थाना क्षेत्र के कपड़ा व्यवसायी अशोक कुमार कसौधन के 13 वर्षीय पुत्र अखंड का अपहरण अज्ञात बदमाशों द्वारा उस समय कर लिया गया जब वह सब्जी लेने के लिए बाजार गया हुआ था। अपहरण करने के बाद बदमाशों ने व्यवसायी को फोन कर 50 लाख रुपये की फिरौती भी मांगी है। उन्होंने बताया कि अपहृत बच्चे को बदमाशों के चंगुल से छुड़ाने के लिये पुलिस टीम लगायी गयी है। बस्ती जिले के अलावा बाहरी जिलों की भी पुलिस टीम तेजी से जांच-पड़ताल कर रही है। श्रीवास्तव ने भरोसा दिलाया कि बच्चे को जल्द सकुशल बरामद कर लिया जायेगा। उन्होने बताया कि पीड़ित की तहरीर पर अज्ञात के विरूद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया गया है जिस फोन नंबर से कॉल की गयी थी उसकी जांच में पता चला है कि उक्त नंबर एक चाय वाले के नाम दर्ज हे। जब पुलिस ने उससे संपर्क किया तो चाय वाले ने बताया कि उसकी दुकान पर एक व्यक्ति ने आकर अपना मोबाइल फोन खराब बताया और कहीं जरूरी बात करने के लिये उसके फोने से कॉल की थी।

आजम नहीं मिले सपा नेताओं से, अखिलेश बोले पार्टी आजम के साथ

लखनऊ/सीतापुर। उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी (सपा) के वरिष्ठ नेता आजम खान ने रविवार को सीतापुर जेल में मिलने गये पार्टी नेताओं के प्रतिनिधिमंडल से नहीं मिल सके, वहीं पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि उनका दल पूरी तरह से आजम के साथ है।
विभिन्न आपराधिक मामलों में सीतापुर जेल में बंद आजम की सपा नेतृत्व से कथित नाराजगी की अटकलों के बीच अखिलेश ने रविवार को कहा कि पार्टी आजम के साथ हो रहे अन्याय के खिलाफ पूरी तरह से उनके साथ है। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ सपा नेता आजम को जो भी कानूनी मदद चाहिये, पार्टी हरसंभव मदद करेगी।
अखिलेश ने आजम के साथ हो रहे अन्याय के लिये भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को जिम्मेदार ठहराते हुए आरोप लगाया कि उप्र सरकार ने जानबूझकर ऐसे अधिकारियों को तैनात किया है जो उनके प्रति अन्याय करें, जिससे उनके खिलाफ झूठे मुकदमे दर्ज किये जा सकें।
इस बीच लखनऊ मध्य सीट से सपा विधायक रविदास मेहरोत्रा के नेतृत्व में पार्टी नेताओं का एक प्रतिनिधिमंडल रविवार को सीतापुर जेल में आजम से मिलने पहुंचा लेकिन जेल प्रशासन ने आजम की सेहत ठीक नहीं होने की बात कह कर पार्टी नेताओं से उनकी मुलाकात नहीं करायी। सपा नेताओं ने जेल के बाहर

लगभग आधा घंटे तक इंतजार भी किया लेकिन आजम अपनी पार्टी के नेताओं से मिलने नहीं आ सके।
इधर अखिलेश ने सपा नेताओं के किसी प्रतिनिधिमंडल को सीतापुर जेल भेजे जाने की उन्हें जानकारी होने से ही इंकार कर दिया। उन्होंने कहा, मुझे इस बात की कोई जानकारी नहीं है कि जेल में उनसे (आजम से) मिलने के लिये कौन गया था।
आजम से नहीं मिल पाने के बाद मेहरोत्रा ने जेल के बाहर संवाददाताओं से कहा कि भाजपा सरकार आजम के प्रति बदले की भावना से कार्रवाई कर रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा शासन में अपराध चरम सीमा पर है। सपा के वरिष्ठ नेता आजम खान 26 माह से जेल में हैं। आज सपा का प्रतिनिधिमंडल उनसे मिलने के लिये आया था, लेकिन जेल प्रशासन ने उन्हें बताया कि आजम की तबियत ठीक नहीं है, उन्हें बुखार है और वह दवा लेकर आराम कर रहे हैं, वह कैदियों के परिजनों से मिलने के लिये निर्धारित स्थान तक आने में भी असमर्थ हैं।
उन्होंने आरोप लगाया कि बेशक राज्य सरकार नहीं चाहती है कि सपा नेता आजम से मिलें। उन्होंने कहा कि सपा नेता और कार्यकर्ता आजम को न्याय दिलाने के लिये सड़क से लेकर सदन (विधान सभा) तक, हर जगह आंदोलन करेंगे। उन्होंने कहा कि पार्टी का आंदोलन आजम की रिहाई तक जारी रहेगा।
मेहरोत्रा ने कहा कि आजम के खिलाफ सिर्फ एक मुकदमा बचा है, जिसमें अदालत ने फैसला सुरक्षित कर लिया है। उन्होंने उम्मीद जतायी कि जल्दी ही आजम खान जेल से बाहर आएंगे। ज्ञात हो कि 2 दिन पहले ही अखिलेश के चाचा और प्रसपा के अध्यक्ष शिवपाल सिंह यादव ने आजम खान से जेल में मुलाकात की थी। उन्होंने सपा नेतृत्व पर आजम की मदद नहीं करने का भी आरोप लगाया था। सियासी गलियारों में चर्चा है कि शिवपाल और आजम सपा अध्यक्ष से नाराज चल रहे हैं।

रामपुर में बनकर तैयार हुआ भारत का पहला अमृत सरोवर

रामपुर/लखनऊ। उत्तर प्रदेश में योगी सरकार ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर देश में 75 अमृत सरोवर बनाने की पहल को साकार करते हुए पहला अमृत सरोवर रामपुर में बनवा कर तैयार कर दिया है।
मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से रविवार को जारी बयान में दावा किया गया है कि प्रधानमंत्री मोदी की परिकल्पना को साकार करते हुए राज्य सरकार ने रामपुर की ग्राम पंचायत पटवाई में देश का पहला अमृत सरोवर बनवा कर तैयार कर दिया है। गौरतलब है कि आजादी के अमृत महोत्सव के तहत लिए गये संकल्पों में से 75 अमृत सरोवर बनाने की योजना के कार्य को

योगी सरकार युद्ध स्तर पर करा रही है। इस कड़ी में सबसे पहले रामपुर में गंदगी से पटे तालाब को कुछ ही हफ्तों में साफ करके उसका कायाकल्प किया गया है। यहां से कब्जे हटाए गये। अब यह तालाब रमणीक स्थल के रूप में ग्रामीण पर्यटन का बड़ा केन्द्र बन चुका है।
रामपुर में 75 तालाबों का चयन अमृत सरोवर के रूप में विकसित करने के लिए किया गया है। चयनित तालाबों में विकासखंड शाहबाद के ग्राम पंचायत पटवाई के तालाब का कार्य पूरा कराया गया।
अब ग्राम पंचायत सिंगन खेड़ा में सबसे अधिक 1.67 हेक्टेयर क्षेत्रफल वाले तालाब का काम भी शुरू हो चुका है। अगले 03 महीनों में कूड़े और गंदगी से पटे रहने वाला यह तालाब अमृत सरोवर के रूप में ग्रामीण पर्यटन का बड़ा केन्द्र बन जाएगा।
प्रधानमंत्री मोदी ने अपने मासिक कार्यक्रम 'मन की बात' में रामपुर में तैयार किये गये पहले अमृत सरोवर की तारीफ करते हुए तालाब की सफाई में जुटने वाले गांव के लोगों और स्कूली बच्चों को बधाई भी दी। पीएम मोदी ने कहा कि वो दिन दूर नहीं जब आपके अपने शहर में 75 अमृत सरोवर होंगे।
उन्होंने कहा कि आजादी के 75वें साल में आजादी के अमृत महोत्सव में देश जिन संकल्पों को लेकर आगे बढ़ रहा है उनमें जल संरक्षण भी एक है। अमृत महोत्सव के दौरान देश के हर जिले में 75 अमृत सरोवर बनाए जाएंगे। आप कल्पना कर सकते हैं कि कितना बड़ा अभियान है। वो दिन दूर नहीं जब आपके अपने शहर में 75 अमृत सरोवर होंगे।

महंत नृत्य गोपाल दास की तबीयत फिर बिगड़ी, लखनऊ के मेदांता में कराए गए भर्ती

अयोध्या। राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास की स्वास्थ्य एक बार फिर बिगड़ गया है। आनन-फानन में उनको लखनऊ के मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया है। किडनी में इन्फेक्शन के चलते महंत का कई दिनों से स्वास्थ्य ठीक नहीं रह रहा था। रविवार को रूटीन डॉक्टरों की देखरेख में उन्हें रूटीन चेकअप के लिए लखनऊ भेजा गया था, लेकिन यहां उनकी हालत अचानक बिगड़ गई। डॉक्टरों की जांच पड़ताल में पता चला है कि महंत की किडनी में इन्फेक्शन है। जिसके चलते उनको पेशाब की नली में भी परेशानी हो रही थी। इसके बाद डॉक्टरों की सीनियर टीम के संरक्षण में उन्हें मेदांता के आईसीयू वार्ड में भर्ती कराया गया है। बतादें कि बीते दिनों कृष्ण जन्मभूमि मथुरा में कृष्ण जन्मोत्सव के दौरान महंत नृत्यगोपाल दास कोरोना पॉजिटिव मिले थे, तब से वह लगातार बीमार चल रहे हैं। महंत नृत्य गोपाल दास को पिछले साल अक्टूबर में भी मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया जा चुका है। तब भी जांच में उनकी पेशाब और फेफड़ों में संक्रमण की पुष्टि हुई थी। इसके बाद डॉक्टरों ने उपचार शुरू कर दिया था। क्रिटिकल केयर मेडिसिन विभाग ने आईसीयू में विशेषज्ञ डॉक्टरों की निगरानी में उनका इलाज चला था।

यूपी में सरकारी स्कूल बनेंगे स्मार्ट

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में सरकारी स्कूलों की सेहत सुधारने की कवायद के तहत योगी आदित्यनाथ सरकार आपरेशन कायाकल्प के तहत स्कूलों को स्मार्ट बनाने की तैयारी कर रही है।
अधिकृत सूत्रों ने रविवार को बताया कि योगी सरकार अपने दूसरे कार्यकाल में ऑपरेशन कायाकल्प से प्राथमिक और माध्यमिक स्कूलों की स्मार्टनेस को और बढ़ाने जा रही है। इसके लिए उसने पूरी तैयारी कर ली है। यूपी के सभी प्राथमिक विद्यालयों में बच्चों के लिए अनुकूल फर्नीचर जैसे टेबल, बैंच आदि की व्यवस्था होगी। 30000 माध्यमिक विद्यालयों के बुनियादी ढांचे का नवीनीकरण भी किया जाएगा। निजी स्कूलों की तरह सरकारी विद्यालयों में ऑडियो-वीडियो प्रोजेक्ट के साथ स्मार्ट क्लास रूम बनाने की भी योजना है।
प्रदेश के प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालय कान्वेंट स्कूलों को टक्कर देंगे। उनमें पुस्तकालय, कम्प्यूटर लैब, साइंस लैब, आर्ट रूम बनाने के साथ-सा वाई-फाई की व्यवस्था होगी। निजी स्कूलों की तरह बच्चों की बेहतर पढ़ाई के लिए हर तरह की सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है।
कई विद्यलायों में बच्चों के लिए खेलने के लिए मैदान की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है।
सरकारी विद्यालयों के आधुनिक होने की दिशा में बढ़ते कदमों का परिणाम हैं कि प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालय कान्वेंट स्कूलों को टक्कर देने लगे हैं। जिन सरकारी स्कूलों में अभिभावक अपने बच्चों को भेजना नहीं चाहते थे उनमें छात्रों की संख्या में तेजी से इजाफा हुआ है।
गौरतलब है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 2019 में आपरेशन कायाकल्प की शुरुआत की। इसके तहत 1.33 लाख परिषदीय विद्यालयों में पढ़ने वाले 1.64 लाख बच्चों को आधुनिक परिवेश के साथ स्वच्छ और सुरक्षित माहौल देने का प्रयास किया जा रहा है। योजना के तहत विद्यालय का सौंदर्यीकरण, शुद्ध पेयजल, शौचालय, फर्नीचर आदि की व्यवस्था भी की जा रही है।

उत्तर प्रदेश के 01 लाख किसानों को पांच साल में मिलेंगे सोलर पंप

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रधानमंत्री कुसुम योजना के तहत अगले पांच साल में एक लाख किसानों को सौर ऊर्जा से चलने वाले कृषि सिंचाई पंप (सोलर पंप) सरकारी छूट पर देने का लक्ष्य तय किया है।
मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से रविवार को जारी विज्ञप्ति के अनुसार योगी सरकार ने कृषि क्षेत्र में जलप्रबंधन के उपायों को सुनिश्चित करते हुए किसानों को सिंचाई सुविधा सुलभ कराने के लिये अपने दूसरे कार्यकाल में एक लाख सोलर पंप देने का लक्ष्य तय किया है। बिजली की खपत कम करने और कृषि लगात घटाने के लिए 200 करोड़ रुपये की लागत से अगले 05 सालों में 01 लाख सोलर पम्प किसानों के खेत पर स्थापित किये जायेंगे। इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए कृषि विभाग को जिम्मेदारी सौंपी गई है।
सरकार का लक्ष्य किसानों के कंधे से कृषि लागत का बोझ कम कर उनकी आय को बढ़ाना है। पिछले कार्यकाल में भी सरकार ने किसानों को खेती से संबंधित संसाधनों को उपलब्ध कराने के बड़े प्रयास किये। किसानों को खेती आधारित संयंत्र और सोलर पम्प भी बांटे गये।
सोलर पम्प मिलने से किसानों को सिंचाई के लिए बारिश पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। सोलर पम्प लगाने से किसानों का डीजल बचेगा और उनकी आय में भी बढ़ोत्तरी होगी। खेती-बाड़ी की लागत में कमी आएगी और साथ में बिजली की खपत कम हो जाएगी। सोलर पम्प लग जाने से सिंचाई के अतिरिक्त सौर उर्जा आधारित थ्रेसिंग और चारा कटाई आदि में भी किसानों को काफी आसानी होगी। सरकार ने इन सोलर पम्पों की स्थापना के साथ 60 प्रतिशत अनुदान और पूर्व की तरह 15 प्रतिशत टॉप अप अनुदान देने का भी फैसला लिया है। कृषि विभाग को 100 दिनों में इस योजना के प्रस्ताव को मंत्रीपरिषद से अनुमोदन दिलाकर इसका क्रियान्वयन शुरू कराने की तैयारी की जा रही है।

पंचायतों में नहीं होगी धन की कमी: योगी

जालौन। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पंचायतो को हाइटेक बनाने के लिये पैसे की कोई कमी नहीं होने दी जायेगी।
राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस की अवसर पर उरई तहसील के गांव ऐरी रमपुरा में रविवार को विभिन्न योजनाओं का लोकार्पण करने के बाद श्री योगी ने कहा कि पंचायती राज का सपना महात्मा गांधी का था जो आज राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के अवसर पर पूरा हो रहा है।
उन्होने कहा कि पंचायत में पैसे की कोई कमी नहीं होने दी जाएगी। अब ग्राम पंचायतें ही विकास का केंद्र होंगे। हर ग्राम पंचायत में सचिवालय बनवाए जाएंगे तथा वाईफाई सुविधा उपलब्ध

करवाई जाएगी। ऑप्टिकल फाइबर भी पहुंचाई जाएगी जिससे कि गांव के किसी व्यक्ति को आय प्रमाण पत्र जात प्रमाणपत्र निवास प्रमाण पत्र के अलावा अन्य सुविधाएं गांव में ही मिल जाएं।
मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत शौचालयों का निर्माण करवाया जाएगा। स्वास्थ्य सुविधाओं को भी ग्राम पंचायत सुलभ करवाने का काम किया जाएगा। ग्रामीण क्षेत्र के स्कूलों में उच्च शिक्षा के लिए भी अवसर प्रदान किए जाएंगे जिसके लिए नए विद्यालयों की मानक के हिसाब से स्थापना की जाएगी। ग्रामीण अंचलों में पानी का संकट ना हो, इसके लिए अमृत सरोवर योजना के तहत जल संचय के लिए अमृत सरोवर का निर्माण करवाया जाएगा। नारी सम्मान के लिए गांव गांव में मिशन शक्ति कार्यक्रम चलाए जाएंगे। संबोधन के उपरांत योगी आदित्यनाथ ग्राम सभा की खुली बैठक में भी शामिल हुए जहां पर ग्राम प्रधान ओंकार पाल ने बैठक का एजेंडा पढ़कर सुनाया। इस मौके पर जिला पंचायत अध्यक्ष घनश्याम अनुरागी एवं गांव में अच्छा काम करने वाले ग्राम प्रधान को भी सम्मानित किया।
कार्यक्रम के दौरान विधायक गौरी शंकर विधायक मूलचंद निरंजन विधान परिषद सदस्य रमा निरंजन समाजवादी पार्टी कालपी विधायक विनोद चतुर्वेदी पंचायती राज मंत्री भूपेंद्र चौधरी के अलावा अन्य अधिकारी मौजूद रहे।
इससे पहले मुख्यमंत्री ने विद्यालय का निरीक्षण कर अन्नप्राशन एवं गोद भराई का कार्यक्रम भी किया। उन्होने विद्यालय में एक बच्चे को अपने हाथ से खीर खिलाकर अन्नप्राशन की रस्म अदा की। बाद में गोद भराई का भी कार्यक्रम किया।

उप्र में अवैध रूप से चल रहे ऑटो, टैक्सी पर होगी कार्यवाही

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने विभिन्न शहरों में अवैध रूप से चलने वाले टैक्सी, बस, ऑटो संचालकों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिये विशेष अभियान शुरु किया है।
मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर गृह विभाग ने अवैध ऑटो, टैक्सी और बस स्टैंड के संचालन को रोकने के लिये 30 अप्रैल तक यह अभियान चलाने का निर्देश दिया है। साथ ही पुलिस आयुक्त एवं सभी जिलों के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) से अभियान के परिणाम की विस्तृत रिपोर्ट शासन को उपलब्ध कराने को भी कहा है। अपर मुख्य सचिव अवनीश कुमार अवस्थी की ओर से शनिवार को जारी इस आशय के आदेश में अवैध टैक्सी, ऑटो व बस स्टैंड के संचालन की रोकथाम के लिए एक सप्ताह का विशेष अभियान चलाने का निर्देश दिया गया है। अभियान के परिणामों की शासन द्वारा समीक्षा भी की जायेगी। इसके लिये सभी जिलों के एसएसपी और पुलिस आयुक्त से कहा गया है कि वे 30 अप्रैल तक इस अभियान के परिणाम की विस्तृत रिपोर्ट शासन को उपलब्ध करायें।
रिपोर्ट के साथ एसएसपी से एक प्रमाण पत्र भी मांगा गया है जिसमें यह प्रमाणित किया गया हो कि किसी जिले में कोई भी अवैध टैक्सी, ऑटो या बस स्टैंड संचालित नहीं हो रहा है।

मेरठ में प्रॉपर्टी विवाद में बीच सड़क पर भतीजे की चाकू से गोदकर हत्या

मेरठ। यूपी के मेरठ जिले में दिन दहाड़े प्रॉपर्टी विवाद में चाचा ने अपने ही भतीजे को बीच सड़क पर चाकुओं से गोद डाला। यह पूरी घटना ब्रह्मपुरी थाना क्षेत्र के इत्तेफाकनगर इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। घटना के दौरान सड़क पर राहगीर आ जा रहे थे, लेकिन किसी ने हमलावर को पकड़ने और पीड़ित को बचाने की जेहमत नहीं उठाई। हत्या के बाद हमलावर आराम से भाग निकले। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर मोर्चरी भिजवाया।
घंटे वाली गली फिरोजनगर में मोहम्मद यूनुस का परिवार रहता है। वह स्क्रैप कारोबारी है। परिवार में पत्नी के अलावा पांच बेटे व एक बेटी है। रविवार दोपहर यूनुस का एक बेटा साजिद (19) दुकान से नमाज पढ़ने के लिए निकला। लौटते वक्त स्कूटी सवार तीन लोगों ने पहले साजिद को टक्कर मारी और फिर सड़क पर गिराकर

चाकू से ताबड़तोड़ वार करते हुए मौत के घाट उतार दिया। हत्यारोपियों के जाने के बाद लोगों की भीड़ जमा हो गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को मोर्चरी भिजवा दिया।
हत्या की वारदात पास ही लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है, जिसमें तीन शख्स कैद हुए हैं। तीनों की पहचान साजिद के चाचा शहजाद, जावेद व नौशाद के रूप में हुई है जो फरार बताए जा रहे हैं। हत्या की वारदात के बाद पुलिस ने आरोपियों की तलाश में दबिश दी लेकिन वह फरार मिले। साजिद की मौत से परिवार में कोहराम मचा है। एसपी सिटी विनीत भटनागर ने बताया कि हत्या की वजह प्रॉपर्टी विवाद सामने आया है। कार्रवाई की जा रही है।

महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन भाजपा सरकारों की प्राथमिकता : सीएम योगी

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के शासनकाल में देश में महिलाओं की सुरक्षा,सम्मान व स्वावलम्बन के प्रभावी प्रयास का दावा करते हुये उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मौजूदा सरकार ने प्रदेश पुलिस बल में महिलाओं की बड़ी संख्या में भर्ती की कार्यवाही की है और पहले के मुकाबले प्रदेश पुलिस बल में अब महिलाओं की संख्या तीन गुनी हो गयी है।
'नारीत्व की भारतीय अवधारणा' पुस्तक के लोकार्पण के मौके पर श्री योगी ने शनिवार को कहा कि वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के देश की बागडोर सम्भालने के बाद महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान व स्वावलम्बन के प्रभावी प्रयास हुए हैं। प्रधानमंत्री ने बालिकाओं की सुरक्षा और सशक्तीकरण के लिए 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' योजना प्रारम्भ

की। राज्य सरकार ने वर्ष 2019 में 'मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना' संचालित की है। योजना के तहत बेटी के जन्म से लेकर स्नातक कक्षा में प्रवेश तक विभिन्न चरणों पर 15 हजार रुपये की राशि प्रदान की जाती है। वर्तमान में लगभग 12 लाख बालिकाएं इस योजना से लाभान्वित हो रही हैं।
उन्होने कहा कि 'मिशन शक्ति' अभियान के तहत महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलम्बन के लिए प्रभावी कार्यवाही की गयी है। प्रदेश सरकार इस मिशन को ग्राम पंचायत स्तर तक लेकर जा रही है।
वर्तमान राज्य सरकार ने प्रदेश पुलिस बल में महिलाओं की बड़ी संख्या में भर्ती की कार्यवाही की है। पहले के मुकाबले प्रदेश पुलिस बल में अब महिलाओं की संख्या तीन गुनी हो गयी है।
सभी 58 हजार ग्राम पंचायतों में महिला बीट पुलिस अधिकारी की व्यवस्था की गयी है। यह अधिकारी सप्ताह में एक दिन गांव में जाकर महिलाओं और बालिकाओं के प्रति घर या बाहर होने वाली किसी भी हिंसा से बचाने के लिए संवाद बनाएगी।
श्री योगी ने कहा कि सुरक्षित, सम्मानित और स्वावलम्बी नारी, भारतीय स्त्री दृष्टि को स्वत: ऊंचाई पर ले जाने में सफल होगी। सरकार द्वारा बैंकिंग कॉरेस्पॉण्डेंट सखी योजना संचालित की जा रही है। इसके अंतर्गत राज्य की सभी 58 हजार ग्राम पंचायतों में बीसी सखी बैंकिंग का कार्य कर रही हैं। 'मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना' के माध्यम से प्रदेश की 02 लाख बेटियों का विवाह सम्पन्न कराया गया है। 'पोषण मिशन' के पोषाहार का वितरण का कार्य भी महिला स्वयं सहायता समूहों को दिया गया है।
वर्ष 2019 में बुन्देलखण्ड में महिलाओं द्वारा गठित बलिनी मिल्क प्रोड्यूसर्स संघ का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि वर्तमान में संघ की सदस्यों की संख्या लगभग 06 हजार है। संघ का वार्षिक टर्नओवर 100 करोड़ रुपये से अधिक है। विगत वर्ष संघ का नेट प्रॉफिट 14 करोड़ रुपये था।

शार्ट न्यूज

सोना 749 और चांदी में 2911 रुपये की बड़ी साप्ताहिक गिरावट

मुंबई। अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेड रिजर्व के मई से ब्याज दरों में आधे प्रतिशत की बढ़ोतरी करने के संकेत से डॉलर में आई तेजी के दबाव में वैश्विक बाजार में कीमती धातुओं में बड़ी गिरावट आने से बीते सप्ताह घरेलू सर्राफा बाजार में सोना 749 रुपये प्रति दस ग्राम और चांदी 2911 रुपये प्रति किलोग्राम लुढ़क गया। समीक्षाधीन सप्ताह में वैश्विक बाजार में कीमती धातुओं में गिरावट का रुख रहा। सोना हाजिर 34.3 डॉलर प्रति औंस टूटकर सप्ताहांत पर 1943.06 डॉलर प्रति औंस पर आ गया। साथ ही अमेरिकी सोना वायदा भी 37.7 डॉलर प्रति औंस कमजोर होकर 1939.30 डॉलर प्रति औंस रह गया। इसी तरह सप्ताहांत पर चांदी हाजिर 1.39 डॉलर प्रति औंस उतरकर 24.30 डॉलर प्रति औंस रही। बीते सप्ताह विदेशी बाजार की गिरावट का असर देश के सबसे बड़े वायदा बाजार एमसीएक्स में भी रहा। सप्ताहांत पर सोना 749 रुपये का गोता लगाकर 52322 रुपये प्रति दस ग्राम पर आ गया। वहीं, सोना मिनी 568 रुपये की गिरावट लेकर 52317 रुपये प्रति दस ग्राम रही। इसी तरह समीक्षाधीन अवधि में स्थानीय स्तर पर चांदी 2911 रुपये सस्ती होकर 66480 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गई। साथ ही चांदी मिनी 2808 रुपये कमजोर होकर सप्ताहांत पर 66650 रुपये प्रति किलोग्राम रह गई।

विदेशी मुद्रा भंडार 31.1 करोड़ डॉलर गिरकर 603.7 अरब डॉलर पर

मुंबई। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 15 अप्रैल को समाप्त सप्ताह में लगातार पांचवें सप्ताह गिरता हुआ 31.1 करोड़ डॉलर कम होकर 603.7 अरब डॉलर डॉलर पर आ गया। इसके पिछले सप्ताह यह 2.47 अरब डॉलर घटकर 604 अरब डॉलर और 01 अप्रैल को समाप्त सप्ताह में यह रिकॉर्ड 11.17 अरब डॉलर कम होकर 606.48 अरब डॉलर पर रहा था। इसी तरह 25 मार्च को समाप्त सप्ताह में 2.03 अरब डॉलर गिरकर 617.65 अरब डॉलर पर रहा। रिजर्व बैंक की ओर से जारी साप्ताहिक आंकड़े के अनुसार, 15 अप्रैल को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़ा घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 87.7 करोड़ डॉलर घटकर 536.8 अरब डॉलर पर आ गया। हालांकि इस दौरान स्वर्ण भंडार में वृद्धि हुई और यह 62.6 करोड़ डॉलर बढ़कर 43.15 अरब डॉलर पर पहुंच गया। वहीं, आलोच्य सप्ताह विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 4.4 करोड़ डॉलर घटकर 18.7 अरब डॉलर पर आ गया। इसी तरह अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास आरक्षित निधि 1.6 करोड़ डॉलर की गिरावट के साथ पांच अरब डॉलर रह गई।

सर्राफा बाजार : सोना, चांदी में गिरावट

इंदौर। सप्ताहांत सोना तथा चांदी में नरमी दर्ज की गई। सप्ताहांत सोना 700 रुपये तथा चांदी 900 रुपये सस्ती बिकी। कारोबार की शुरुआत में सोना 54600 रुपये पर खुलने के बाद शनिवार के दिन 53900 रुपये प्रति दस ग्राम होकर थमा। चांदी में व्यापार की शुरुआत 70100 रुपये पर हुई वहीं शनिवार के दिन 68200 रुपये बिकी। कामकाज में सोना ऊंचे में 54700 नीचे में 53650 रुपये प्रति 10 ग्राम बिका। व्यापार में चांदी ऊपर में 70100 तथा नीचे 67800 रुपये प्रति किलोग्राम बिकी। विदेशी बाजार में सोना 1942 डॉलर तथा चांदी 2415 सेन्ट प्रति औंस बिकी।

इन्दौर खाद्य तेल : मूंगफली तेल, सोयाबीन रिफाइंड- पाम तेल में तेजी

इंदौर। सप्ताहांत खाद्य तेलों में खरीदी से भाव बढ़त लिए रहे। कारोबार में मूंगफली तेल, सोयाबीन रिफाइंड, पाम तेल ऊंचा रहा। तिलहनों में लिवाली रही इससे भाव मजबूत बताए गए। कपास्या खली में भाव कम हुए। कारोबार की शुरूआत में मूंगफली तेल 1630 से 1650 रुपये प्रति किलोग्राम खुला जो शनिवार को 1640 से 1660 रुपये प्रति क्विंटल के स्तर पर बंद हुआ। सोयाबीन रिफाइंड 1585 से 1590 रुपये पर खुलकर 1600 से 1625 रुपये बिका। पाम तेल 1605 से 1610 रुपये खुलकर 1635 से 1640 रुपये होकर पर बंद हुआ। तिलहन जिन्सों में भाव मजबूती लिए बताए गए। सप्ताहांत सरसो रायडा में मांग रही। खली में 75 रुपये की गिरावट दर्ज की गई।

इंदौर किराना बाजार : शक्कर महंगी, खोपरा गोला मजबूत, साबूदाना में मांग

इंदौर। सियागंज किराना बाजार में सप्ताहांत ग्राहकी ऊपर नीचे होती रही। शक्कर में तेजी दर्ज की गई। खोपरा गोला पूछपरख बढ़ने से महंगा बिका। नारियल मजबूत रहा। साबूदाना में मांग के चलते भाव ऊंचे बोले गए। स्थानीय किराना बाजार में सोमवार को शक्कर 3590 से 3630 रुपये प्रति क्विंटल खुलने के शनिवार को 3620 से 3660 रुपये बोली गई। शक्कर की दैनिक आवक 07 से 08 गाड़ी की रही। नारियल में डिमांड रही। खोपरा गोला महंगा बिका। सोमवार को खोपरा गोला 205 से 225 रुपये प्रति किलो के स्तर पर खुला था जो सप्ताहान्त इसी स्तर पर बना रहा। हल्दी 115 से 175 रुपये की रंगत लिए रही। खोपरा बूरा में लिवाली रही। इसमें कामकाज 2400 से 4400 रुपये प्रति 15 किलोग्राम पर चला। साबूदाना में उठाव बढा बताया गया। इससे सौदे 4500 से 5600 रुपये प्रति क्विंटल के स्तर पर चले।

रूस-यूक्रेन संकट के बीच गेंहू निर्यात की मांग बढ़ी, मध्यप्रदेश के किसानों को फायदा

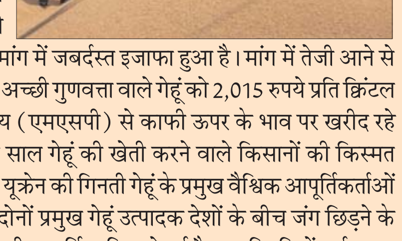

नई दिल्ली। यूक्रेन पर रूसी हमले के बाद दोनों पड़ोसी मुल्कों के बीच छिड़े युद्ध के चलते वैश्विक बाजार में मध्य प्रदेश की शरबती एवं कठिया (ड्यूरम) जैसी मशहूर गेहूं किस्मों की मांग में जबर्दस्त इजाफा हुआ है। मांग में तेजी आने से मध्य प्रदेश में कारोबारी अच्छी गुणवत्ता वाले गेहूं को 2,015 रुपये प्रति क्विंटल के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से काफी ऊपर के भाव पर खरीद रहे हैं। इसकी वजह से इस साल गेहूं की खेती करने वाले किसानों की किस्मत चमक गई है। रूस और यूक्रेन की गिनती गेहूं के प्रमुख वैश्विक आपूर्तिकर्ताओं में होती है। लेकिन इन दोनों प्रमुख गेहूं उत्पादक देशों के बीच जंग छिड़ने के कारण दोनों देशों से इसकी आपूर्ति बाधित हो गई है। इस स्थिति में कई मुल्क भारत समेत अन्य देशों से गेहूं खरीद रहे हैं। पश्चिमी देशों के लगाए प्रतिबंधों ने भी रूस के गेहूं निर्यात को घटा दिया है। धार जिले के लोहारी बुजुर्ग गांव के किसान बनेसिंह चौहान ने रविवार को %%पीटीआई-भाषा%% से कहा, %%इस बार अच्छी गुणवत्ता वाले गेहूं के लिए व्यापारी किसानों के घर भी पहुंच रहे हैं। वे 2,200 रुपये से लेकर 2,500 रुपये प्रति क्विंटल के भाव पर शरबती किस्म का गेहूं खरीद कर किसानों को तुरंत भुगतान भी कर रहे हैं। चौहान ने कहा कि उन्होंने किसानों से गेहूं खरीदने को लेकर व्यापारियों के बीच ऐसी होड़ पहले कभी नहीं देखी। मध्य प्रदेश राज्य कृषि विपणन बोर्ड के प्रबंध निदेशक विकास नरवाल ने कहा कि खुले बाजार में गेहूं की ऊंची कीमतों के कारण सूबे में इन दिनों गेहूं की सरकारी खरीद में 30 प्रतिशत की गिरावट देखी जा रही है। उन्होंने कहा, रूस-यूक्रेन संकट के कारण इस बार प्रदेश के गेहूं की निर्यात की मांग में जबर्दस्त उछाल है और मंडियों में इस खाद्यान्न की बम्पर आवक हो रही है। नरवाल ने बताया कि पिछले विपणन सत्र के दौरान राज्य से 1.76 लाख टन गेहूं निर्यात किया गया था, जबकि मौजूदा विपणन सत्र में पिछले एक महीने के भीतर ही करीब 2.5 लाख टन गेहूं निर्यात किया जा चुका है और अभी सत्र खत्म होने में करीब दो महीने बाकी हैं। उन्होंने बताया कि व्यापारी मध्यप्रदेश के किसानों से शरबती और ड्यूरम गेहूं खरीद कर मुख्यत: संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), बांग्लादेश, वियतनाम और फिलीपींस को निर्यात कर रहे हैं। नरवाल ने कहा, इस बार अफ्रीका और इस महाद्वीप से लगे मुल्कों के आयातक भी मध्य प्रदेश के गेहूं में दिलचस्पी दिखा रहे हैं। आने वाले दिनों में मध्य प्रदेश का गेहूं मिस्र, जिम्बाब्वे, मोजांबिक और तंजानिया तक भी पहुंच सकता है।

वैश्विक रुख और कंपनियों के तिमाही परिणाम तय करेंगे बाजार की चाल

मुंबई। अमेरिकी फेड रिजर्व के ब्याज दरों में आधे प्रतिशत की बढ़ोतरी करने के संकेत एवं ऊंचे भाव पर हुई बिकवाली के दबाव में बीते सप्ताह करीब दो प्रतिशत की गिरावट झेल चुके घरेलू शेयर बाजार की चाल अगले सप्ताह वैश्विक रुख एवं कंपनियों के तिमाही परिणाम तय करेंगे।

समीक्षाधीन सप्ताह में बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 1141.78 अंक यानी 1.96 प्रतिशत का गोता लगाकर सप्ताहांत पर 57197.15 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 303.7 अंक लुढ़ककर 17171.95 अंक पर आ गया।

इसी तरह बीएसई की बड़ी कंपनियों की तरह छोटी और मझौली कंपनियों पर भी बिकवाली हावी रही। मिडकैप 286.88 अंक टूटकर 24698.37 अंक और स्मॉलकैप 273.62 अंक फिसलकर 29247.98 अंक पर रहा।

विश्लेषकों के अनुसार, वैश्विक संकेत, वायदा सौदा निपटान और समाप्त वित्त वर्ष 2021-22 की चौथी तिमाही में कंपनियों के परिणाम बाजार की दिशा निर्धारित करने वाले महत्वपूर्ण कारक होंगे। कमजोर वैश्विक संकेतों, सूचना प्रौद्योगिकी कंपनियों के निराशाजनक तिमाही परिणाम की वजह से बीते सप्ताह इक्विटी बाजार में लगातार दूसरे सप्ताह गिरावट रही। अगले सप्ताह बाजार पर अप्रैल का वायदा सौदा निपटान और कंपनियों की चौथी तिमाही की आय के साथ वैश्विक संकेत हावी हो सकते हैं।

बाजार पर सोमवार को आईसीआईसीआई बैंक के परिणाम का असर देखा जा सकेगा। वहीं, अगले सप्ताह बजाज फाइनेंस, एचडीएफसी लाइफ, बजाज ऑटो, एचयूएल, अंबुजा सीमेंट, एक्सिस बैंक, बजाज फिनसर्व, वेदांत, इंडसइंड बैंक, मारुति सुजुकी, अल्ट्राटेक सीमेंट और विप्रो जैसी दिग्गज कंपनियों के परिणाम जारी होने वाले हैं, जिसका असर बाजार पर रहेगा।

उनका कहना है कि विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) घरेलू शेयर बाजार में लगातार बिकवाली कर रहे हैं और अमेरिका में ब्याज दरों में आक्रामक बढ़ोतरी की चिंताओं के बीच उनका व्यवहार महत्वपूर्ण होगा।

रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर अभी भी अनिश्चितता बनी हुई है जबकि कच्चे तेल की कीमतों पर भी बाजार की नजर रहेगी।

रूस-यूक्रेन संकट के और गहराने एवं अमेरिकी फेड रिजर्व के ब्याज दरों में तेज वृद्धि करने के रुख से एशियाई बाजार के कमजोर रुख से निराश निवेशकों की आईटी, टेक, वित्त, दूरसंचार, बैंकिंग और रियल्टी समेत चौदह समूहों में बिकवाली से शेयर बाजार में सोमवार को हाहाकार मच गया। सेंसेक्स 1172.19 अंक लुढ़ककर करीब एक माह के निचले स्तर और 58 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर से नीचे 57,166.74 अंक और निफ्टी 302.00 अंक का गोता लगाकर 17,173.65 अंक पर रहा।

रूस और यूक्रेन के बीच जारी जंग के तत्काल बंद होने की कोई उम्मीद नहीं दिखने और इसके कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था और कमोडिटी के प्रभावित होने के अनुमानों की वजह से मंगलवार को शेयर बाजारों में बिकवाली जारी रही जिससे सेंसेक्स 703.59 अंक टूटकर 57 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर से नीचे 56463.15 अंक और निफ्टी 215 अंक फिसलकर 16958.65 अंक पर रहा।

वहीं, वैश्विक बाजार के मिलेजुले रुझान के बीच स्थानीय स्तर पर ऑटो, ऊर्जा और तेल एवं गैस समेत तेरह समूहों में हुई लिवाली से बुधवार को शेयर बाजार तेजी लौटी। सेंसेक्स 574.35 अंक की तेजी लेकर 57 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर के पार 57,037.50 अंक और निफ्टी 177.90 अंक मजबूत होकर 17,136.55 अंक पर पहुंच गया। इसी तरह विदेशी बाजारों के मिलेजुले संकेत के बीच घरेलू शेयर बाजार में नीचे भाव पर हुई चौतरफा लिवाली से गुरुवार को सेंसेक्स 874.18 अंक की छलांग लगाकर 57911.68 अंक और निफ्टी 257.80 अंक उछलकर 17394.35 अंक पर पहुंच गया।

अमेरिकी केंद्रीय बैंक के ब्याज दरों में आधे प्रतिशत की बढ़ोतरी करने के संकेत से वैश्विक बाजार में आई गिरावट के दबाव में स्थानीय स्तर पर हुई चौतरफा बिकवाली से घरेलू शेयर बाजार ने शुक्रवार को पिछले लगातार दो दिन की तेजी गंवा दी। सेंसेक्स 714.53 अंक का गोता लगाकर 57197.15 अंक और निफ्टी 220.65 अंक टूटकर 17171.95 अंक पर आ गया।

बीते सप्ताह उबलते रहे खाद्य तेल

नयी दिल्ली। विदेशी बाजारों की तेजी और स्थानीय स्तर पर उठाव मजबूत रहने से बीते सप्ताह खाद्य तेलों में उबाल रहा वहीं दाल-दलहन में मिलाजुला रुख जबकि अनाज के भाव चढ़ गए।

तेल तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का मई वायदा समीक्षाधीन सप्ताह के दौरान 176 रिंगिट जबरदस्त तेजी लेकर 6869 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया। साथ ही मई का अमेरिकी सोया तेल वायदा भी सप्ताहांत पर 7.86 सेंट की उबाल के साथ 82.34 सेंट प्रति पाउंड पर रहा।

बीते सप्ताह वनस्पति तेल 589 रुपये, पाम ऑयल 585 रुपये, सोया रिफाइंड 367 रुपये, सूरजमुखी तेल 294 रुपये, सरसों तेल 293 रुपये और मूंगफली तेल 293 रुपये प्रति क्विंटल उबल गया।

सप्ताहांत पर सरसों तेल 19047 रुपये प्रति क्विंटल, मूंगफली तेल 19413 रुपये प्रति क्विंटल, सूरजमुखी तेल 19341 रुपये प्रति क्विंटल, सोया रिफाइंड 17802 रुपये प्रति क्विंटल, पाम ऑयल 16336 रुपये प्रति क्विंटल और वनस्पति तेल 17435 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा।

दाल-दलहन : बीते सप्ताह दाल-दलहन के बाजार में मिलाजुला रुख रहा। सप्ताहांत पर मूंग दाल 100 रुपये, चना 50 रुपये और चना दाल 50 रुपये प्रति क्विंटल सस्ती हो गई। वहीं, मसूर दाल, उड़द दाल और अरहर दाल के भाव पिछले स्तर पर पड़े रहे।

सप्ताहांत पर चना 4700-4800, दाल चना 5700-5800, मसूर काली 8500-8600, मूंग दाल 9000-9100, उड़द दाल 9800-9900, अरहर दाल 8100-8200 रुपये प्रति क्विंटल रही।

अनाज : बीते सप्ताह अनाज के बाजार में तेजी रही। सप्ताहांत पर गेहूं 50 रुपये और चावल 50 रुपये प्रति क्विंटल चढ़ गया।

सप्ताहांत पर अनाज (भाव प्रति क्विंटल) : गेहूं दड़ा 2250-2350 रुपये और चावल : 2550-2650 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा।

चीनी-गुड़ : आलोच्य सप्ताह मीठे के बाजार में टिकाव रहा। सप्ताहांत पर चीनी और गुड़ के दाम में कोई बदलाव नहीं हुआ और वे पुराने स्तर पर टिके रहे।

सप्ताहांत पर चीनी एस. 3360-3460, चीनी एम. 3700-3800, मिल डिलीवरी 3310-3410 और गुड़ 3200-3300 रुपये प्रति क्विंटल पर रहे।

एमसीएक्स में शुरू होगा सोना मिनी का विकल्प वायदा कारोबार

मुंबई। चांदी मिनी के वायदा कारोबार में कारोबारियों की बढ़ती रूचि को ध्यान में रखते हुए देश के सबसे बड़े वायदा कारोबार बाजार एमसीएक्स ने सोमवार से सोना मिनी का विकल्प कॉन्ट्रैक्ट कारोबार लॉन्च करने की आज घोषणा की।

एमसीएक्स ने रविवार को बताया कि कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस के अलावा चांदी मिनी के वायदा कारोबार में व्यापारियों की विशेष रुचि को ध्यान में रखते हुए एक्सचेंज 25 अप्रैल 2022 से सोना मिनी का विकल्प कॉन्ट्रैक्ट कारोबार शुरू करेगा।

यदि कारोबारियों की स्थिति विकल्प कॉन्ट्रैक्ट की समाप्ति तिथि पर लाभदायक है तो इसे वायदा में रूपांतरित किया जा सकेगा। इसमें कोई फिज़ीकल डिलिवरी की लेनदेन शामिल नहीं है। वायदा कारोबारियों के लिए यह एक बड़ा कारण होगा क्योंकि उन्हें विकल्प की स्थिति को हेज करने के लिए वायदा की मदद मिलेगी या दूसरे शब्दों में हेजर्स वायदा और विकल्प के बीच पारस्परिक स्थिति को ऑफसेट करने में सक्षम होंगे।

एमसीएक्स सोना मिनी वायदा कॉन्ट्रैक्ट कई वर्षों से चल रहा है और इसमें बहुत अधिक तरलता है। इसका मुख्य कारण इसकी लॉट साइज़ (जो कि केवल 100 ग्राम की है) हो सकता है। सोना मिनी विकल्प की लॉट का आकार भी 100 ग्राम रखा गया है यानी सोना मिनी विकल्प के लॉट का आकार फ्यूचर्स के लॉट आकार जितना ही छोटा है। नतीजतन, छोटे जौहरी या खुदरा निवेशक के साथ-साथ इंट्रा-डे व्यापारी और डेल्टा हेजर्स आसानी से इसका उपयोग कर सकते हैं।

एक्सचेंज ने बताया कि ऑप्शन के माध्यम से ट्रेडिंग करने का सबसे बड़ा फायदा यह है कि इसमें ट्रेड करने में बहुत ही कम लागत आती है। इसका सबसे बड़ा कारण यह है कि सीटीटी केवल प्रीमियम के टर्नओवर पर ही लगती है, जिसका मूल्य बहुत ही कम होता है। इस प्रकार, वायदा की तुलना में ऑप्शन में लागत कम होने के कारण कई ट्रेडर्स ऑप्शंस में ट्रेडिंग करना अधिक पसंद करते हैं।

अठारहवें दिन भी स्थिर रहे पेट्रोल-डीजल के दाम

नयी दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कमीतों में करीब दो प्रतिशत की जारी गिरावट की बदौलत घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल की कीमतों आज अठारहवें दिन भी कोई बदलाव नहीं हुआ।

रूस-यूक्रेन संघर्ष को लेकर अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में जारी उतार-चढ़ाव के बीच रविवार को सिंगापुर में अमेरिकी क्रूड 1.97 प्रतिशत गिरकर 101.75 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह लंदन ब्रेंट क्रूड भी 106.65 डॉलर प्रति बैरल पर सपाट रहा।

सार्वजनिक क्षेत्र की देश की सबसे बड़ी तले विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) के अनुसार, दाम में टिकाव की वजह से आज दिल्ली में पेट्रोल 105.41 रुपये प्रति लीटर और डीजल 96.67 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। देश में पेट्रोल-डीजल की कीमतें 137 दिन की स्थिरता के बाद गत 22 मार्च से बढ़नी शुरू हुई थीं। कंपनियों ने पिछले 30 दिन में 14 बार पेट्रोल और डीजल के दामों में वृद्धि की। इस दौरान इनके भाव में करीब 10 रुपये प्रति लीटर की तेजी आयी है। पेट्रोल-डीजल के मूल्यों की नित्य प्रतिदिन समीक्षा होती है और उसके आधार पर प्रतिदिन सुबह छह बजे से नयी कीमतें लागू की जाती हैं।

''महंगी'' लग्जरी कारों की मांग में उछाल

नई दिल्ली। भारत में मर्सिडीज बेंज, ऑडी और बीएमडब्ल्यू जैसी लग्जरी कार कंपनियों के महंगे मॉडलों की मांग बढ़ रही है। इसके चलते आपूर्ति दिक्कतों की वजह से ऐसे मॉडलों के लिए इंतजार की अवधि (वेटिंग पीरियड) बढ़ गई है। इन कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों ने यह जानकारी दी। ऑडी इंडिया के प्रमुख बलबीर सिंह ढिल्लों ने कहा, पिछले कुछ माह या मैं कहूंगा कि पिछले साल से सी और डी खंड यानी 70 से 75 लाख रुपये की गाड़ियों की मांग बढ़ी है। इसमें वृद्धि मात्रा वाले खंड से अधिक रही है। उन्होंने कहा कि जो लोग ऐसी कारें खरीदने में सक्षम हैं मसलन उद्योगपति, खिलाड़ी और बॉलीवुड की हस्तियां, वे आगे आ रहे हैं और लग्जरी उत्पाद खरीद रहे हैं।

आनंद महिंद्रा ने एलन मस्क को किया स्पेशल मैसेज

नई दिल्ली। आनंद महिंद्रा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहते हैं। वे आए दिन कभी प्रेरक तो कभी मजाकिया पोस्ट करते रहते हैं। इस बार उन्होंने टेस्ला के सीईओ एलन मस्क के नाम एक स्पेशल ट्वीट किया है। आनंद महिंद्रा ने अपने में ट्वीट को एलन मस्क को टैग करते हुए कैप्शन दिया है- बैक टू द फ्यूचर । रविवार की सुबह महिंद्रा के मालिक ने एक तस्वीर साझा की, जिसमें दो थके हुए कार्यकर्ता एक बैलगाड़ी में खेत से घर लौट रहे हैं। इसका कैप्शन है- ओरिजिनल टेस्ला। इसमें लिखा है- कोई Google मैप की आवश्यकता नहीं है, न ही कोई फ्यूल की जरूरत है। कोई प्रदूषण नहीं, एफएसडी मोड (पूरी तरह से स्व-चालित)। कार्यस्थल पर घर सेट करें, आराम करें, झपकी लें और अपने डेस्टिनेशन तक पहुंचें। उन्होंने पोस्ट में Elon Musk को भी टैग किया। यह ट्वीट तेजी से वायरल हो रहा है। लगभग एक घंटे में इस पोस्ट को 3.28 से अधिक लाइक और 664 से अधिक कमेंट्स मिल चुके हैं। दुनिया के सबसे रईस अरबपति एलन मस्क ट्विटर में हिस्सेदारी खरीदने पर बातचीत करने की कोशिश कर रहे हैं। इसके लिए 46.5 अरब डॉलर का फाइनेंस तैयार है। मस्क ने हाल ही में अमेरिका के बाजार नियामक के समक्ष दाखिल दस्तावेजों में कहा कि वह ट्विटर के सभी शेयरों को 54.20 डॉलर के हिसाब से नकद के रूप में खरीदने के लिए एक निविदा प्रस्ताव की संभावना तलाश रहे हैं। ट्विटर की हाल में नौ प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने वाले मस्क इस प्रस्ताव को निदेशक मंडल के बजाय सीधा शेयरधारकों को सौपेंगे।

एफपीआई ने अप्रैल में अबतक शेयर बाजारों से 12,286 करोड़ रुपये निकाले

एजेंसी

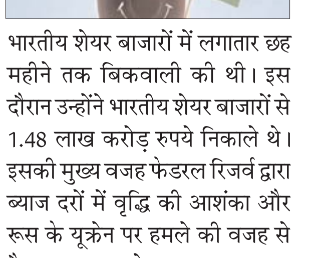

नई दिल्ली। अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में आक्रामक तरीके से बढ़ोतरी की आशंका के बीच विदेशी निवेशकों ने इस महीने अबतक भारतीय बाजारों से 12,300 करोड़ रुपये निकाले हैं। विश्लेषकों का कहना है कि अमेरिकी केंद्रीय बैंक द्वारा ब्याज दरों में वृद्धि की संभावना, रूस-यूक्रेन युद्ध, कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव, घरेलू मोर्चे पर ऊंची मुद्रास्फीति की वजह से भारतीय शेयर बाजारों में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) का निवेश प्रवाह दबाव में रहेगा।

एफपीआई ने मार्च, 2022 तक भारतीय शेयर बाजारों में लगातार छह महीने तक बिकवाली की थी। इस दौरान उन्होंने भारतीय शेयर बाजारों से 1.48 लाख करोड़ रुपये निकाले थे। इसकी मुख्य वजह फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में वृद्धि की आशंका और रूस के यूक्रेन पर हमले की वजह से पैदा हुए हालात थे। लगाताह छह माह तक बिकवाली के बाद एफपीआई ने अप्रैल के पहले सप्ताह में शेयरों में 7,707 करोड़ रुपये डाले थे। इसके बाद 11 से 13 अप्रैल के कम कारोबारी सत्रों वाले सप्ताह के दौरान उन्होंने शेयरों से 4,500 करोड़ रुपये की निकासी की। उसके बाद के सप्ताह में भी एफपीआई की बिकवाली जारी रही।

डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, एक से 22 अप्रैल के दौरान विदेशी निवेशकों ने भारतीय बाजारों से शुद्ध रूप से 12,286 करोड़ रुपये की निकासी की है। समीक्षाधीन अवधि में एफपीआई ने शेयरों के अलावा ऋण या बांड बाजार से भी 1,282 करोड़ रुपये की निकासी की है। मॉर्निंगस्टार इंडिया के एसोसिएट निदेशक-प्रबंधक शोध हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा, अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में बढ़ोतरी की आशंका से निवेशकों की धारणा को प्रभावित हो रही है। ऐसे में निवेशक उभरते बाजारों में अपने निवेश को लेकर एक बार फिर सतर्क रुख अपना रहे हैं। कोटक सिक्योरिटीज के इक्विटी शोध (खुदरा) प्रमुख श्रीकांत चौहान ने कहा कि कच्चे तेल की कीमतों में तेजी, ऊंची मुद्रास्फीति, सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर में कमी जैसे कारणों से निकट भविष्य में एफपीआई के प्रवाह में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। भारत के अलावा एफपीआई ने अप्रैल में अन्य उभरते बाजारों मसलन ताइवान, दक्षिण कोरिया और फिलिपीन से भी निकासी की है।

143 जरूरी चीजों के बढ़ सकते हैं दाम, जीएसटी काउंसिल ने राज्यों से मांगे विचार

एजेंसी

नई दिल्ली। अगले महीने माल और सेवा कर यानी जीएसटी काउंसिल की बैठक होने जा रही है। यह बैठक हर मामले में बेहद खास माना जा रहा है। अलग-अलग मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सरकार जीएसटी की दरों में बदलाव कर सकती है। इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट के अनुसार, जीएसटी काउंसिल ने करीब 143 वस्तुओं पर दरों में बढ़ोतरी के लिए राज्यों के विचार मांगे हैं। इससे सरकार को रेवेन्यू जेनरेट करने में मदद मिलेगी और अन्य राज्यों को मुआवजे के लिए केंद्र पर निर्भर नहीं पड़ेगा।

वर्तमान में ये वस्तुएं 18 प्रतिशत टैक्स स्लैब में हैं

रिपोर्ट के मुताबिक, जिन 143 चीजों पर जीएसटी की दरें बढ़ाई जाने की बात चल रही है, उनमें से अधिकांश वर्तमान में 18 प्रतिशत टैक्स स्लैब में आते हैं। इन 143 वस्तुओं में से 92 प्रतिशत को 18 प्रतिशत टैक्स स्लैब से बढ़ाकर 28 प्रतिशत के टैक्स स्लैब में ट्रांसफर करने का प्रस्ताव है।

इन वस्तुओं के बढ़ सकते हैं दाम

सूत्रों के मुताबिक, जिन वस्तुओं की जीएसटी दरें बढ़ाई जा सकती हैं उनमें पापड़, गुड़, पावर बैंक, घड़ियां, सूटकेस, हैंडबैग, परफ्यूम, कलर टीवी सेट (32 इंच से कम), चॉकलेट, च्युइंगम, अखरोट, कस्टर्ड पाउडर, नॉन एल्कोहोलिक बेवरेज, सिरेमिक सिंक वॉश बेसिन, काले चश्मे, चश्मे के लिए फ्रेम और चमड़े के अपैरल और कपड़ों के सामान शामिल हैं।

पापड़ और गुड़ (गुड़) जैसी वस्तुओं पर जीएसटी दरें शून्य से बढ़ाकर 5 प्रतिशत किया जा सकता है। चमड़े के अपैरल और सहायक उपकरण, कलाई घड़ी, रेज़र, परफ्यूम, प्री-शेव/आफ्टर-शेव की तैयारी, डेंटल फ्लॉस, चॉकलेट, वफ़ल, कोको पाउडर, कॉफी के अर्क और कॉन्सट्रेंट, नॉन एल्कोहोलिक बेवरेज, हैंडबैग/शॉपिंग बैग, सिरेमिक सिंक, वॉश बेसिन, प्लाईवुड, दरवाजे,

खिड़कियां, बिजली के उपकरण (स्विच, सॉकेट आदि) की निर्माण वस्तुओं पर जीएसटी की दर 18 फीसदी से बढ़कर 28 फीसदी हो सकती है।

हालांकि, पीटीआई की एक रिपोर्ट के अनुसार, जीएसटी परिषद ने टैक्स दरों में बढ़ोतरी पर राज्यों से विचार नहीं मांगा है। सूत्रों ने कहा कि आधे से अधिक वस्तुओं को 28 प्रतिशत के हाई जीएसटी स्लैब में ट्रांसफर करने का भी कोई प्रस्ताव नहीं है। पीटीआई की रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि जीएसटी रेट को युक्तिसंगत बनाने पर विचार कर रहे मंत्रियों के पैनल को अभी अपनी रिपोर्ट जीएसटी परिषद को सौंपनी है। साथ ही 5 पर्सेंट के टैक्स स्लैब को बढ़ाकर 8 पर्सेंट किया जा सकता है। साथ ही ऐसी वस्तुएं जिनपर अभी छूट दी जा रही है उस पर 3त्न जीएसटी लग सकता है। जीएसटी परिषद की बैठक की अभी तक कोई तारीख घोषित नहीं की गई है, लेकिन यह मई के दूसरे सप्ताह में मीटिंग होने की संभावना है।

पहले भी किए गए हैं बदलाव

गौरतलब है कि जीएसटी काउंसिल, इनडायरेक्ट टैक्स व्यवस्था के लिए नवंबर 2017 और दिसंबर 2018 में कई वस्तुओं पर दरों में कटौती के संबंध में निर्णय लिए थे। गुवाहाटी में हुई नवंबर 2017 की बैठक में परफ्यूम, चमड़े के अपैरल और सहायक उपकरण, चॉकलेट, कोको पाउडर, ब्यूटी या मेकअप के सामान, आतिशबाजी, प्लास्टिक के फर्श कवरिंग, लैंप, ध्वनि रिकॉर्डिंग उपकरण और बख्तरबंद टैंक जैसी वस्तुओं की दरें कम कर दी गई थी और अब फिर से बढ़ोतरी का प्रस्ताव है।

इसी तरह, दिसंबर 2018 की बैठक में रंगीन टीवी सेट और मॉनिटर (32 इंच से नीचे), डिजिटल और वीडियो कैमरा रिकॉर्डर, पावर बैंक जैसी वस्तुओं के लिए जीएसटी दरों को कम किया गया था और अब इसे बढ़ाने का प्रस्ताव है।

वर्तमान में जीएसटी की चार स्तरीय संरचना

बता दें कि वर्तमान में जीएसटी एक चार स्तरीय संरचना है, जिस पर क्रमश: 5 प्रतिशत , 12 प्रतिशत , 18 प्रतिशत और 28 प्रतिशत की दर से टैक्स लगता है।

आवश्यक वस्तुओं को या तो सबसे कम स्लैब में छूट या टैक्स लगाया जाता है, जबकि विलासिता और अवगुण वस्तुओं पर हाई टैक्स स्लैब लागू होता है। लग्जरी और सिन गुड्स पर सबसे अधिक 28 फीसदी स्लैब के ऊपर सेस लगता है। इसपर टैक्स कलेक्शन उपयोग जीएसटी रोलआउट होने के बाद राज्यों को राजस्व नुकसान की भरपाई के लिए किया जाता है। इसके अलावा, सोने और सोने के आभूषणों पर 3त्न टैक्स लगता है। वहीं, अभी बिना ब्रांड वाले और बिना पैकेज वाले खाद्य पदार्थ और डेयरी वस्तुएं जीएसटी के दायरे से बाहर हैं।

शार्ट न्यूज

पीसीए के चुनाव शीघ्र करवाने की घोषणा

जालंधर। पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष राजिंदर गुप्ता द्वारा अपने पद से त्यागपत्र देने के पश्चात पी सी ए अपैक्स कौंसिल की अध्यक्षता करते हुए राकेश राठौर ने पीसीए के चुनाव शीघ्र करवाने की घोषणा की। पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन के कार्यकारी अध्यक्ष राकेश राठौर ने रविवार को कहा कि एक नई तीन सदस्यीय कमेटी बनाई गई है। जिसमे राकेश वालिया, कार्तिकेय मेहता व वरिन्द्र बिलिंग को शामिल किया गया है। यह कमेटी आगामी चुनाव होने तक पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन के लिए काम करेगी। उन्होंने उम्मीद जताई कि नई पी सी ए कमेटी द्वारा आगामी सत्र के दौरान सभी सदस्यों की प्रतिभा का सदुपयोग किया जाएगा। आपसी सौहार्द को कायम रखते हुए सभी जिला एसोसिएशन क्रिकेट उत्थान कार्यों में अपना सक्रिय सहयोग देंगी। राठौर ने कहा कि पंजाब में क्रिकेट की बेहतरी में अड़चन बन रहे विभिन्न अदालतों में चल रहे केसों को वापस लिया जाएगा । भ्रष्टाचार के मामलों की जांच के लिए विशेष कदम उठाए जाएंगे । ताकि क्रिकेट के नाम पर की जा रही धोखाधड़ी पर अंकुश लगाया जा सके।

राष्ट्रीय सब जूनियर महिला हॉकी में सुखवीर कौर करेंगी पंजाब की कप्तानी

जालंधर। सुखवीर कौर 11 मई से इंफाल (मणिपुर) में शुरू होने वाली 12वीं हाकी इंडिया राष्ट्रीय सब जूनियर महिला हॉकी चैंपियनशिप में भाग लेने वाली पंजाब महिला हाकी टीम की कप्तानी करेंगी। भारत के प्रमुख हॉकी संगठन हॉकी इंडिया द्वारा हॉकी पंजाब के निलंबन के बाद नियुक्त हॉकी पंजाब की एडहॉक कमेटी के सदस्य ओलंपियन बलविंदर सिंह शम्मी ने रविवार को बताया कि 11 से 22 मई तक इंफाल (मणिपुर) में आयोजित होने वाली 12वीं हाकी इंडिया राष्ट्रीय सब जूनियर महिला हॉकी चैंपियनशिप में भाग लेने वाली पंजाब महिला हॉकी टीम का नेतृत्व सुखवीर कौर करेंगी जब कि सुरजीत हाकी सोसाइटी द्वारा संचालित हाकी एकेडमी की खिलाडी हरजोत कौर पंजाब टीम की उप कप्तान होगी। शम्मी के अनुसार पंजाब हॉकी टीम में अन्य खिलाड़ियों में ताशिबा, सुखप्रीत कपूर, जसलीन कौर, पवनदीप कौर, जेसिकादीप कपूर, अमनप्रीत कौर, किरणप्रीत कौर, लखवीर कौर, हरजोत कौर (उपकप्तान) सुखप्रीत कौर, लखविंदर कौर, सुखविंदर कौर, सानिया को शामिल किया गया है जबकि गुरजीत कौर, मनदीप कौर, हरलीन कौर और सुखमीत कम्बोज को स्टैंड बाई प्लेयर्स के रूप में चुना गया है।

तीरंदाजी वर्ल्ड कप : भारतीय रिकर्व मिक्सड टीम ने जीता गोल्ड

अंताल्या। रिद्धि और तरुणदीप राय की रिकर्व मिक्सड टीम ने रविवार को यहां तीरंदाजी विश्व कप के पहले चरण में दो स्वर्ण पदक जीतकर अपने अभियान को समाप्त किया। भारत ने स्वर्ण पदक के इस करीबी मुकाबले में चौथे सेट के अंत में स्कोर 4-4 से बराबरी करने के बाद 18-17 शूट-ऑफ (निशाने में) में ब्रिटेन को हराया। रिद्दि और रॉय ने पहली बार एकसाथ किसी मुकाबले में भाग लिया। जीत के बाद राय ने कहा, यह पहली बार है कि हम दोनों एक साथ खेला है, वह सिर्फ 17 साल की है और उसका भविष्य उज्ज्वल है। रिद्दि के साथ अनुभव काफी अच्छा रहा और हर बार निशाने लगाते हुए मैनें इच्छा जतायी की भारतीय टीम स्वर्ण पदक जीते। विश्व कप का खिताब जीतना एक बड़ी उपलब्धि है और यह अनुभव एशियन खेलों में पदक जीतने में हमारी मदद करेगा। रिद्दि ने कहा, यह पहली बार नहीं है जब मैं कोई फाइन खेल रही हूं, मैं अपना पहला विश्व कप खेल रही हूं। मैं यहां फाइनल खेलने के लिए उत्साहित थी और किसी सीनियर टूर्नामेंट में यह मेरा अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था भारत जोड़ी की शुरूआत खराब रही । टीम ने दूसरे दौर में यूक्रेन के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत की और 6-2 से जीत दर्ज की। भारत का यह प्रदर्शन क्वाटरफाइनल में पोलैंड को 5-1 से हराकर और सेमीफाइनल में स्पेन को 5-3 से हराकर बरकरार रहा। इससे पहले शनिवार को अभिषेक वर्मा, अमन सैनी और रजत चौहान की पुरुष कंपाउंड टीम ने रोमांचक मुकाबले में फ्रांस को 232-230 से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया था। अभिषेक और मुस्कान किरार की मिकस्ड टीम क्रोएशिया से 156-157 से हारकर कांस्य पदक अपने नाम करने से चूक गयी थी।

पांच टी20 मैचों के लिए भारत का दौरा करेगा दक्षिण अफ़्रीका

नयी दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने शुक्रवार को घोषणा की कि दक्षिण अफ़्रीका के विरुद्ध पांच टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैचों की सीरीज़ की शुरुआत दिल्ली में होगी। बाक़ी चार मैच कटक, विशाखापटनम, राजकोट और बेंगलुरु में खेले जेंगे। 19 जून को अंतिम मैच के साथ इस सीरीज़ की समाप्ति होगी। 29 मई को खेले जाने वाले आईपीएल 2022 के फ़ाइनल मुक़ाबले के 10 दिन बाद इस सीरीज़ का आग़ाज़ होगा। यह पांच मैच नवंबर में ऑस्ट्रेलिया में खेले जाने वाले पुरुष टी20 विश्व कप के दृष्टिकोण से काफ़ी महत्वपूर्ण होंगे। दक्षिण अफ़्रीका ने मार्च 2020 में तीन वनडे मैचों की सीरीज़ के लिए भारत का दौरा किया था। हालांकि बारिश के कारण पहले मैच के रद्द होने के बाद, कोरोना महामारी के चलते इस सीरीज़ को स्थगित कर दिया गया था। इन दोनों टीमों ने आख़िरी बार सितंबर 2019 में टी20 अंतर्राष्ट्रीय सीरीज़ खेली थी। पिछले साल भारत ने तीन टेस्ट और तीन वनडे मैचों के लिए दक्षिण अफ़्रीका का दौरा किया था। सेंचुरियन में पहला टेस्ट मैच जीतने के बावजूद भारत को दोनों सीरीज़ में हार का सामना करना पड़ा था। चोटिल दीपक चाहर के अलावा भारतीय टी20 अंतर्राष्ट्रीय टीम के सभी सदस्य आईपीएल में हिस्सा ले रहे हैं। साथ ही क्विंटन डिकॉक, एडन मारक्रम, डेविड मिलर, ड्वेन प्रिटोरियस, कैगिसो रबादा , रैसी वान डेर डुसेन, लुंगी एनगिडी, एनरिक नोर्त्जे के रूप में कई दक्षिण अफ़्रीकी सुपरस्टार भी आईपीएल खेल रहे हैं।

कोलकाता और अहमदाबाद में खेले जाएंगे आईपीएल के प्लेऑफ़ मुक़ाबले

मुम्बई। अहमदाबाद और कोलकाता में खेले जाने वाले आईपीएल के प्लेऑफ़ मुक़ाबले दर्शकों की पूरी क्षमता के साथ खेले जाएंगे। कोलकाता के ईडन गार्डन का मैदान 24 और 25 मई को क्वालिफ़ायर एक और एलिमिनेटर की मेज़बानी करेगा। एक दिन के ब्रेक के बाद अहमदाबाद का नरेंद्र मोदी स्टेडियम 27 मई को क्वालिफ़ायर दो की मेज़बानी करेगा। साथ ही फ़ाइनल मुक़ाबला भी 29 मई को इसी स्टेडियम में खेला जाएगा। दो वर्षों में ऐसा पहली बार होगा जब आईपीएल का कोई मुक़ाबला दर्शकों की पूरी क्षमता के बीच खेला जाएगा। पिछले दो सीज़न कोरोना की वज़ह से या तो खाली मैदान में खेले गए या मैदान में दर्शकों को सीमित संख्या में ही आने की अनुमति दी गई। आईपीएल 2022 में पहले मैदान में 25 फ़ीसदी दर्शकों के आने की अनुमति दी गई। हालांकि भारत में कोरोना की सामान्य स्थिति को देखते हुए मैदान में 50 फ़ीसदी दर्शकों की मौजूदगी की रज़ामंदी दे दी गई। इस सीज़न में महाराष्ट्र के चार मैदानों में ही सभी मुक़ाबले खेले जा रहे हैं। मुंबई में वानखेड़े और ब्रेबोर्न स्टेडियम, नवी मुंबई में स्थित डीवाई पाटिल स्टेडियम और पुणे का एमसीए स्टेडियम लीग मैचों की मेज़बानी कर रहे हैं। अहमदाबाद और कोलकाता दोनों ही स्टेडियम में भारत और वेस्टइंडीज़ की श्रृंखला खेली गई थी। हालांकि अहमदाबाद में खेले गए वनडे सीरीज़ के मुक़ाबलों में दर्शकों को आने की अनुमति नहीं थी।

अगर बेन स्टोक्स कप्तान नहीं बनना चाहते तो इंग्लैंड क्रिकेट के लिए बड़ी मुसीबत है : चैपल

एजेंसी

लंदन। जो रूट जब यॉर्कशायर की कप्तानी करते थे तब समर्थकों ने उनकी कप्तानी की आधार पर उन्हें एक अपमानजनक उपनाम दिया था। शायद इंग्लैंड के क्रिकेट अधिकारियों को समझ जाना चाहिए था कि इंग्लैंड के कप्तानी के लिए उनकी योग्यता पर यह सवालिया निशान था।

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान इयान चैपल ने क्रिकइंफो पर अपने कालम में लिखा, रूट ने इंग्लैंड कप्तानी से अपनी ग़लतियों के चलते ही हाथ धोया है और इसके बाद इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने रॉबर्ट की को प्रबंध निदेशक के रूप में नियुक्त किया है। रूट के ख़ुद इस घोषणा करने से की उन्हें कप्तानी से हटाने के एक विवादित फ़ैसला लेने से बच गए। हालांकि इस पूरे घटनाक्रम से इस बात को नहीं झुठलाया जा सकता है कि ईसीबी अपनी ग़लतियों को सुधारने के लिए अत्यधिक समय लेती है।

चैपल ने लिखा, रूट के कार्यकाल में इंग्लैंड विश्व क्रिकेट में पिछड़ने लगा था और रॉबर्ट के लिए इस प्रक्रिया को रोकना ही सबसे बड़ा काम होगा। रूट का इस्तीफ़ा और उसके बाद उनके उत्तराधिकारी पर चल रही बहस ही साक्षी है कि ईसीबी में निर्णयन शक्ति कितनी कमज़ोर है। रूट की कप्तानी के शुरुआती दिनों में ही साफ़ था कि उनमें एक अच्छे कप्तान के गुण मौजूद नहीं हैं। वर्तमान टीम में बहुत कम ऐसे खिलाड़ी हैं जो एक प्राकृतिक कप्तान लगते हैं और यह भी ईसीबी की ग़लती है। हर प्रथम एकादश में कुछ विकल्प साफ़ नज़र आने चाहिए।

उन्होंने कहा कि रॉबर्ट के पदभार संभालने से पहले कई नाम लिए जा रहे थे। स्टुअर्ट ब्रॉड एक बुद्धिमान और विद्वत्तापूर्ण क्रिकेटर हैं लेकिन उन्हें कप्तानी नहीं देनी चाहिए। वह एक उम्रदराज़ खिलाड़ी हैं और गेंदबाज़ी और फ़ील्ड प्लेसमेंट के हिसाब से काफ़ी सुरक्षात्मक सोच के क्रिकेटर हैं।

जॉस बटलर एक टेस्ट विकेटकीपर नहीं हैं और प्रथम एकादश में जगह नहीं बना पाते। टेस्ट क्रिकेट एक कठिन प्रारूप है और इसमें आप को प्लेइंग एकादश में अपनी जगह के लिए निरंतरता दिखानी पड़ती है।

एक ही अच्छे विकल्प नज़र आते हैं ऑलराउंडर बेन स्टोक्स और अगर स्टोक्स इस पद में दिलचस्पी नहीं रखते हैं तो इंग्लैंड के लिए यह एक मुसीबत बन जाएगी। इससे पहले नियुक्त किए गए ऑलराउंडर कप्तानों की असफलता को अगर स्टोक्स के विरोध में ठहराया जाए तो यह ग़लत है। उनमें एक जोश है और साथ ही आक्रामक और सकारात्मक सोच भी। हालांकि एक सफल कप्तान बनने के लिए इतना ही पर्याप्त नहीं है।

चैपल ने कहा, रूट के बाद जो भी आए उसका पहला काम होगा एक ख़राब प्रदर्शन कर रही इंग्लैंड टीम को बेहतर खेल दिखाने का। यह बेहतरी एक कप्तान की सर्वप्रथम ज़िम्मेदारी होती है। इंग्लैंड के लिए यह बहुत कठिन नहीं होगा। इस टीम में कई प्रतिभाशाली बल्लेबाज़ हैं जो कुछ समय से रन नहीं बना रहे। रूट थोड़े दुर्भाग्यशाली भी थे कि जोफ़्रा आर्चर जैसे तीव्र गेंदबाज़ चोटिल होकर काफ़ी समय तक बाहर थे।

उन्होंने कहा, ज़ैक क्रॉली, ऑली पोप और डैन लॉरेंस जैसे बल्लेबाज़ कौशल से भरपूर हैं और उन्हें बढ़ावा और समर्थन देने की ज़रूरत है। ऑफ़स्पिनर डॉम बेस भी इस श्रेणी में आते हैं और मैं हैरान हूं कि लेगस्पिनर मैट पार्किंसन को अब तक मौक़ा नहीं मिला है। अगर स्टोक्स कप्तान बनते हैं और चयन प्रक्रिया में अपनी आवाज़ उठा सकते हैं तो वह पार्किंसन के विकास के भागीदार और लाभार्थी होंगे। इसी तरह उनके बार-बार चोटिल होने के बावजूद जेमी ओवरटन जैसे तेज़ गेंदबाज़ को भी स्टोक्स का समर्थन मिलना चाहिए।

चैपल ने कहा, अगर आप ऐतिहासिक तौर पर देखें तो इंग्लैंड क्रिकेट में सही तकनीक को लेकर एक जुनून सा है। अगर स्टोक्स कप्तान नियुक्त होते हैं और इस जुनून के बदले प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ियों को सकारात्मक बढ़ावा देते हैं तो इंग्लैंड क्रिकेट के लिए यह लाभदायक साबित होगा। स्टोक्स को चयन प्रक्रिया में मत देने की ज़रूरत नहीं लेकिन उनके तर्क को अनसुना नहीं रखा जाए तो काफ़ी है।% रॉबर्ट के सामने चुनौतियों की कमी नहीं और उन्हें ईसीबी से कई चीज़ों पर लड़ना भी पड़ सकता है। फ़िलहाल टेस्ट कप्तान की नियुक्ति इस प्रक्रिया में पहला और एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। अगर बेन स्टोक्स को टेस्ट कप्तानी में दिलचस्पी नहीं है तो इंग्लैंड मुश्किल में हैं!

हैदराबाद ने बेंगलुरु को 68 पर ढेर कर मैच नौ विकेट से जीता

मुम्बई। मार्को यानसन (25 रन पर तीन विकेट) और टी नटराजन (10 रन पर तीन विकेट) की घातक गेंदबाजी की बदौलत सनराइजर्स हैदराबाद ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को शनिवार को 16.1 ओवर में मात्र 68 रन पर समेट देने के बाद आठ ओवर में एक विकेट पर 72 रन बनाकर एकतरफा जीत हासिल की।

हैदराबाद की यह लगातार पांचवीं जीत है और वह अंक तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गयी है। दूसरी तरफ बेंगलुरु को आठ मैचों में तीसरी हार का सामना करना पड़ा।

हैदराबाद ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का सही फैसला किया। मैच के दूसरे ओवर में मार्को यानसन ने तीन शिकार करते हुए आरसीबी की पारी को इतना पीछे धकेल दिया कि वह कभी वापसी ही नहीं कर पाई। पिच में तेज़ गेंदबाज़ी के लिए मदद थी लेकिन यह किसी भी तरीक़े से 68 पर ऑलआउट होने वाली पिच नहीं है। सनराइज़र्स के सभी गेंदबाज़ों ने बढ़िया

गेंदबाज़ी की और विकेटों की बहती गंगा में सभी ने हाथ धोए।

यानसन ने कप्तान फ़ाफ़ डुप्लेसी, विराट कोहली और अनुज रावत को दूसरे ओवर में पवेलियन भेजा। विराट का खाता नहीं खुला। नटराजन ने ग्लेन मैक्सवेल, हर्षल पटेल और वनिंदू हसरंगा का शिकार किया। जगदीश सूचित ने 12 रन पर दो विकेट लिए जबकि भुवनेश्वर कुमार और उमरान मालिक को एक-एक विकेट मिला।

बेंगलुरु के 68 रनों में सुयश प्रभुदेसाई ने 15 और मैक्सवेल ने 12 रन बनाये। बेंगलुरु की पारी में तीसरा सर्वाधिक स्कोर अतिरिक्त 12 रनों का रहा। अन्य कोई बल्लेबाज दहाई की संख्या में नहीं पहुंच सका।

हैदराबाद ने आठ ओवर में एक विकेट पर 72 रन बनाकर 72 गेंद शेष रहते एकतरफा जीत हासिल की। यह आईपीएल में किसी भी टीम के लिए गेंदों के मामले में चौथी सबसे बड़ी जीत है। हैदराबाद की टीम सात में से लगातार पांच मैच जीतकर दूसरे स्थान पर पहुंच गई है, वहीं आरसीबी के भी हैदराबाद की ही तरह 10 अंक हैं, लेकिन यह 10 अंक आठ मैच में हैं और वह अब अंक तालिका में चौथे स्थान पर है।

अभिषेक शर्मा 28 गेंदों में आठ चौकों और एक छक्के की मदद से 47 रन बनाकर आउट हुए। कप्तान केन विलियम्सन 16 और राहुल त्रिपाठी सात रन बनाकर नाबाद रहे। राहुल त्रिपाठी ने हर्षल पटेल पर लेग साइड में छक्का मारकर मैच समाप्त किया।

रायन कैंपबेल की हालत स्थिर, बेहोशी से आए बाहर

एजेंसी

लंदन। दिल का दौरा पड़ने के बाद कोमा में चले गए नीदरलैंड्स के कोच रायन कैंपबेल की हालत अब स्थिर है। वह बेहोशी की हालत से बाहर आ गए हैं।

कैंपबेल के परिवार ने रविवार को ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट एसोसिएशन के ज़रिए कैंपबेल के स्वास्थ्य से जुड़ी यह जानकारी साझा की।

बीते शनिवार कैंपबेल को दिल का दौरा पड़ा था, जिसके बाद वह कोमा में चले गए थे।

उन्हें यूके के एक अस्पताल में आईसीयू में भर्ती किया गया था। जहां वह लगातार डॉक्टरों की निगरानी में थे। चार दिनों के बाद कैंपबेल के भाई मार्क कैंपबेल ने बताया था कि रायन अब कोमा से बाहर आ गए हैं।

सोशल मीडिया पर साझा किए गए बयान में कहा गया है, हमारे परिवार को यह घोषणा करते हुए ख़ुशी है कि रॉयल स्टोक यूनिवर्सिटी अस्पताल के स्टाफ़ के अथक परिश्रम के चलते रायन होश में आ गए हैं। उन्होंने बहुत अच्छी प्रतिक्रिया दी है और अब उनकी स्थिति स्थिर है।

हालांकि वह अभी भी बहुत कमज़ोर हैं, लेकिन वह बात कर रहे हैं और जवाब भी दे रहे हैं। डॉक्टरों को उम्मीद है कि निरंतर प्रगति के साथ वह पूरी तरह से ठीक हो जाएंगे।

पूर्व ऑस्ट्रेलियाई एकदिवसीय विकेटकीपर को 2017 में नीदरलैंड्स के कोच के रूप में नियुक्त किया गया था और तब से वह इस पद पर हैं। कैंपबेल के कार्यकाल में टीम को एकदिवसीय दर्जा जीतने के साथ-साथ पिछले साल पुरुषों का टी 20 विश्व कप में प्रवेश करने में मदद मिली।

पाक पीएम शहबाज, उनकी पत्नी और भतीजी अब जा सकेंगे विदेश

एजेंसी

नई दिल्ली। पाकिस्तान की नई सरकार ने प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, उनकी पत्नी और भतीजी समेत कई हाई-प्रोफाइल हस्तियों के नाम नो-फ्लाई लिस्ट से हटा दिए हैं। शहबाज शरीफ की कैबिनेट ने यह फैसला लिया है। रविवार को यब बात सामने आई है।

शहबाज शरीफ की कैबिनेट ने पिछले हफ्ते अपनी पहली बैठक में राणा सनाउल्लाह की अध्यक्षता वाले

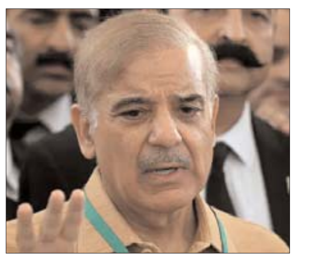

आंतरिक मंत्रालय को एक्जिट कंट्रोल लिस्ट (ईसीएल) की समीक्षा करने के लिए अधिकृत किया था, जो लोगों को देश छोड़ने की अनुमति नहीं देता है।

एक्सप्रेस ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, पाक गृह मंत्रालय ने ईसीएल से उन नामों को हटाने के लिए अधिसूचना जारी करना शुरू कर दिया है, जो बिना किसी अनिवार्य कारण के 120 दिनों से इस पर थे।

मिली जानकारी के अनुसार, अब बिना किसी बाधा के देश से बाहर जाने की अनुमति मिलने वालों में प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, उनकी पत्नी नुसरत शहबाज, उनकी भतीजी मरियम नवाज, पूर्व प्रधानमंत्री शाहिद खाकान अब्बासी, उनके बेटे अब्दुल्ला खाकान और वित्त मंत्री मिफ्ता इस्माइल के नाम शामिल हैं।

सनाउल्लाह ने शुक्रवार को कहा था कि राजनीतिक बदला लेने के लिए ईसीएल में नाम डाले गए थे। ईसीएल ब्लैकलिस्ट में 4,863 लोग और अनंतिम राष्ट्रीय पहचान सूची (पीएनआईएल) में 30,000 लोग हैं। मंत्री ने कहा था, हां, ईसीएल नियमों में संशोधन किया गया है, जिससे सीधे तौर पर 3,500 लोगों को फायदा होगा।

प्रधानमंत्री के रैली स्थल से 12 किमी दूर संदिग्ध विस्फोट

जम्मू। जम्मू-कश्मीर में जम्मू जिले के ललियान गांव स्थित एक मैदान में रविवार तड़के एक रहस्यमय विस्फोट हुआ, जो सांबा जिले के पल्ली गांव के उस स्थान से महज 12 किलोमीटर दूर है, जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज रैली को संबोधित करने वाले हैं। सूत्रों ने बताया कि तड़के करीब 4:25 बजे बिश्नाह के ललियान गांव के पास एक जोरदार आवाज सुनाई दी, जिसके बाद स्थानीय निवासियों में दहशत फैल गई। उन्होंने बताया कि पुलिस दल अन्य सुरक्षा एजेंसियों के साथ मामले की जांच करने घटनास्थल पर पहुंच गया है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि यह विस्फोट एक खुले मैदान में हुआ। उन्होंने कहा, जम्मू के बिश्नाह स्थित ललियान गांव के निवासियों ने एक खुले मैदान में संदिग्ध धमाके की सूचना दी थी। हमें शक है कि यहां बिजली गिरी है या जमीन से कोई उल्का पिंड टकराया है। पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंच गयी है और जांच शुरू कर दी गयी है। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री की रैली से दो दिन पहले जम्मू के सुंजुवान में शुक्रवार सुबह एक मुठभेड़ में जैश-ए-मोहम्मद संगठन के दो आतंकवादी मारे गए, जबकि सीआईएसएफ का एक एएसआई शहीद हो गया और 11 सुरक्षाकर्मी घायल हो गये।

रूस ने मारियुपोल पर फिर शुरू किये हमले

कीव। यूक्रेन के दक्षिणी शहर मारियोपुल पर जीत और एक विशाल इस्पात संयंत्र पर कब्जा नहीं करने की घोषणा के कुछ ही दिनों बाद रूसी सेना ने संयंत्र में छिपे अंतिम यूक्रेनी रक्षकों पर अपना हमला फिर से शुरू कर दिया है।

खलीज टाइम्स ने रविवार को यह जानकारी दी। अखबार ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के हवाले से बताया कि देश की सेना अभी तक बंदरगाह शहर की घेराबंदी तोड़ने की कोशिश करने की स्थिति में नहीं है। मारियुपोल पर हमला इस युद्ध की अब तक की सबसे बड़ी लड़ाई है, जो हफ्तों से जारी है।

इस शहर पर कब्जा करना क्रीमिया के साथ पूर्वी डोनबास क्षेत्र को जोड़ने के रूस के प्रयासों के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

श्री जेलेंस्की ने बताया कि रूसी हमलों में काला सागर के ओडेसा बंदरगाह में कम से कम आठ लोग मारे गये। यूक्रेन के सशस्त्र बलों ने बताया कि दो मिसाइलों ने शनिवार को एक सैन्य अड्डे पर हमला किया और दो आवासीय तथा दो अन्य भवनों को नष्ट कर दिया। अनुमानों के अनुसार मारियुपोल में दसियों हजार नागरिक मारे गये हैं और अब भी करीब 1,00,000 नागरिक वहां फंसे हुए हैं। संयुक्त राष्ट्र और रेड क्रॉस ने मारे गये नागरिकों की संख्या हजारों में बतायी है।

ओडेसा बंदरगाह और काला सागर के पास स्थित शहर मायकोलाइव में रविवार तड़के से पहले हवाई हमले के सायरन सुनाई दिये, लेकिन ताजा हमलों के बारे में तत्काल कोई रिपोर्ट नहीं मिली।

इस बीच, अमेरिका के शीर्ष राजनयिक, विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन और अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन रविवार को यूक्रेन की राजधानी कीव का दौरा करेंगे और संकट के तीसरे महीने में प्रवेश करने पर यूक्रेन की हथियारों की जरूरत पर चर्चा करेंगे।

अमेरिकी राष्ट्रपति कार्यालय 'व्हाइट हाउस' ने हालांकि श्री ब्लिंकन और श्री ऑस्टिन की यूक्रेन यात्रा की योजना की अब तक पुष्टि नहीं की है।

फ्रांस में राष्ट्रपति चुनाव के लिए अंतिम चरण का मतदान आज

पेरिस। फ्रांस में राष्ट्रपति चुनाव के लिए रविवार को दूसरे और अंतिम चरण के लिए रविवार को मतदान होगा और इसी के साथ देश की जनता यह फैसला करेगी कि इस बार सत्ता की कमान कौन संभालेगा । दिलचस्प तथ्य यह है कि जहां फ्रांस के निर्वतमान राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों सत्ता पर पुन- काबिज होने की पुरजोर कोशिश में हैं ,वहीं उनकी इस आकांक्षा को धूमिल करने का लक्ष्य साथ लिए धुर दक्षिणपंथी नेता मरीन ली पेन उनके सामने चुनाव मैदान में हैं और जबरदस्त टक्कर देने के लिए कटिबद्ध है। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक फ्रांस के राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव में सुश्री ली पेन एक मजबूत दावेदार के रूप में उभरी हैं , हालांकि श्री मैक्रों की सक्रियता और रणनीति के परिप्रेक्ष्य में उन्हें भी टक्कर का सामना करना पड़ रहा है। दोनों उम्मीदवार अपनी जीत के ध्येय से उन मतदाताओं को अपने पाले में करने की कोशिश कर रहे हैं जिन्होंने पहले चरण में किसी अन्य के लिए मतदान किया था। चुनावी विश्लेषकों का मानना है कि श्री मैक्रों और सुश्री ली पेन के समक्ष मतदान को लेकर ध्रुवीकरण की स्थिति है तथा मतदान न करने वाले लोगों की संख्या भी उनकी हार-जीत पर असर डालेगी। मैक्रों पर अमीरों के राष्ट्रपति होने का ठप्पा है और उनके कार्यकाल में प्रदर्शन, कोविड महामारी से निपटने में विफलता एवं बढ़ती महंगाई पर काबू पाने की दिशा में उनकी सरकार पर उदासीनता के आरोप लगे हैं , वहीं सुश्री ली पेन पर रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ गहरे संबंध होने का आरोप है।

पाकिस्तान में अब जरदारी के बेटे की ताजपोशी की तैयारी

नई दिल्ली। पाकिस्तान में इमरान खान के युग के अंत के साथ शहबाज शरीफ का युग शुरू हो चुका है। एक वर्ष के लिए बने नए पीएम शहबाज शरीफ के बाद अब उनके साथी और पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो जरदारी पाकिस्तान के नए विदेश मंत्री बनने को तैयार हैं। मीडिया रिपोर्ट्स है कि उनके अगले दो दिनों में उनकी शपथ लेने की संभावना है। बिलावल भुट्टो देश के पूर्व राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी के बेटे और पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के अध्यक्ष भी हैं। कश्मीर मामलों के लिए पाकिस्तान के प्रधान मंत्री के सलाहकार कमर जमां कायरा ने लंदन में मीडियाकर्मियों को बताया कि बिलावल भुट्टो देश के नए विदेश मंत्री होंगे। एक पाकिस्तानी पत्रकार द्वारा साझा किए गए ट्वीट में कायरा को यह कहते हुए सुना जा सकता है कि बिलावल अगले दो दिनों में शपथ लेंगे। उन्होंने कहा कि बिलावल भुट्टो जरदारी के पदभार ग्रहण करने में कोई बाधा नहीं है और बिना किसी मतभेद के बिलावल भुट्टो देश के नए विदेश मंत्री बनने को तैयार हैं।

जापान में लापता पर्यटक नाव से 10 की मौत की पुष्टि

टोक्यो। जापान तटरक्षक बल (जेसीजी) ने शनिवार को उत्तरी जापान के पूर्वी होक्काइडो में कुल 26 यात्रियों और चालक दल के साथ एक पर्यटक नाव के लापता होने के बाद रविवार को 10 लोगों की मौत की पुष्टि की। जेसीजी के अनुसार, काजू ढ्ढ नाम की नाव के शनिवार दोपहर सुंदर शिरेतोको प्रायद्वीप के आसपास दर्शनीय स्थलों की यात्रा के दौरान पूर्वी होक्काइडो से पानी में डूबने की सूचना मिली और फिर नाव लापता हो गई। नाव में दो चालक दल के सदस्यों के साथ 24 यात्री सवार थे , जिनमें दो बच्चे भी शामिल थे। मृतकों में सात पुरुष और तीन महिलाएं शामिल हैं। तट रक्षक बलों के मुताबिक स्थानीय समयानुसार शनिवार दोपहर करीब 1=15 बजे घटना की रिपोर्ट मिली और गश्ती नौकाओं को स्थानीय समयानुसार शनिवार शाम करीब साढ़े पांच बजे बचाव कार्य के लिए घटनास्थल पर भेजा गया।

रूस ने नौ यूक्रेनी सैन्य ठिकानों को नष्ट किया : रक्षा मंत्रालय

मास्को। रूस की वायु सेना ने यूक्रेन के नौ सैन्य ठिकानों को मिसाइलों से निशाना बनाकर नष्ट कर दिया है। रूस के रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता मेजर जनरल इगोर कोनाशेनकोव ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि रूसी वायु सेना की उच्च-सटीक हवाई मिसाइलों ने यूक्रेन की नौ सैन्य ठिकानों को नष्ट कर दिया है। इसमें यूक्रेन के सशस्त्र बल ब्रिगेड का एक कमांड पोस्ट, चार सैन्य उपकरणों के ठिकाने तथा खार्किव , बरविंकोव, नोवा दिमित्रिव्का और इवानिव्का क्षेत्रों में चार रॉकेट और तोपखाने के हथियार डिपो शामिल हैं। गौरतलब है कि गत 24 फरवरी को रूस ने यूक्रेन में विशेष सैन्य अभियान शुरू किया था।

काबुल यूनीवर्सिटी में तीन-तीन दिन पढ़ाई करेंगे छात्र-छात्राएं , तालिबान का फरमान

काबुल । अफगानिस्तान में तालिबान के नेतृत्व वाली सरकार ने ' नो को-एजेकेशन' की नीति के तहत काबुल विश्वविद्यालय और काबुल पॉलिटेक्निक विश्वविद्यालय में छात्र-छात्राओं के लिए अलग-अलग पढ़ाई के दिन तय करने का फरमान जारी किया। स्थानीय मीडिया ने रविवार को अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी। खामा प्रेस समाचार की रिपोर्ट के मुताबिक नये टाइम-टेबल के आधार पर सप्ताह में तीन दिन छात्राओं के लिए तय किये गये हैँ और इन दिनों में किसी भी छात्र को यहां आने की अनुमति नहीं दी जायेगी जबकि शेष तीन दिन छात्रों के लिए निर्धारित किये गये हैं। तालिबान द्वारा नियुक्त उच्च शिक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता अहमद तकी ने कहा है कि काबुल विश्वविद्यालय की अकादमिक परिषद के सुझाव के बाद यह निर्णय लिया गया है। इससे छात्रों को व्यावहारिक गतिविधियों और वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए पर्याप्त समय मिलेगा। यह व्यवस्था आगामी मई से लागू होगी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं... से मुद्रित एवं , ब्लाक नं 23 मकान नं 399 त्रिलोक पुरी दिल्ली -91 से प्रकाशित
संपादकः प्रवीण कुमार सिंह, आरएनआई नं. ·DELHIN/2011/38334, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, टेलीफोन नं.: 011-26700510/11 , ई-मेल : info@gauravshalibharat.com, समस्त विवादो का न्यायलय दिल्ली होगा

उम्रदराज लोगों को होता है ऑस्टियोपोरोसिस

अक्सर उम्रदराज लोगों को आपने जोड़ों के दर्द की शिकायत करते सुना होगा, हड्डियों में तकलीफ की समस्या भी आम होती है। वृद्धों की इस आम समस्या को ऑस्टियोपोरोसिस कहा जाता है। इस बीमारी के रोगियों में रजोनिवृत्ति (मेनोपॉज) प्राप्त महिलाओं और उम्रदराज लोगों की संख्या ही ज्यादा होती है। एक अनुमान के मुताबिक दुनिया में लगभग दस करोड़ लोग इस बीमारी से पीड़ित हैं। केवल भारत में इसके रोगियों की संख्या लगभग छह करोड़ दस लाख है, जिसमें 60-70 प्रतिशत महिलाएं हैं। पुरुषों को इस रोग का खतरा चालीस वर्ष की उम्र से तो महिलाओं को लगभग पैंतीस वर्ष की उम्र से होता है।

इस बीमारी में हड्डियां भुरभरी हो जाती हैं। साथ ही हड्डियों के ऊतकों का घनत्व कम हो जाता है, इस कारण किसी भी झटके से उनके टूटने की आशंका बढ़ जाती है।

उम्र का बढ़ना और कैल्शियम की कमी ऑस्टियोपोरोसिस को आमंत्रित करने वाले मुख्य कारण हैं। कैल्शियम हमारी हड्डियों को मजबूती प्रदान करता है, इसकी कमी से हड्डियां कमजोर पड़ जाती हैं और उनके टूटने की दर बढ़ जाती है। रजोनिवृति के बाद महिलाओं में एस्ट्रोजन हारमोन की कमी के कारण इस रोग की संभावनाएं बढ़ जाती हैं।

नीचे झुकने या सामान्य अवस्था में कमर दर्द होना और झुकने से कद कम होना इस बीमारी के सामान्य लक्षण हैं। इस बीमारी से अक्सर रीढ़ की हड्डी में भी विकृति आ जाती है, अतः रीढ़ की हड्डी में थोड़े से भी परिवर्तन को हल्के तौर पर ना लें। रोजमर्रा के काम जैसे कुछ चीज उठाने के लिए नीचे झुकने, बिस्तर बिछाने के लिए नीचे झुकने या किसी हल्के झटके जैसे बस या आटो रिक्शा की पिछली सीट पर लगे झटके से हड्डियों में बार-बार होने वाला फ्रैक्चर भी ऑस्टियोपोरोसिस की निशानी है।

यों तो सम्पूर्ण शरीर की हड्डियां इससे प्रभावित होती हैं। परन्तु सामान्य रूप से कूल्हे, कलाई और रीढ़ की हड्डियां ही इस रोग की मुख्य शिकार होती हैं। इसके परिणाम इस कदर भयंकर हो सकते हैं कि रीढ़ की हड्डी टूटने से कंधे झुक सकते हैं और कद छह इंच तक कम हो सकता है। कूल्हे का फ्रैक्चर होने की स्थित मिं अक्सर शल्य चिकित्सा के लिए अस्पताल में भर्ती होना पड़ता है। ऐसे रोगियों के अध्ययनों से यह निष्कर्ष सामने आया है कि कूल्हे के फ्रैक्चर वाले लगभग पचास प्रतिशत रोगी पूर्णतया ठीक नहीं हो पाते, वे सदा के लिए ही बिस्तर से बंध जाते हैं।

इस बीमारी का पता लगाना ज्यादा मुश्किल नहीं है विशेषकर महिलाओं में आसानी से इसका पता लग सकता है। वैसे तो बोन डेनसिटीमीटर से कुछ ही पलों में इस रोग का पता लगाया जा सकता है, पर एक साधारण से रिस्ट टेस्ट के द्वारा इस रोग का घर बैठे ही पता लगाया जा सकता है। इसके लिए कुछ साधारण प्रश्न आप खुद से पूछ सकती हैं, जिससे पता चला सकता है कि आपको यह बीमारी होने की आशंका है कि नहीं।

- क्या आप एक रजोनिवृत्त महिला हैं और क्या आपको पैंतालीस वर्ष की आयु से पहले ही रजोनिवृत्ति हो गई थी?
- क्या आप शारीरिक तौर पर सक्रिय नहीं हैं?
- क्या आप अपने आहार में कैल्शियमयुक्त खाद्य पदार्थ जैसे दूध और दूध से बनी चीजें कम लेती हैं?
- क्या आपकी या परिवार के किसी नजदीकी सदस्य की हड्डी किसी हल्के से झटके से टूटी है?
- क्या आप दमा या आर्थराइटिस के लिए कोर्टिकोस्टिरॉटड दवा छह महीने से ले रही हैं?

ऊपर लिखे प्रश्नों में से यदि एक प्रश्न का भी उत्तर हां है तो आपको ऑस्टियोपोरोसिस की आशंका हो सकती है, ऐसे में तुरंत डॉक्टरी सलाह लेना उचित रहेगा।

ऑस्टियोपोरोसिस का पता लगाने के लिए डॉक्टर अल्ट्रासाउंड बोन डेन्सिटोमीटर टेस्ट का सहारा लेते हैं। इससे अस्थियों में नुकसान की दर, फ्रैक्चर होने की संभावनाओं, इलाज के प्रभावों आदि की जानकारी मिल जाती है। इसमें एल्कोहल में भीगी रूई से टखनों के किनारों को साफ करके पैर को एक रेडिएशन फ्री मशीन के भीतर रखना होता है। मशीन में पैर फिट होने के बाद रीडिंग ली जाती है और दो मिनट में ही परीक्षण की रिपोर्ट सामने आ जाती है। जांच से पहले सामान्य खाना ही खाएं, इस बात का ध्यान रखें कि इस परीक्षण के चौबीस घंटे पहले कैल्शियम की खुराक न लें। यह सुनिश्चित करना भी जरूरी है कि परीक्षण से सात दिन पहले तक कोई बेरियम-स्टडी रेडियो आइसोटोप इंजेक्शन अथवा सीटी अथवा एम.आर.आई परीक्षण के लिए ओरल या आई.वी कान्ट्रास्ट न लिया गया हो।

कुछ आसान से छोटे-छोटे व्यायाम भी आपको इस बीमारी से बचा सकते हैं। इनमें से कुछ इस प्रकार हैं-

- फर्श पर लेट जाएं। दोनों हाथों को पेट पर रखकर घुटनों को 90 डिग्री के कोण में मोड़ें। अब कंधों को जमीन से सटाकर रखें और सिर को ऊंचा उठाएं, फिर धीरे-धीरे नीचे ले जाएं। इसे दस-पन्द्रह बार दोहराना चाहिए।
- पेट के नीचे तकिया रखकर फर्श पर पेट के बल लेट जाएं। दोनों हाथ नितम्बों पर रखें। अब सिर को फर्श तक झुकाएं और फिर जितना उठा सकें उठाएं। इस प्रक्रिया की पुनरावृत्ति दस से पन्द्रह बार करें।
- कुर्सी पर कुछ इस प्रकार बैठें कि आपकी पीठ कुर्सी से सटी हो। सिर के पीछे दोनों हाथों को क्रास करें। कोहनियों को पीछे की ओर खींचते हुए लंबी सांस लें और सांस छोड़ते हुए वापस पूर्व स्थिति में आ जाएं। ऐसा दस-पन्द्रह बार करें।
- हाथों और घुटनों के बल झुकें। एक घुटने को कमर की ऊंचाई तक ले जाएं फिर वापस पूर्व स्थिति में ले आंए। दूसरे पैर से यही व्यायाम करें। इस क्रिया को भी दस से पन्द्रह बार दोहराना उचित रहेगा।
- फर्श पर सीधे लेटें और दोनों हाथ पेट पर रखें। अब पैरों को फर्श से लगभग एक इंच ऊपर उठाएं इसमें ध्यान रखें कि घुटने आपस में जुड़े हों। इस स्थित मिं कुछ सेकेण्ड रुकने के बाद पैरों को नीचे ले आएं। ऐसे पांच से दस बार करें।
- कुर्सी पर पीठ लगाकर सीधे बैठें। बाहों को किनारे पर टिकाएं और पैरों को फर्श पर सीधे रखे। फिर अपने कंधों को पीछे की ओर धकेलने का प्रयास करे और फिर पहली वाली अवस्था में वापस आ जाएं। इसे भी दस या पन्द्रह बार दोहराएं।

एक अहम बात यह है कि इन व्यायामों को करने से पूर्व किसी विशेषज्ञ से परामर्श जरूर लें।

जहां तक खान-पान का प्रश्न है, सदैव ऐसा संतुलित आहार जिसमें पर्याप्त मात्रा में कैल्शियम हो, इसके साथ ही फल जैसे नाशपाती, केला, अमरूद औरे अंजीर आदि भी लें। दालें, बादाम, अखरोट, टमाटर, मूंगफली, सोयाबीन, राजमा, पत्तागोभी, मेथी, मछ्ली और ऑयस्टर मांस की पर्याप्त मात्रा भी भोजन में शामिल की जानी चाहिए।

कैफीन और एल्कोहल से बचना फायदेमंद होता है। सिगरेट से बचना भी जरूरी है क्योंकि यह एक्ट्रोजन के स्तर को कम करती है और महिलाओं में रजोनिवृति के समय हड्डियों के घनत्व पर बुरा असर डालती है। कार्बोनेटिक पेय और सोड़ा आदि भी न लें क्योंकि इसमें उपस्थित फास्फोरस आपके शरीर में उपस्थित कैल्शियम की अतिरिक्त मात्रा में कमी कर सकता है।

ऑस्टियोपोरोसिस से बचाव के लिए संतुलित आहार और नियमित व्यायाम जरूरी है हर सांतवे से दसवें वर्ष में पुरानी हड्डियों का स्थान नई हड्डियां ले लेती हैं। बड़े होने पर मजबूत हड्डियां हों इसलिए बचपन से भी हड्डियों की मजबूती का ध्यान रखना जरूरी होता है।

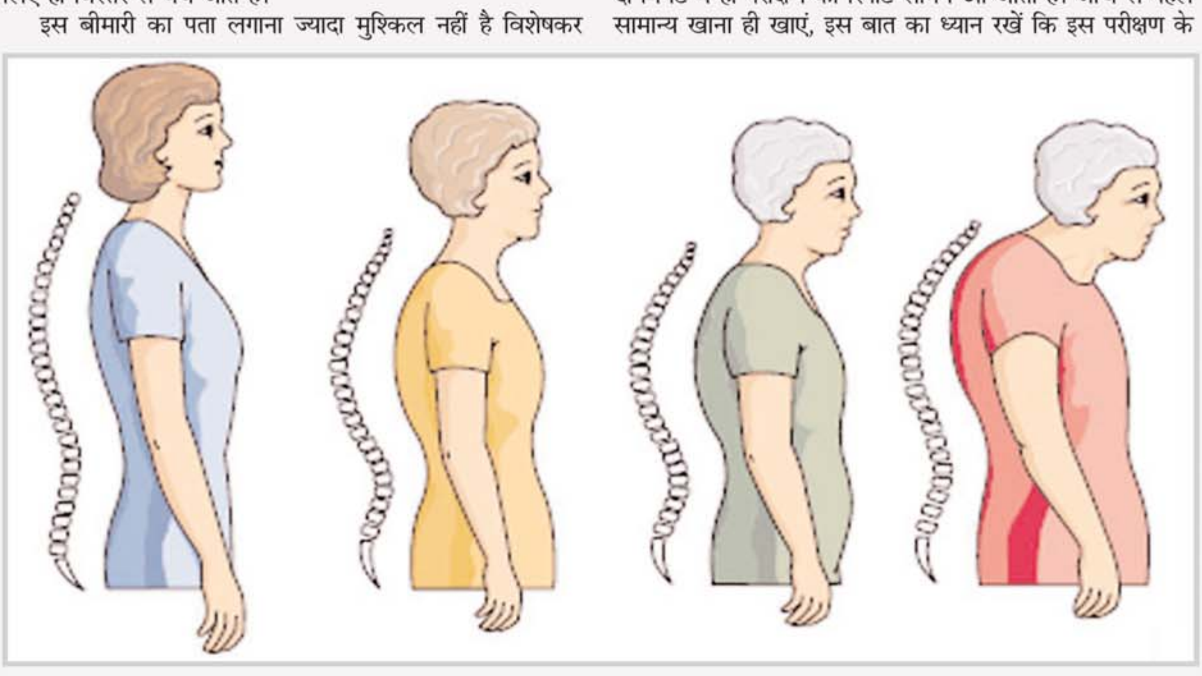

एक अनानास करे कई बीमारियों का नाश

अनानास का नाम सुनते ही बच्चे हों या बड़े इसे खाने से कतराते हैं। देखने में खूबसूरत लगने वाला यह फल खाने में उतना ही खट्टा और एसिडिक होता है। मगर अनानास जूस से भरा बेहतरीन फल है। इसका ट्रापिकल फ्लेवर मीठे और खट्टे दोनों को सही बैलेंस करता है। गर्मी हो या सर्दी यह कभी भी खाया जा सकता है। मगर ज्यादातर लोग इसे गर्मी में खाना पसंद करते हैं। इसे नमक और चाट मसाले के साथ खाएं, तो यह स्वादिष्ट लगता है।

अनानास में विटामिन्स और मिनरल्स की भरपूर मात्रा होती है। जैसे विटामिन ए और सी। कैल्शियम, पोटाशियम और फास्फोरस भी इसमे मौजूद होता हैं। फाइबर से युक्त और फैट व कोलेस्ट्राल बहुत कम होने के कारण सेहत के लिए इसे फायदेमंद माना जाता है। गर्मियों के लिए एक बेहतरीन फल है।

कफ और कोल्ड के वायरस से लड़ने के लिए इसमें विटामिन सी की सही मात्रा होती है। इसमें ब्रोमेलेन नामक पदार्थ होता है जो खांसी रोकने में मददगार है।

इसमें पाया जाने वाला मैग्नीज हड्डियों और उत्तकों को मजबूत बनाएं रखने में मददगार होता है। अनानास के लगातार सेवन से आपके मसूढ़े स्वस्थ और मजबूत रहते हैं।

अनानास मैकुलर डिजेनेरेशन से भी बचाता है। मैकुलर डिजेनेरेशन के कारण ही विजन लॉस होता है और रेटिना डैमेज होता है। इससे व्यक्ति अंधा हो सकता है। मगर अनानास में मौजूद बीटा कैरोटीन इस खतरे को तीस प्रतिशत तक कम करने में मददगार होता है।

पाचन संबंधी समस्याओं के लिए अनानास का सेवन सबसे फायदेमंद है। यह पाचन क्रिया को दुरूस्त बनाने में मदद करता है। अनानास में मौजूद ब्रोमेलेन इसके रस को न्यूट्रल करता है जिस कारण यह ज्यादा एसिडिक नहीं हो पाता।

यह पैनक्रियाज से बनाने वाले रस को भी नियंत्रित करता हैं जो पाचन क्रिया में आगे मददगार होते हैं। पैनक्रियाज में नियंत्रण के कारण हम डायबिटीज जैसी बीमारी से भी सुरक्षित रह सकते हैं।

प्रेग्नेंसी में च्यूइंग गम! खतरनाक

प्रेग्नेंसी के दौरान च्यूइंग गम ज्यादा खाने से बच्चा सील सिंड्रोम का शिकार हो सकता है। इस बीमारी में उसकी बॉडी तो नॉर्मल होगी लेकिन उसके हाथ-पैर छोटे बच्चे की तरह ही छोटे रहते हैं। कई बार पेशंट के पैरों में इतनी भी जान नहीं होती कि वह अपने पैरों पर खड़ा रह सके। इस बीमारी को भुगत रहे इराक के 46 साल के हुसैन अली राधी को जब हार्ट की बीमारी हुई तो उनके देश के डॉक्टर उनका इलाज करने के लिए तैयार नहीं हुए। लेकिन दिल्ली के डॉक्टरों ने विश्व में पहली बार ऐसे पेशंट की एंजियोप्लास्टी करके तीन स्टेंट लगाने में कामयाबी हासिल की। इलाज के बाद हुसैन अब अपने देश जाने की तैयारी में हैं।

हाथ-पैर छोटे

मैक्स के कार्डियोलॉजिस्ट डॉक्टर विवेका कुमार ने बताया कि हुसैन एक जनेटिक बीमारी के शिकार हैं, जिस वजह से उनके हाथ और पैर छोटे बच्चे की ही तरह हैं यानी हाथ और पैरों की ग्रोथ नहीं हो पाई है, जबकि बाकी पार्ट्स सामान्य इंसान की तरह हैं। इस बीमारी को सील सिड्रोम कहा जाता है। अमूमन हर 25 हजार बच्चों में से एक को यह बीमारी होती है। आमतौर पर इस बीमारी में बच्चे का कद छोटा हो जाता है, लेकिन कई बार हाथ पैर में इतनी भी जान नहीं होती वह कुछ उठा सके या चल सके। ऐसे लोग पूरी जिंदगी वील चेयर पर ही होते हैं। हुसैन भी इसी तरह अपनी जिंदगी जी रहे हैं।

हार्ट में 3 ब्लॉकेज

डॉक्टर कुमार ने बताया कि हुसैन के हार्ट में तीन ब्लॉकेज पाए गए थे। वह इराक के कई अस्पताल गए लेकिन कोई भी डॉक्टर इलाज करने को तैयार नहीं हुआ क्योंकि हाथ-पैर छोटे होने की वजह से एंजियोप्लास्टी के लिए नस का साइज छोटा पड़ रहा था। आखिरकार वह दिल्ली पहुंचे। डॉक्टर ने बताया, पहले हमने बाइपास सर्जरी का प्लान किया था लेकिन उनके साइज को देखकर टाल दिया गया। पैर की नस से हार्ट तक पहुंचना भी मुश्किल था, इसलिए हाथ के जरिए उनके हार्ट में पहुंचा गया। यह मुश्किल प्रॉसिजर था, लेकिन सफल रहा।

बचें च्यूइंग गम से

डॉक्टर विवेका कुमार का कहना है कि जो महिलाएं गर्भ के दौरान च्यूइंग गम या पेन किलर ज्यादा खाती हैं, उनके बच्चे में ऐसी बीमारी होने की संभावना ज्यादा रहती है। डॉक्टर कुमार के मुताबिक, ऐसे पदार्थ में टेराटोजेनिक होता है, जो एंब्रियो को नुकसान पहुंचाता है। कुछ ऐसा ही पदार्थ पेन किलर थैलीडोमाइड में भी पाया जाता है, जिसे अब बैन कर दिया गया है। इसकी वजह से जैनेटिक डिसऑर्डर होता है और बच्चा सील सिंड्रोम का शिकार हो जाता है। महिलाओं को प्रेग्नेंसी के दौरान च्यूइंग गम से बचना चाहिए।

27 मई को रिलीज होगी आयुष्मान खुराना की 'अनेक'

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता आयुष्मान खुराना की आने वाली फिल्म अनेक 27 मई को रिलीज होगी। आयुष्मान खुराना ने अपनी आने वाली फिल्म अनेक की रिलीज डेट की घोषणा कर दी है। अनेक के रिलीज डेट की जानकारी आयुष्मान ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट के जरिए दी है।पोस्ट के कैप्शन में आयुष्मान ने लिखा, महान मिशन के लिए पूरी तरह तैयार! जीतेगा कौन? हिंदुस्तान। 27 मई, 2022 को सिनेमाघरों में जोशुआ से मिलें। आयुष्मान ने लिखा, मैं जोशुआ का किरदार निभाने के लिए खुद को आजमाने के लिए बहुत उत्साहित था, क्योंकि इसने मुझे कुछ ऐसा करने का मौका दिया, जो मैंने पहले कभी नहीं किया था। मैं अपने दर्शकों को हर फिल्म के साथ नए अनुभव प्रदान करने के लिए ऋणी हूं'।

आयुष्मान खुराना की अनेक एक पॉलिटिकल-एक्शन-थ्रिलर फिल्म है। जिसका निर्देशन अनुभव सिन्हा ने किया है। इस फिल्म में आयुष्मान पहली बार एक अंडरकवर पुलिस अफसर के रोल में दिखेंगे। जिसका नाम जोशुआ है। आयुष्मान ने बताया, यह पहली बार है, जब दर्शक मुझे इस अवतार में देखेंगे। मैंने पहले भी एक पुलिस वाले की भूमिका निभाई है, लेकिन यह पहली बार है जब वो मुझे अंडरकवर में जाते हुए देखेंगे। अनेक में जोशुआ स्ट्रीट स्मार्ट और बुद्धिमान है। वह लोगों के बीच से अपना रास्ता निकालना जानता है और ना केवल शारीरिक क्षमता से, बल्कि अपने तेज दिमाग से भी वह बुरे लोगों से लड़ सकता है।

रणवीर सिंह की फिल्म 'जयेशभाई जोरदार' के गाना 'फायरक्रैकर' का टीजर रिलीज

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह की आने वाली फिल्म जयेशभाई जोरदार के पहले गाने 'फायरक्रैकर' का टीजर रिलीज कर दिया गया है। रणवीर सिंह इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म जयेशभाई जोरदार के प्रमोशन में व्यस्त हैं।इस फिल्म के पहले गाने 'फायरक्रैकर' का टीजर रिलीज कर दिया गया है,जिसमें रणवीर ठेठ गुजराती लड़के के रूप में नजर आ रहे हैं।टीजर में रणवीर वीडियो रिकॉर्ड करते हुए दिख रहे हैं और डांस स्टार्ट करने से पहले बता रहे हैं कि उन्हें जोर का डांस आया था लेकिन उन्होंने किया नहीं। हालांकि, अब सोच रहे हैं कि डांस कर लिया जाए, क्योकि अंदर रख कर होगा भी क्या ?

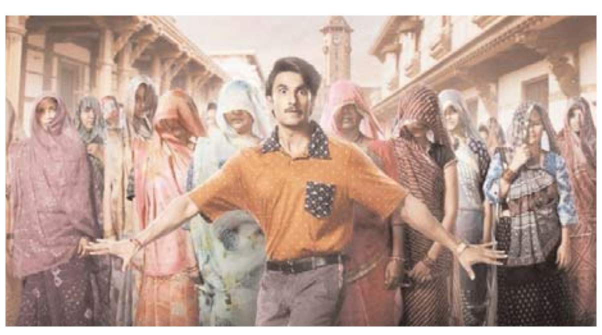

गौरतलब है कि फिल्म जयेशभाई जोरदार में रणवीर सिंह गुजराती शख्स का किरदार निभाते हुए दिखाई देंगे, जो समाज की पितृसत्तात्मक सोच और कुरितियों का पुरजोर विरोध करते हुए दिखाई देंगे। इस फिल्म में रणवीर सिंह के साथ शालिनी पांडेय,बोमन ईरानी और रत्न पाठक शाह भी अहम किरदार में दिखाई देंगी। दिव्यांग टक्कर के निर्देशन में बनी इस फिल्म का निर्माण यशराज फिल्म्स के बैनर तले किया गया है।

यह फिल्म 1× मई, 2022 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

करण जौहर की फिल्म में काम कर सम्मानित महसूस कर रहे हैं रणवीर सिंह

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह फिल्मकार करण जौहर की फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी में काम कर सम्मानित महसूस कर रहे हैं। रणवीर सिंह इन दिनों करण जौहर निर्मित फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी में काम कर रहे हैं। इस फिल्म मे रणवीर सिंह के अपोजिट आलिया भट्ट काम कर रही है। रणवीर सिंह ने कहा, मैं करण जौहर की फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी में मुख्य भूमिका निभाने को लेकर खुद को सम्मानित महसूस कर रहा हूं। उन्होंने कई कल्ट फिल्में बनाई हैं, जिनको देख कर हम बड़े हुए हैं। फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी एक रोमांटिक ड्रामा फिल्म है और इस विधा में उनके पास ऑर्नरशिप है।

बच्चों के प्रोफेशनल लाइफ में दखल देना पसंद नहीं करते हैं अनिल कपूर

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता अनिल कपूर का कहना है कि वह अपने बच्चों के प्रोफेशनल लाइफ में दखल देना पसंद नहीं करते हैं।अनिल कपूर के तीनों बच्चे फिल्म लाइन से जुड़े है। अनिल कपूर की बेटी सोनम कपूर और बेटा हर्षवर्धन कपूर एक्टिंग फील्ड में हैं तो वहीं दूसरी बेटी रिया कपूर प्रोड्यूसर हैं। अनिल कपूर का कहना है कि वह अपने बच्चों की प्रोफेशनल लाइफ में बिल्कुल भी दखल देना नहीं पसंद करते हैं। अनिल कपूर को लोग उनके अनुभव का फायदा अपने बच्चों को देने के लिए कहते हैं और उन्हें अच्छे प्रोजेक्ट एडवाइस करने के लिए बोलते हैं, लेकिन अनिल इस बात से इत्तेफाक नहीं रखते। उनका मानना है कि बच्चों को अपनी गलतियों से ही सीखना चाहिए। अनिल कपूर ने बताया कि लोग उन्हें हर्षवर्धन को फिल्मों का चुनाव करने के लिए सलाह देने के लिए कहते हैं। अनिल कपूर ने बताया, मैं कहता हूं, %वह तब करेंगा जब उसे लगेगा कि वह इसे करना चाहता है। मैं उसे यह नहीं बताना चाहता कि तुम यह करो, तुम वह करो, या कुछ भी करो। मेरा मानना है कि मुझे अपने बच्चों को वह करने देना चाहिए जिसमें वे विश्वास करते हैं।मैं वह बाप नहीं हूं जो लाठी लेकर बैठकर ज्ञान या सलाह देते हैं। वास्तव में, पूरा परिवार ऐसा है ... बहुत स्वतंत्र है, और उनका अपना दृष्टिकोण है।

टाइगर श्राफ की हीरांपंती 2 का ट्रेलर रिलीज

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता टाइगर श्राफ की आने वाली फिल्म हीरोपती 2 का ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है. ।टाइगर श्राफ इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म हीरोपंती 2 के प्रमोशन में व्यस्त हैं। इस फिल्म में टाइगर श्रॉफ दमदार एक्शन करते हुए नजर आएंगे। हीरोपंती 2 का ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है।टाइगर श्रॉफ ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट से भी हीरोपंती 2 का ट्रेलर शेयर किया है। उन्होंने इसे शेयर करते हुए लिखा, असली हीरोपंती लोगों को जीतने में है, आ गया है बबलू आप लोगों का दिल जीतने। गौरतलब है कि फिल्म हीरोपंती 2 में टाइगर श्रॉफ बबलू के मुख्य किरदार में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म में उनके साथ तारा सुतारिया और नवाजउद्दीन सिद्दिकी की भी अहम भूमिका है। अहमद खान के निर्देशन में बनी इस फिल्म का निर्माण साजिद नाडियाडवाला फिल्म्स के बैनर तले किया गया है। यह फिल्म 29 अप्रैल, 2022 को ईद के मौके पर रिलीज होगी।